डाक पंजीयन 29/2010-2012

दैनिक

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

दो राज्यः मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ 4 संस्करणः भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर से एक साथ प्रकाशित

वेब संस्करण
www.aajkijandhara.com
www.jandhara.in
Jandhara24x7
@AJandhara/Jandhara24/7
AajkiJandhara & Jandhara24x7
9981126516, 9425203900
RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544

वष : 01, अंक : 224, भोपाल, मंगलवार 16 जून 2026, पृष्ठः 12,मूल्यः 2/- | aajkijandhara.news | aajkijandhara | NewsAkj | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-16, वि.सं. 2083

अबूझमाड़ से नक्सली गए, अब जंगल भी जा रहे

रिकॉर्ड की खामियों का फायदा, हजारों एकड़ वन क्षेत्र पर खतरा

हेमंत संचेति

नारायणपुर। बस्तर में लगभग पांच दशक तक नक्सलियों के प्रभाव में रहने वाला अबूझमाड़ अब विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है, लेकिन इसी के साथ एक नया संकट भी तेजी से आकार ले रहा है। नक्सलियों के खौफ में जहां कभी सरकारी अमला पहुंच नहीं पाता था, वहीं अब उस प्रशासनिक शून्यता और अधूरे सरकारी रिकॉर्ड का फायदा उठाकर जंगलों पर कब्जे और अंधाधुंध वन कटाई का सिलसिला शुरू हो गया है।

अबूझमाड़ का बड़ा हिस्सा आज भी राजस्व और वन विभाग के रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं है। वर्षों तक नक्सली प्रभाव के कारण न तो सीमांकन हो पाया और न ही जमीनों का व्यवस्थित सर्वे। अब जब सड़कें बन रही हैं और क्षेत्र बाहरी दुनिया से जुड़ रहा है, तब इसी अव्यवस्था का फायदा उठाकर कई स्थानों पर वन भूमि को साफ कर खेती और कब्जे की कोशिशें तेज हो गई हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार इरकभट्टी-कच्चापाल, तोके-कोड़ेनार-जटवर-बाड़ापेंदा, बालेबेड़ा-परियादि-काकुर, मसपुर-गारपा-होरादी-काँडुलपार-पांगुड़, कोड़कोरसा-आदनार, कुतुल-कोड़नार-धुरबेड़ा-आदिमपार-माटवाड़ा-धोबे तथा ओरछा-लंका मार्ग के आसपास बड़े पैमाने

पर जंगल साफ किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में पेड़ों की कटाई कर जमीन को खेती योग्य बनाया जा रहा है।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि जब वन भूमि पर खुलेआम कब्जे और कटाई की शिकायतें सामने आ रही हैं, तब जिम्मेदार विभाग आखिर कर क्या रहे हैं? वन विभाग का तर्क है कि अबूझमाड़ का अधिकांश हिस्सा अंसर्वेड क्षेत्र है और स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं होने के कारण कार्रवाई में दिक्कत आती है। सवाल यह है कि यदि रिकॉर्ड अधूरे हैं तो उन्हें दुरुस्त करने की जिम्मेदारी किसकी है? और जब तक रिकॉर्ड पूरे नहीं होते, तब तक जंगलों को कटने के लिए छोड़ दिया जाए?

विडंबना यह है कि यह पूरा इलाका प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप के प्रभाव वाले क्षेत्र में आता है। वन संरक्षण की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जिस विभाग पर है, उसी विभाग की मौजूदगी में जंगलों के तेजी से सिमटने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। विपक्ष इसे वन विभाग की उदासीनता और सरकार की विफलता बता रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नक्सलवाद के दौर में जंगल सुरक्षित थे क्योंकि बाहरी हस्तक्षेप सीमित था। अब सड़क पहुंचने के बाद वन भूमि पर दबाव बढ़ गया है। यदि समय रहते सीमांकन, सर्वे और निगरानी की ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में अबूझमाड़ का विशाल वन क्षेत्र कब्जों और कटाई की भेंट चढ़ सकता है।

वन विभाग ने 'वन मित्र' समूहों के गठन और जनजागरूकता अभियान की बात कही है, लेकिन जमीन पर कटते पेड़ और बढ़ते कब्जे इन दावों की पोल खोलते दिखाई दे रहे हैं। सवाल यह भी है कि क्या जागरूकता अभियान उन लोगों को रोक पाएंगे जो वन भूमि को साफ कर स्थायी कब्जे की तैयारी में जुटे हैं?

नक्सलवाद से मुक्त होने के बाद अबूझमाड़ के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब विकास नहीं, बल्कि विकास और संरक्षण के बीच संतुलन की है। यदि प्रशासन ने जल्द स्पष्ट सीमांकन, कड़ी निगरानी और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई नहीं की, तो नक्सलमुक्त हुआ अबूझमाड़ आने वाले समय में वनविहीन अबूझमाड़ के रूप में पहचाना जा सकता है।

जनधारा पड़ताल — रिकॉर्ड में नहीं मिले टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट, वैधता पर उठे सवाल

प्रदेश में नियम ताक पर, बिना मंजूरी सड़कों पर दौड़ीं 2440 बसें

नियम लागू होने के बाद भी पुराने दस्तावेजों पर जारी रहा पंजीयन

कृष्ण कुमार सिकंदर

भोपाल। मध्यप्रदेश में परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। प्रदेश के 52 परिवहन कार्यालयों ने केंद्र सरकार के नए नियम लागू होने के बावजूद 2440 बसों का पंजीयन अनिवार्य टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट के बिना कर दिया। इनमें यात्री बसों से लेकर स्कूल बसें और शैक्षणिक संस्थाओं के वाहन भी शामिल हैं। मामले के सामने आने के बाद इन वाहनों की कानूनी वैधता और अधिकारियों की जवाबदेही पर बहस तेज हो गई है। परिवहन आयुक्त कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार 1 सितंबर 2025 से 5 जून 2026 के बीच प्रदेश में 1487 यात्री बसें, 745 शैक्षणिक संस्थाओं की बसें, 141 स्कूल बसें और 67 निजी बसों का पंजीयन किया गया। जांच में सामने आया कि इनमें से किसी के भी रिकॉर्ड में वह टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं है, जिसे केंद्र सरकार ने अनिवार्य किया था। दरअसल,

केंद्र सरकार ने 6 मार्च 2024 को अधिसूचना जारी कर बस पंजीयन की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया था। नए नियमों के तहत 1 सितंबर 2025 से पुरानी व्यवस्था समाप्त कर दी गई, जिसमें बस बॉडी निमार्ता फॉर्म 22बी के आधार पर वाहन का पंजीयन करा सकता था। इसके स्थान पर 13 या उससे अधिक यात्री क्षमता वाली प्रत्येक बस के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण एजेंसी से टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया। यह प्रमाणपत्र एआईएस मानकों के अनुरूप फॉर्म-53 या फॉर्म-153 के रूप में जारी किया जाता है। नियम लागू होने के बाद भी कई परिवहन कार्यालय पुराने दस्तावेजों के आधार पर बसों का पंजीयन करते रहे। रिकॉर्ड में अनिवार्य प्रमाणपत्र उपलब्ध न होने के बावजूद वाहनों को रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर दिए गए। इससे न केवल पंजीयन प्रक्रिया की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग गया है, बल्कि यह भी सवाल उठ रहा है कि संबंधित अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी क्यों की।

मामले में सबसे गंभीर पहलू स्कूल बसों का है। जांच में सामने आया है कि 141 स्कूल बसों का पंजीयन भी बिना आवश्यक टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट के कर दिया गया। इनमें भोपाल में 51 और इंदौर में 48 स्कूल बसें शामिल हैं। बच्चों की सुरक्षा से जुड़े वाहनों के पंजीयन में हुई इस चूक ने परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन ने इस पूरे मामले में बस संचालकों को जिम्मेदार मानने से इनकार किया है। एसोसिएशन का कहना है कि वाहन मालिक निर्धारित दस्तावेज जमा कर पंजीयन के लिए आवेदन करते हैं। यदि दस्तावेज अधूरे थे तो पंजीयन अधिकारियों को आवेदन निरस्त करना चाहिए था। जब विभाग ने स्वयं वाहनों का पंजीयन किया है तो इसकी जिम्मेदारी भी अधिकारियों की ही बनती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने सभी जिला परिवहन अधिकारियों से 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

जिला	बसों की संख्या
इंदौर	387
नीमच	247
देवास	220
उज्जैन	192
आगर मालवा	168
भोपाल	166

अभिषेक बनर्जी से ईडी की पूछताछ जारी

कोलकाता। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता में ईडी ऑफिस पहुंच गए हैं। ईडी अभिषेक से कैश-फॉर-स्कूल-जॉब स्कैम में पूछताछ की जा रही है। उन्हें 3 जून को नोटिस जारी कर 15 जून की दोपहर 12 बजे तक एजेंसी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। इस मामले में सीबीआई और ईडी दोनों की चार्जशीट में अभिषेक का नाम है। इससे पहले रविवार को विधायकों के फर्जी साइन मामले में सीबीआई ने अभिषेक से 8 घंटे पूछताछ की थी। इस मामले में अभिषेक को फिर से 16 जून को सीबीआई के सामने पेश होना है।

अभिषेक के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने 13 जून देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम सेंट्रल फोर्स के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला। छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थोड़ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह छापेमारी अभिषेक के पीए सुमित रॉय का पता लगाने के लिए की गई थी।

अभिजीत दीपके को जड़ दिया थप्पड़

- **जयपुर में कॉकरोच पार्टी के जुटान में हंगामा**

जयपुर। राजधानी के शहीद स्मारक पर सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को एक युवक ने थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद समर्थकों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया।

शिक्षा और बेरोजगारी के मुद्दों पर जुटे थे प्रदर्शनकारीः कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों और बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, युवा, अभिभावक और महिलाएं शामिल हुईं।

कंधों पर लेकर जा रहे थे,

तभी मारा थप्पड़ः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अभिजीत दीपके के शहीद स्मारक पहुंचने पर समर्थकों ने उन्हें कंधों पर उठा लिया। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक युवक उनके पास पहुंचा और थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद वहां मौजूद समर्थकों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने युवक को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। बाद में पुलिस ने स्थिति संभाली और आरोपी को अपने साथ ले गई।

प्रदर्शन के दौरान युवकों में भी हुई झड़पः थप्पड़ कांड से पहले भी प्रदर्शन स्थल पर कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया था।

नर्मदापुरम में दर्दनाक सड़क हादसाः

अनियंत्रित बोलेरो पलटी, पांच लोगों की मौत, दो गंभीर घायल

संदीप चौरसिया

पिपरिया (नर्मदापुरम)। 15 जून नर्मदापुरम जिले के पिपरिया के समीप मटकुली-झिरिया मोड़ पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बोलेरो वाहन (एमपी-13-एके-4757) ग्राम देलाखाड़ी से एक रसोई कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहा था। इसी दौरान मटकुली-झिरिया मोड़ के पास एक मोटरसाइकिल सवार को ओवरटेक करने के प्रयास में वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बोलेरो सड़क किनारे

घायल शरद

पलट गई। हादसे के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मृतकों और घायलों को निजी वाहनों से शासकीय

घायल आकाश धुर्वे

सिविल अस्पताल पिपरिया पहुंचाया गया। स्टेशन रोड थाना प्रभारी मदनलाल ने बताया कि हादसे में प्रदीप धुर्वे (48), पंचम ठाकुर (55), अक्षत धुर्वे (8), ज्योति धुर्वे और कुलदीप ठाकुर (40) की

मौत हो गई। वहीं आकाश धुर्वे (25) और शरद उईके (21) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सभी मृतकों का पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह किया जाएगा।

बंगाल पुलिस ने जहांगीर खान को दोबारा परेड कराई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के फालता में पुलिस ने टीएमसी नेता जहांगीर खान की फिर हाफ पैंट में सड़क पर परेड कराई। इस दौरान जहांगीर ने कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगते दिखे। पुलिस ने चार घंटे नंगे पैर सड़क पर घुमाया। इससे पहले 11 जून को भी फालता में ही जहांगीर की हाफ पैंट में परेड कराई गई थी। जांच के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर आई है। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। जहांगीर पर अवैध वसूली और महिलाओं को गैंगरेप की धमकी देने का आरोप है। जहांगीर का फालता में दबदबा था। जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

भरोसे की आड़ में धोखा : रायपुर के शक्कर कारोबारियों से 2 करोड़ की ठगी

- **रायगढ़ के पिता-पुत्र पर मामला दर्ज**

रायपुर। शक्कर कारोबार से जुड़ी एक बड़ी कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। राजधानी रायपुर सहित सरगुजा संभाग के कई व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि शक्कर सप्लाई के नाम पर उधार में माल लेने के बाद भुगतान नहीं किया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रायगढ़ निवासी एक कारोबारी और उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता-पुत्र पर धोखाधड़ी का आरोपः मामले में रायगढ़ निवासी राजेश अग्रवाल और उसके बेटे को आरोपी बनाया गया है। खमतराई थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने व्यापारियों से बड़े पैमाने पर शक्कर उधार में खरीदी, लेकिन तय समय पर भुगतान नहीं किया। इससे कई कारोबारी आर्थिक नुकसान का सामना कर रहे हैं। **व्यापारी यूनियन के नाम पर बनाया नेटवर्कः** शिकायत में दावा

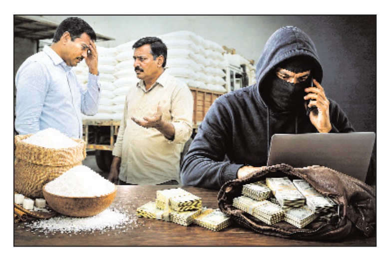

किया गया है कि आरोपियों ने कारोबारियों का विश्वास हासिल करने के लिए छग-ओडिशा-एमपी शुगर व्यापारी यूनियन नाम से एक समूह बनाया था। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभिन्न जिलों और राज्यों के व्यापारियों से संपर्क स्थापित कर व्यापारिक नेटवर्क तैयार किया गया। बताया जा रहा है कि इसी नेटवर्क के जरिए कारोबारियों के साथ लेन-देन शुरू हुआ और बाद में बड़ी मात्रा में शक्कर उधार में ली गई। **होटल में हुई थी कारोबारियों की बैठकः** जानकारी के अनुसार रायपुर के रामसागरपारा स्थित एक होटल में शक्कर कारोबारियों की बैठक भी आयोजित की गई थी।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

- **3 साल पहले पति-पत्नी ने यह पार्टी बनाई थी, नारा था- दलबदलू नेताओं को नकारो**

कोलकाता/नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी।

एनसीपीआई के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। एनसीपीआई अध्यक्ष उत्तिया ने 13 मई को फेसबुक पर बंगाल सीएम

शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी। हावड़ा में एनसीपीआई का ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। उनकी पत्नी शेउली के नाम के नीचे कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील लिखा है।

एनसीपीआई बंगाल में रजिस्टर्ड, त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत कीः एनसीपीआई का रजिस्टर्ड पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बानीपुर इलाके में है।

भाई को खान सर ने मरवाया : रौशन आनंद

खान सर बोले- बीमारी से नेपाल में मौत हुई, आज अंतिम संस्कार

पटना। पटना के ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद ने फैजल खान उर्फ खान सर पर भाई की हत्या करवाने का आरोप लगाया है। रौशन आनंद ने सोमवार को कहा- खान सर और किसान कोल्ड स्टोर के मालिक आर एस प्रसाद ने मिलकर मेरे भाई प्रिंस की हत्या की है। रौशन आनंद को खान सर की कोचिंग पर पथराव मामले मे सोमवार को पटना सिविल कोर्ट से जमानत मिली है। इसके बाद वह बेऊर जेल से बाहर निकले और प्रिंस के अंतिम संस्कार में शामिल होने सहरसा के लिए रवाना हो गए। रौशन आनंद ने कहा कि मैं बाहर था तो क्यों उसकी हत्या नहीं हुई। मेरे जेल में जाते ही उसकी साजिश के तहत उसे मरवाया गया। फैजन खान बहुत झूठ बोलता है। पहले कह रहा था गोली हमने चलाई। वीडियो सामने आया कि उसने ही गोली चलवाई।

रविवार को नेपाल के विराटनगर

के एक होटल में रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव लाश मिली थी। प्रिंस की आंख पर चोट के निशान थे। आज सहरसा में प्रिंस का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इधर, खान सर का कहना है कि प्रिंस की हत्या नहीं हुई है, वह पहले से बीमार था।

वकील बोले- खान सर के बॉडीगार्ड ने फायरिंग की बात छिपाईः रौशन आनंद को 3 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 12 दिन बाद उन्हें जमानत मिली है। 2 जून को खान सर कोचिंग में हुए हमले के बाद दर्ज एफआईआर में प्रिंस भी नामजद आरोपी था। रौशन आनंद के वकील रमाकांत शर्मा के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, दोनों टीचर हैं, हेल्दी कम्पीटिशन करें, क्रिमिनल एक्टिविटी में इन्वॉल्व न हों। गुरु हैं, गुरु की तरह व्यवहार करें। रौशन आनंद के वकील रमाकांत शर्मा ने बताया, हमने कोर्ट में कहा अगर इस एफआईआर को एक्सेप्ट भी किया जाए तो रौशन आनंद इस घटना में शामिल नहीं हैं। हमपर षडयंत्र का आरोप है तो खान के बॉडीगार्ड के फायरिंग की बात क्यों छिपाई गई।

खान सर बोले- प्रिंस पहले से बीमार था, उसे किसी ने नहीं माराः वहीं, रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर खान सर ने अपना एक भावुक वीडियो मैसेज जारी कर दुख जताया है। उन्होंने सफाई दी- उसको किसी ने नहीं मारा। वो हम लोगों का करीबी दोस्त था हम लोग क्यों करेंगे ऐसा। किसी अन्य ने भी उसको नहीं मारा। वो पहले से बीमार था।

कुमकुम भाग्य एक्ट्रेस संचिता ने सुसाइड किया

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई। सहायक पुलिस निरीक्षक विनोद वाघ ने मीडिया को दिए बयान में कहा, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध

नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।' संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। रविवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी बहन अंजली घर से बाहर गई थी। उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था।

अकाल तख्त ने सीएम को गुरु दोषी-पंथ विरोधी करार दिया

- **जत्थेदार बोले- शराब वाली वीडियो सही, आप बोली- उसमें भगवंत मान, ये साबित नहीं होता**

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को अकाल तख्त ने पंथ विरोधी और गुरु विरोधी घोषित कर दिया है। जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने फसील से संबोधन में कहा कि वायरल वीडियो की फॉरेंसिक लैब से रिपोर्ट आने के बाद सामूहिक तौर पर सिखों ने कार्रवाई के लिए कहा। इसके बाद इस पर 5 सिंह साहिबानों की मीटिंग में चर्चा की गई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह को गुरुद्रोही और खालसा पंथ विरोधी करार दिया जाता है। पूरा खालसा पंथ और गुरु नामलेवा

सीएम को मुंह न लगाएं। यह फैसला सीएम मान की कथित शराब वाली वायरल वीडियो की पुष्टि होने पर लिया गया। इसके अलावा, अकाल तख्त ने आप के सारे सिख विधायकों को भी तलब किया है। उन्होंने सरकार के बेअदबी कानून पर साइन किए थे, जिसे अकाल तख्त ने गलत ठहराया है।

वहीं, आप प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने बयान जारी कर कहा है कि यदि मान भी लिया जाए कि वायरल वीडियो सही है, फिर भी इससे यह साबित नहीं होता कि वीडियो में दिख रहा शख्स कौन है।

पत्रकारों की पत्रकारिता पर नोटिस का रोड़ा!

खबर के प्रकाशन के बाद पुलिस द्वारा पत्रकारों को दिए गए नोटिस के विरोध में पत्रकारों ने दिए ज्ञापन

आज की जनधारा

विदिशा। कुछ दिन पहले बागरोद में मंदिर विवाद को लेकर बासौदा और शमशाबाद के पत्रकारों द्वारा खबर का प्रकाशन किया गया था। जिसके चलते प्रशांत रघुवंशी द्वारा पत्रकारों के विरुद्ध शिकायत कोतवाली थाना विदिशा में की गई और इसके बाद पत्रकारों के लिए नोटिस जारी किए गए।

नोटिस जारी किए जाने को लेकर सोमवार को जर्नलिस्ट यूनियन आफ मध्यप्रदेश के बैनर तले बड़ी संख्या में पत्रकार कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिया गया। इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। हमने आवेदन के आधार पर और अधिकारी के वर्जन के साथ खबर का प्रकाशन किया था, लेकिन इस मामले में पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास खबर प्रकाशन करने के सभी दस्तावेज उपलब्ध हैं और हम इस नोटिस का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो और मयंक कानूनगो के साथी प्रशांत रघुवंशी द्वारा थाने में शिकायत की गई है। उन्होंने कहा कि पत्रकार हमेशा सच्चाई और ईमानदारी से काम करता है, लेकिन आपसी विवाद के चलते

पत्रकारों को बीच में घसीटा जा रहा है। विदिशा कोतवाली थाना प्रभारी द्वारा हमें नोटिस दिए गए हैं जो हमारे कार्य क्षेत्र अंतर्गत नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब हम लोगों ने खबर का प्रकाशन बासौदा और शमशाबाद से किया था तो हम लोगों को नोटिस भी बासौदा और शमशाबाद थाने द्वारा दिया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा न कर हमें कोतवाली थाना विदिशा द्वारा नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी जांच कराई जाए और पत्रकारों को जो झूठे नोटिस जारी किए गए हैं उसकी जांच कराई जाए।

उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही इस मामले में जांच नहीं की गई तो पत्रकार अपना काम बंद कर धरने पर बैठ जाएंगे और तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा जब तक की इस मामले की जांच नहीं हो जाती और दोषी लोगों पर कार्रवाई नहीं होती है। इस दौरान पत्रकारों का कहना था कि वर्तमान समय में पत्रकार को काम करना मुश्किल हो रहा है। कोई भी खबर प्रकाशित करते हैं तो कहीं अधिकारी नोटिस भेज देते हैं तो कहीं दूसरे अन्य लोग भी नोटिस भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार की आवाज को कहीं न कहीं दबाने का काम किया जा रहा है। ऐसे में पत्रकारों के लिए काम करना मुश्किल हो गया है। लोग अपने गलत कामों को छुपाने के लिए पत्रकारों पर दबाव बनाते हैं और पत्रकार को कहीं न कहीं झूठी शिकायतों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की जो आजादी और स्वतंत्रता है उसे यथावत रहना चाहती है तभी पत्रकार स्वतंत्र रूप से प्रशासन और लोगों की आवाज उठा सकता है वरना जिस प्रकार से पत्रकारों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है उससे कहीं न कहीं मीडिया की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस मामले को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और कोतवाली थाना विदिशा द्वारा जिन पत्रकारों के लिए नोटिस जारी किए गए हैं उनके गृह स्थान थाने पर स्थानांतरण किया जाएगा, जिससे कि पत्रकार अपने जवाब संबंधित थाने को उपलब्ध करा सकें।

चुनाव प्रक्रिया यदि निष्पक्ष नहीं रही तो स्वतंत्र चुनाव की संवैधानिक व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी:कांग्रेस

आज की जनधारा

विदिशा। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में सोमवार को एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष के साथ नगर कांग्रेस अध्यक्ष रवि साहू, सुशील शर्मा, अर्पित उपाध्याय, गोविन्द भार्गव उपस्थित रहे। सभी ने नामांकन रद्द किए जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के दबाव में निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया गया है, जो पूरी तरह अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सभी नियमों और वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप दाखिल किया गया था। इसके बावजूद बिना किसी ठोस आधार के नामांकन को रद्द किया जाना यह दर्शाता है कि विपक्ष की मजबूत आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। श्री रघुवंशी ने आरोप लगाया कि वर्तमान में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग के इस निर्णय के विरोध में आगामी समय में संपूर्ण जिले में कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और न्यायिक लड़ाई सहित सभी लोकतांत्रिक विकल्प अपनाएगी। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और ऐसे निर्णयों का जवाब आगामी चुनाव में मतदाता जरूर देंगे। यदि चुनावों में रिटर्निंग ऑफिसर की मनमानी इसी तरह जारी रही तो कोई भी व्यक्ति निष्पक्ष रूप से चुनाव नहीं लड़ पाएगा।

जिला जेल विदिशा में राज्य व्यापी योग सप्ताह अभियान का शुभारंभ

आज की जनधारा

विदिशा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा निर्देशानुसार एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य व्यापी योग सप्ताह अभियान के अंतर्गत सोमवार को जिला जेल विदिशा में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदिशा शेख सलीम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितेन्द्र सिंह तोमर, जेल अधीक्षक प्रियदर्शन श्रीवास्तव, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिव्या भलावी, लीगल एड डिफेंस कार्उसिल चीफ सुरजीत सिंह सिकरवार, लीगल एड असिस्टेंट विनोद कुशवाह, अनिमेष तिवारी एवं जेल स्टॉफ तथा बडी संख्या में बंदीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय जबलपुर मध्यप्रदेश विवेक रूसिया द्वारा केन्द्रीय जेल जबलपुर में किया गया। आयोजित

उद्घाटन कार्यक्रम का ऑनलाईन प्रसारण वीसी के माध्यम से जिला जेल विदिशा में प्रदर्शित किया गया। इसके पश्चात ऑनलाईन माध्यम से अधिकारीगण एवं बंदीगण को योगाभ्यास एवं प्राणायाम कराया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं बंदीगणों ने उत्साह पूर्वक योग सत्र में सहभागिता करते हुए स्वस्थ्य जीवन शैली जीने का संकल्प लिया। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेख सलीम द्वारा कहा गया कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जेलों में योग कार्यक्रम के आयोजन से बंदियों में आत्मविश्वास, आत्मानुशासन एवं सकारात्मक सोच का विकास होता है तथा मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार आता है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का अपहरण और गलत कार्य करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आज की जनधारा

विदिशा। 19.05.2026 को थाना पठारी क्षेत्र की 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के अपहरण की सूचना प्राप्त होने पर थाना पठारी में अपराध क्रमांक 73/26 अंतर्गत धारा 137(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी अरविंद पिता प्राण सिंह परिहार नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया था तथा उसके साथ गलत कार्य किया। प्रकरण की विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर धारा 87, 65(1), 64(2)(एम) बीएनएस एवं 5/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे तथा एसडीओपी कुरवाई रोशनी सिंह के मार्गदर्शन में थाना पठारी पुलिस द्वारा लगातार तलाश एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर खोजबीन की गई। पुलिस टीम ने डबरा, जिला ग्वालियर से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी अरविंद पिता प्राण सिंह परिहार, निवासी ग्राम कैथी, थाना चिनोर, जिला ग्वालियर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ऋतुराज सिंह, प्रधान आरक्षक उत्तम वर्मा एवं आरक्षक वीरेंद्र कुमार की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

एक पिता ने बेटी की मौत को बताया हत्या, न्याय की गुहार

आज की जनधारा

विदिशा। एक पिता अपनी बेटी की मौत को हत्या बताते हुए न्याय की गुहार लगा रहा है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसकी बेटी की हत्या कर दी गई, लेकिन मामला दर्ज होने के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों के राजनीतिक रसूख के कारण पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही।

ग्राम भौरिया निवासी मीठालाल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी सलोनी की शादी आशीष उर्फ नैतिक किरार से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही सलोनी को दहेज के

लिए प्रताड़ित किया जाने लगा।

पीड़ित पिता का आरोप है कि पति, सास, जेठ और जेठानी द्वारा मोटरसाइकिल, चार पहिया वाहन और 10 लाख रुपये नकद की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर सलोनी को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। 13 मई 2026 को सलोनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायका पक्ष इसे सुनियोजित हत्या करार दे रहा है। परिजनों का कहना है कि घटना के करीब 20 दिन बाद पुलिस ने मामला दर्ज तो कर लिया, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। परिवार का आरोप है कि आरोपी पक्ष राजनीतिक प्रभाव वाला है और इसी वजह से कार्रवाई में देरी हो रही है। इतना ही नहीं पीड़ित परिवार ने धमकियां मिलने का भी आरोप लगाया है। परिजनों ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से हमारी मांग है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर हमें न्याय दिलाया जाए।

नटेरन में तीन दिवसीय मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर संपन्न, 384 में से 294 आवेदनों का मौके पर ही हल

आज की जनधारा

विदिशा। नटेरन जनपद परिसर में आयोजित तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का भव्य और सफल शुभारंभ हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले हितग्राहियों की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर ही त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करना रहा, जिसमें प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे जमीनी स्तर पर आम जनो तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस त्रि-दिवसीय शिविर को कुशल प्रबंधन के लिए तीन क्लस्टर में आयोजित किया गया था। ग्राम पंचायतों के सचिवों और रोजगार सहायकों के माध्यम से क्लस्टर अनुसार पात्र हितग्राहियों को चिह्नित कर शिविर का लाभ दिलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। शिविर के दौरान कुल 384 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकारियों की सक्रियता के चलते 294 आवेदनों का मौके पर ही (ऑन-स्पॉट) निराकरण कर हितग्राहियों को त्वरित राहत प्रदान की गई है। वहीं, जिन 90 शिकायतों का किसी तकनीकी या अन्य कारणवश मौके पर

निराकरण नहीं हो पाया, उन्हें अधिकारियों द्वारा समय-सीमा के भीतर निराकृत करने हेतु सूचीबद्ध किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक सूर्य प्रकाश मीना उपस्थित रहे। इसके साथ ही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजय प्रताप सिंह पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीतेंद्र जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल सिंह रघुवंशी एवं उपाध्यक्ष नीलेश धाकड़, तहसीलदार आनंद कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

विधायक ने हितग्राहियों को सौंपे अधिकार पत्र और सामग्रियां

शिविर के दौरान मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय विधायक सूर्य प्रकाश मीना ने कई पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत पत्र और सामग्रियां मौके पर ही वितरित कीं, जिनमें मुख्य रूप से स्वाइल हेल्थ कार्ड (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) एवं मृदा परीक्षण कार्ड, सीमांकन प्रमाणपत्र, शिशु पोषण किट जाति प्रमाणपत्र शामिल हैं। मौके पर ही सरकारी लाभ, प्रमाण पत्र और पोषण किट पाकर दूर-दराज से आए ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने शासन व प्रशासन के इस सराहनीय प्रयास के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिविर परिसर में सभी शासकीय विभागों द्वारा अपने-अलग स्टाल लगाए गए थे, जहां अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को बेहद संजीदगी से सुना। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। आमजन की सुविधा के लिए आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड एवं समग्र आईडी से जुड़ी सेवाओं के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए गए, जहां बड़ी संख्या में लोगों के अटके हुए कार्य पूरे हुए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम तरबरिया में मनाया गया बावड़ी उत्सव

आज की जनधारा

विदिशा। जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सिरोंज तहसील के इमलानी सेक्टर स्थित ग्राम तरबरिया में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था प्याराखेड़ी जय मां जन सेवा समिति, द्वारा किया गया एवं सहयोग ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति तरबरिया का रहा। बावड़ी उत्सव के दौरान ग्रामीणों और श्रमदानियों ने बावड़ी न होने की स्थिति में कुएं की साफ-सफाई कर उसके संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात कुंआ पर पूजन किया गया तथा रंगोली बनाकर और दीपों से सजाकर जल स्रोत के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। एवं उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण संबधी सपथ दिलाई गई तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मां गंगा की आरती उतारी और जल संरक्षण का संकल्प लिया। श्रमदान कार्य में ग्राम इमलानी, लिधौरा तरबरिया की सहयोगी समितियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्थानीय ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

आज की जनधारा

विदिशा। सोमवार को अधिक मास के समापन अवसर पर और सोमवती अमावस्या के अवसर पर बेतवा नदी बढ़ वाले घाट पर स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान महिलाओं द्वारा सोमवती अमावस्या के अवसर पर सावित्री व्रत रखा गया और वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर परिवार की शुभ समृद्धि की कामना की गई।

भारतीय पंचांग के अनुसार 2 वर्ष बाद तीसरे वर्ष में एक माह अतिरिक्त आता है जिसे अधिक मास के नाम से जाना जाता है। यह माह लोगों के लिए धार्मिक महीना माना जाता है और लोग अलग-अलग तीर्थ स्थानों पर जाकर धर्म लाभ कमाते हैं। पंडित संजय राज पुरोहित ने बताया कि अधिक मास लोगों के लिए सुख समृद्धि देने वाला है। उन्होंने कहा कि किलेअंदर स्थित बालाजी मंदिर में पिछले 1 महीने से भगवान वेंकटेश बालाजी की पूजा अर्चना और अभिषेक सहित 56 भोग जैसे आयोजन किए गए। यहां लोग प्रतिदिन आकर बालाजी भगवान की परिक्रमा लगाते हैं और परिवार की सुख समृद्धि की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही अधिक मास का महीना धार्मिक कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है और लोग इस महीने में अलग-अलग तीर्थ स्थानों पर जाकर भगवान के दर्शन करते हैं। अधिक मास के महीने में धार्मिक स्थान पर जाकर पूजा अर्चना करना और भगवान के दर्शन करना लोगों के लिए धार्मिक और सुख समृद्धि के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है।

सोमवती अमावस्या के अवसर पर सुबह से ही भक्तों का पहुंचना प्रारंभ हो गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग बेतवा नदी के बाढ़ वाले घाट पहुंचे और आस्था की डुबकी लगाकर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। महिलाओं द्वारा स्नान करने के बाद सावित्री व्रत रखा गया और वट वृक्ष की पूजा अर्चना की गई। महिलाओं द्वारा 108 परिक्रमा की गई और अपनी अपनी मन्नत के अनुसार प्रसाद चढ़ाया गया। इस दौरान नगर के जगह-जगह मंदिरों में बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई और भगवान की पूजा अर्चना का वटवृक्ष की परिक्रमा की गई। साथ ही महिलाओं द्वारा तुलसी माता की भी पूजा अर्चना की गई और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण के तृतीय बैच का शुभारंभ

आज की जनधारा

विदिशा। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय बैच का शुभारंभ सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे की उपस्थिति में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जून से 20 जून तक आयोजित किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के आदेशानुसार जिले के विभिन्न थाना एवं पुलिस इकाइयों से कुल 40 अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु इस बैच में सम्मिलित हुए हैं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य वर्ष 2028 में महाकाल की नगरी उज्जैन में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महापर्व के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न व्यवस्थाओं, सुरक्षा चुनौतियों एवं भीड़ प्रबंधन संबंधी दायित्वों के लिए दक्ष एवं सक्षम बनाना है।

विरोध | *मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द करने का मामला*

युवा कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन, किया चुनाव आयोग का पुतला दहन

आज की जनधारा

विदिशा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के निर्देशानुसार और कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को लेकर उठे विवाद के विरोध में सोमवार की शाम माधवगंज पर युवा कांग्रेस द्वारा विशाल विरोध प्रदर्शन एवं चुनाव आयोग का पुतला दहन किया गया।

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सुमित पाल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आकाश शर्मा और पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष वैभव भारद्वाज के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आमजन शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया एवं संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा को लेकर नारेबाजी की। माधवगंज चौराहे पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह और जोश के साथ चुनाव आयोग का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का जवाब जनता को मिलना चाहिए तथा चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। पुतला दहन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन द्वारा पानी की बौछार की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और पुलिस द्वारा पुतले को छीनने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित रघुवंशी सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अगले 72 घंटों में मध्यप्रदेश में मानसून की दस्तक, कई जिलों में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने वाला है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले 72 घंटों के भीतर प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रवेश कर सकता है। इसके साथ ही कई जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी और पूर्वी मध्यप्रदेश के अधिकांश हिस्सों में 15 से 19 जून तक आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं की गतिविधियां बनी रह सकती हैं। कई इलाकों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, विदिशा, धार, झाबुआ, खरगोन, बड़वानी, सीहोर, राजगढ़ और आसपास के जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं। मानसून की सक्रियता बढ़ने से तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। तेज हवा और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए खुले स्थानों, पेड़ों के नीचे खड़े होने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

गरीबी पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी, चांदनी की शिक्षा का जिम्मा सरकार उठाएगी- मोहन यादव

भीमनगर बस्ती पहुंचे सीएम मोहन यादव, मेधावी छात्रा चांदनी से की मुलाकात; मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर लाभार्थियों से किया संवाद

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल की भीमनगर बस्ती में जनसंपर्क कर लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने एमपी बोर्ड की कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्रा चांदनी विश्वकर्मा के घर पहुंचकर उससे और उसके परिवार से मुलाकात की तथा उसके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चांदनी की उपलब्धि प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रतिभाशाली छात्रा की पढ़ाई में आर्थिक तंगी बाधा नहीं बनने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बुलंद हौसलों और कठिन परिश्रम से हर मंजिल हासिल की जा सकती है और चांदनी ने इसे साबित कर दिखाया है। मुख्यमंत्री बिना कारकेड के स्वयं ई-स्कूटी चलाकर भीमनगर बस्ती पहुंचे। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों और लाभार्थियों से बातचीत की, बेटियों को स्नेह दिया और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार का लक्ष्य गरीबों के जीवन में खुशहाली लाना है। सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए राज्यों का आत्मनिर्भर होना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है और विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा को साकार करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वैकल्पिक ईंधनों और ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति भी उपस्थित रहे।

भोपाल का अगला महापौर पुरुष पिछड़ा, महिला सामान्य या पिछड़ा वर्ग से... 85 वार्ड पार्षदों के लिए भी होगी आरक्षण प्रक्रिया

भोपाल। शहर सरकार यानी निगम चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अगले साल जून-2027 में निगम चुनाव होना है। यानी अब सालभर का समय भी नहीं बचा। राजनीतिक जोड़तोड़ तो शुरू हो ही जाएगी, साथ ही नगरीय विकास और आवास विभाग ने महापौर और अध्यक्ष पद के आरक्षण के लिए अधिकारी की नियुक्ति भी कर दी। भोपाल का अगला महापौर कौन होगा, इसकी अटकलें भी लगने लगी। हालांकि आरक्षण प्रक्रिया लॉटरी के जरिए पूरी होगी। अब अगला महापौर पुरुष पिछड़ा या महिला सामान्य के साथ महिला पिछड़ा वर्ग से ही चयनित की जाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा 85 वार्ड पार्षदों की आरक्षण प्रक्रिया भी की जाएगी। आधे वार्ड महिलाओं

के लिए पूर्व की तरह आरक्षित रहेंगे। अब आने वाले तीन सालों में पहले निगम, उसके एक साल बाद विधानसभा और फिर 2028 के मध्य में लोकसभा के चुनाव होना है। इनमें सबसे ज्यादा कश्मकश वाले निगम चुनाव होते हैं, जिसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। नगरीय निकाय चुनाव-2027 की तैयारी राज्य शासन ने शुरू करवा दी और आयुक्त नगरीय प्रशासन और विकास को आरक्षण संबंधी कार्रवाई के लिए अधिकृत अधिकारी नियुक्त कर दिया है। वहीं महापौर और नगर पालिका अध्यक्ष के लिए आरक्षण की प्रक्रिया मध्यप्रदेश नगर पालिका नियम-1999 के प्रावधानों के तहत की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। 15 जून तक नाम जुड़वाने, हटाने या संशोधन के आवेदन लिए गए और फिर 25 जून तक निराकरण के बाद 10 जुलाई को मतदाता सूची वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद 18 जुलाई को उसका सार्वजनिक प्रकाशन भी किया जाएगा। दूसरी तरफ शासन ने महापौर और अध्यक्ष पदों के आरक्षण की प्रक्रिया से जुड़ा महत्वपूर्ण आदेश भी अभी जारी कर दिया है। मौजूदा नियमों के मुताबिक नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण निर्धारित है, जिसके चलते वर्तमान में भी भोपाल निगम सीमा में जो 85 वार्ड हैं, उनमें से 42 वार्डों में महिला पार्षद काबिज है। भोपाल की वर्तमान महापौर मालती राय हैं। वे अन्य पिछड़ा वर्ग (महिला) के लिए आरक्षित सीट से निर्वाचित होकर इस पद पर आसीन हैं। लिहाजा इस बार लॉटरी में पिछड़ा वर्ग महिला वर्ग नहीं रहेगा। इसी तरह रोटेशन के आधार पर पुरुष सामान्य या पिछला वर्ग से चुनी जाएगा। हालांकि महिला सामान्य में पिछड़ा वर्ग सहित अन्य श्रेणी को भी चुनाव लडने की पात्रता रही है। दूसरी तरफ 85 वार्डों के पार्षदों के आरक्षण की प्रक्रिया भी स्थानीय स्तर पर कलेक्टर द्वारा संचालित की जाएगी, वहीं महापौर और अध्यक्ष पद की लॉटरी और आरक्षण की प्रक्रिया भोपाल में होगी। वर्तमान में जो निगम परिषद् काबिज है उसके कार्यकाल में अब 1 साल का समय भी नहीं बचा है, क्योंकि अगले साल जून में निगम चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हो जाएगी। इसके पहले चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ आचार संहिता लागू हो जाएगी।

मप्र में कुपोषण का बढ़ता संकट

6000 करोड़ खर्च के बाद भी राष्ट्रीय औसत से अधिक गंभीर स्थिति

भोपाल। मध्य प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ वर्षों से अभियान चलाए जा रहे हैं। सरकार हर साल हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, आंगनबाड़ी नेटवर्क का विस्तार किया गया है और पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) की संख्या बढ़ाई गई है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-6 की ताजा रिपोर्ट प्रदेश के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। रिपोर्ट बताती है कि कुपोषण के कई प्रमुख संकेतकों में सुधार के बजाय गिरावट दर्ज की गई है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर योजनाओं पर खर्च हो रहे हजारों करोड़ रुपये का अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं दिख रहा। एनएफएचएस-6 (2023-24) के अनुसार मध्य प्रदेश में तीव्र कुपोषण (वेस्टिंग) की दर 23.8

प्रतिशत पहुंच गई है, जबकि राष्ट्रीय औसत 19.3 प्रतिशत है। चार वर्ष पहले एनएफएचएस-5 में यह आंकड़ा 18.9 प्रतिशत था। यानी प्रदेश में तीव्र कुपोषण के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कम वजन (अंडरवेट) वाले बच्चों की स्थिति भी चिंताजनक है। वर्ष 2019-21 में यह दर 33 प्रतिशत थी, जो अब बढकर 39.7 प्रतिशत हो गई है। इस श्रेणी में मध्य प्रदेश देश के सबसे खराब प्रदर्शन वाले राज्यों में शामिल हो गया है। गंभीर वेस्टिंग के मामले भी बढ़े हैं, जो दशार्ता है कि बच्चों को पर्याप्त और संतुलित पोषण नहीं मिल पा रहा। ठिगनेपन में कमी, लेकिन खतरा बरकरार स्टंटिंग यानी उम्र के अनुसार कम ऊंचाई वाले बच्चों की संख्या में कुछ कमी दर्ज की गई है। यह आंकड़ा 35.7 प्रतिशत से घटकर 31.4 प्रतिशत हो गया है। हालांकि यह सुधार सकारात्मक माना जा सकता है, लेकिन अब भी प्रदेश का लगभग हर तीसरा बच्चा ठिगनेपन का शिकार है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टंटिंग में सुधार के बावजूद वेस्टिंग और अंडरवेट में वृद्धि यह संकेत देती है कि पोषण संकट अभी भी गहराई से मौजूद है। खर्च बढ़ा, लेकिन परिणाम नहीं राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा विभागों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन पर प्रतिवर्ष लगभग 6000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

अब रुकेगा मानव-हाथी संघर्ष

वनकर्मियों ने प. बंगाल में सीखी हाथी प्रबंधन की आधुनिक तकनीकें

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की बढ़ती मौजूदगी और उनसे जुड़े मानव-हाथी संघर्ष की चुनौतियों के बीच वन विभाग ने प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश वन विभाग के 30 वन कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में आयोजित छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर जंगली हाथी प्रबंधन एवं मानव-हाथी द्वंद्व रोकथाम की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्रतिनिधित्व वन रक्षक लवकेश प्रसाद कुशवाहा, धीरेंद्र शुक्ल, कैलाश चौधरी, लवकेश गुप्ता एवं रवि कुमार वर्मा ने किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान हाथियों के व्यवहार, उनके प्रबंधन और संघर्ष की परिस्थितियों से निपटने के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया। उत्तरी पश्चिम बंगाल देश के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां मानव-हाथी संघर्ष लंबे समय से एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। ऐसे में वहां विकसित की गई प्रबंधन प्रणालियां और तकनीकें देशभर के वन विभागों के लिए उपयोगी मानी जाती हैं। प्रशिक्षण के दौरान वन कर्मियों को हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने के ऑपरेशन, ट्रांसेक्ट सर्वे, गोबर विश्लेषण के माध्यम से मॉनिटरिंग, हाथियों के व्यवहार की पहचान, कैम्प हाथियों के प्रबंधन और उनकी शारीरिक संरचना के आधार पर प्रोफाइलिंग जैसी

महत्वपूर्ण विधियों का प्रायोगिक अनुभव दिया गया। प्रशिक्षण की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि प्रतिभागियों को गोरुमारा, कर्सिओंग, बैकुंठपुर और जलपाईगुड़ी वन मंडलों के आईएफएस अधिकारियों, वन अमले, वाइल्डलाइफ स्क्वाड, क्विक रिस्पॉन्स टीम और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिला। इस दौरान मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। गौरतलब है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले लगभग आठ वर्षों से जंगली हाथियों का नियमित विचरण बना हुआ है। अब यह क्षेत्र हाथियों के लिए एक स्थायी आवास के रूप में विकसित हो चुका है, जो यहां के स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र का संकेत माना जाता है।

एम्स भोपाल में रोबोटिक तकनीक से रीढ़ की गंभीर विकृति (स्कोलियोसिस) का सफल उपचार, 16 वर्षीय मरीज को मिली नई जिंदगी

भोपाल। एम्स भोपाल ने आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रीढ़ की गंभीर विकृति (स्कोलियोसिस) से पीड़ित 16 वर्षीय किशोर का सफल उपचार किया है। इस उपलब्धि से उन मरीजों को नई उम्मीद मिली है जो रीढ़ की जटिल समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्कोलियोसिस ऐसी बीमारी है जिसमें रीढ़ की हड्डी सामान्य रूप से सीधी रहने के बजाय एक ओर मुड़ जाती है। इससे शरीर का संतुलन प्रभावित होता है और भविष्य में कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। संबंधित किशोर ने पूर्व में कई संस्थानों में उपचार कराया, लेकिन उसे अपेक्षित लाभ नहीं मिला। इसके बाद मरीज ने एम्स भोपाल में परामर्श लिया, जहां विस्तृत जांच और मूल्यांकन के बाद डॉ. पंकज कुमार मिश्रा और उनकी टीम, जिसमें डॉ. तेजा भी शामिल थे, ने रोबोटिक-सहायता प्राप्त रीढ़ सुधार शल्यक्रिया का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान न्यूरोमॉनिटरिंग तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे तंत्रिकाओं की लगातार निगरानी संभव हुई और शल्यक्रिया अधिक सुरक्षित एवं सटीक तरीके से संपन्न की जा सकी। यह जटिल शल्यक्रिया आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक की गई, जिससे मरीज और उसके परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। शल्यक्रिया के बाद मरीज की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. प्रणिता मंडल और उनकी टीम ने भी पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्थिरोग विभागाध्यक्ष डॉ. रेहान-उल-हक ने इसे आधुनिक तकनीक की सफलता बताया, जबकि कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर ने कहा कि एम्स भोपाल आम नागरिकों को किफायती और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

हाईकमान नाराज, एमपी कांग्रेस में एक्शन की तैयारी

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर घमासान

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह और गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद से पार्टी के भीतर भूचाल मचा हुआ है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जहां एक तरफ दिल्ली दरबार (हाईकमान) प्रदेश नेतृत्व से सख्त नाराज बताया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश संगठन अब सोशल मीडिया पर अपनी ही पार्टी को घेरने वाले नेताओं पर बड़ी कार्रवाई करने के मूड में है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद से कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने सीधे तौर पर प्रदेश नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार लिखे जा रहे पोस्ट को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी लाइन से बाहर जाकर सार्वजनिक रूप से असंतोष जाहिर करने वाले और वरिष्ठ नेताओं पर उंगली उठाने वाले नेताओं की एक सूची तैयार की जा रही है। संगठन ऐसे लोगों के खिलाफ जल्द ही कड़ा अनुशासनात्मक एक्शन लेने की तैयारी में है। कमजोर समन्वय और कानूनी राय न लेने पर उठे सवाल इस पूरे एपिसोड ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच समन्वय की कमी को उजागर कर दिया है। बताया जा रहा है कि नामांकन दाखिल करने के करीब चार दिन पहले ही

उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी गई थी, इसके बावजूद पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने इस पर किसी विधि विशेषज्ञ से राय नहीं ली। इसी लापरवाही का नतीजा रहा कि तकनीकी कमियों के चलते नामांकन रद्द हो गया, जिससे पार्टी को ऐन वक्त पर एक मजबूत सीट पर बड़ा झटका लगा है। मौजूदा नेतृत्व से हाईकमान नाराज, होगी समीक्षा सूत्रों की मानें तो इस बड़ी चूक को लेकर कांग्रेस आलाकमान बेहद गंभीर है। दिल्ली नेतृत्व ने मौजूदा प्रदेश टीम की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें जीतू पटवारी (पीसीसी चीफ), हरीश चौधरी (प्रदेश प्रभारी), उमंग सिंघार (नेता प्रतिपक्ष) शामिल हैं। हाईकमान ने इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

रेलवन ऐप से रिजर्वेशन पर ३ प्रतिशत की छूट खत्म

अब देना होगा फुल किराया

भोपाल। मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू किए गए एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म रेलवन ऐप की डिस्काउंट को अब खत्म कर दिया गया है। अनारक्षित और आरक्षित टिकटों की बुकिंग पर मिलने वाली 3 प्रतिशत की विशेष छूट 14 जून को समाप्त हो गई है। ऐसे में 15 जून से यात्रियों को टिकट बुकिंग पर पूरा किराया चुकाना होगा। रेलवे प्रशासन द्वारा यह छूट प्रयोगिक तौर पर 14 जून 2026 तक ही दी गई थी। एक ऐप में समाया रेलवे का पूरा संसार रेलवन सुपर ऐप को डाउनलोड करने के बाद यात्रियों को अब अन्य किसी ऐप की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इस सिंगल प्लेटफार्म पर यात्री सफर के दौरान खाना बुक करने के साथ-साथ रेल मदद सेवा के जरिए साफ-सफाई, सुरक्षा, बेडरोल, बिजली और पानी से संबंधित शिकायतें भी दर्ज करा रहे हैं। इसके अलावा ट्रेनों की लाइव लोकेशन और कोच पोजीशन की सटीक जानकारी भी इस ऐप पर आसानी से मिल रही है। मोबाइल फोन के प्लेस्टोर पर जाकर रेल वन सुपर ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बहुभाषी और यूजर फ्रेंडली इंटरफेस भोपाल रेल मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया, रेल वन सुपर ऐप को बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस के साथ डिजाइन किया गया है।

अब हर सिनेमाघर को दिव्यांगजनों के लिए बनाना होंगे रास्ते

दिव्यांग दर्शकों को मिलेंगी विशेष सुविधाएं, विशेष स्क्रीनिंग का नहीं करना होगा इंतजार

अंधेरे हॉल में फिल्म चलती रही, पर्दे पर कहानी बदलती रही, लेकिन हजारों दृष्टिबाधित और श्रवणबाधित दर्शकों के लिए वह सिर्फ आवाज और अधूरे संकेतों का खेल बनकर रह जाती थी।

भोपाल। भारत सरकार के निदेर्शों और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के बावजूद दिव्यांगों को मनोरंजन का अधिकार मिल ही नहीं पाया, पर अब फिल्म सिर्फ देखी नहीं,

महसूस भी की जा सकेगी। निदेर्शों के मुताबिक सिनेमाघरों में ऑडियो डिस्क्रिप्शन (श्रव्य वर्णन), क्लोज्ड कैप्शनिंग (हर आवाज और आहट को लिखकर बताना), ओपन कैप्शनिंग (बोले जा रहे शब्द और वातालार्प लिखना) भारतीय सांकेतिक भाषा जैसी सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। इससे दृष्टिबाधित दर्शक फिल्म के दृश्य सुनकर समझ सकेंगे, जबकि श्रवणबाधित दर्शक संवाद पढकर और सांकेतिक भाषा की मदद से कहानी से जुड़ सकेंगे। अंधेरे हॉल में फिल्म चलती रही, पर्दे पर कहानी बदलती रही, लेकिन हजारों दृष्टिबाधित और श्रवणबाधित दर्शकों के लिए वह सिर्फ आवाज और अधूरे संकेतों का खेल बनकर रह जाती थी। देशभक्ति, मनोरंजन, सामाजिक संदेश देने वाली कई बड़ी फिल्में लगकर उतर गईं, लेकिन वर्षों से मनोरंजन के अधिकार से वंचित दिव्यांगजनों की इस पीड़ा को आखिरकार सरकार ने गंभीरता से लिया है। अब प्रदेश के सभी मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों को दिव्यांगजनों के लिए सुलभ बनाना होगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कहा है कि सिनेमाघरों में दिव्यांग दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्यप्रदेश शासन के अपर सचिव कैलाश वानखेड़े ने सभी जिलों के कलेक्टरों को लिखित में आदेश जारी किए हैं। टिकट लेने से लेकर फिल्म खत्म होने तक मिलेगी मदद सिर्फ तकनीकी सुविधाएं ही नहीं, बल्कि टिकट काउंटर और ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म पर भी इन सुविधाओं की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। जरूरत पडने पर स्मार्ट ग्लास, हेडफोन, मोबाइल ऐप और अन्य तकनीकी साधनों के साथ शारीरिक सहायता भी उपलब्ध करानी होगी। फिलहाल सिनेमाघरों में दिखावे के लिए व्हीलचेयर रखी होती है, लेकिन हॉल तक पहुंचने के लिए दिव्यांगों को घिसटना ही पड़ रहा है। ज्ञात हो कि प्रदेश में वर्षों से सैकड़ों सिनेमाघर संचालित हो रहे हैं, लेकिन दिव्यांगजनों के लिए बुनियादी सुविधाएं अब तक नहीं हैं। मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों में समान भागीदारी का अधिकार कानून में पहले से है, फिर भी किसी विशेष फिल्म की स्क्रीनिंग रखकर अधिकारी और नेता अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लेते हैं।

न्यूज । ब्रीफ

ओवरलोड की समस्या से मिली राहत

दमोह। दमोह शहर वितरण केंद्र अंतर्गत राय चौराहा क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को अब बेहतर व निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी। क्षेत्र में लंबे समय से बढ़ते विद्युत भार के कारण स्थापित 200 केवीए ट्रांसफार्मर पर ओवरलोड की स्थिति निर्मित हो रही थी, जिससे बार-बार डीओ ट्रिप होने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही थीं। मामले की जानकारी मिलते ही अधीक्षण अभियंता, दमोह ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्यपालन अभियंता, दक्षिण संभाग दमोह श्री एम.एल. साहू को आवश्यक निर्देश दिए। उनके निर्देशन में विभाग द्वारा राय चौराहा क्षेत्र में लोड बैलेंसिंग का कार्य कराते हुए अतिरिक्त 200 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। नए ट्रांसफार्मर की स्थापना से क्षेत्र के लगभग 410 विद्युत उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिला है। विद्युत भार का संतुलित वितरण होने से न केवल ओवरलोड की समस्या समाप्त हुई है बल्कि उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं सुचारू बिजली आपूर्ति भी सुनिश्चित हुई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार आगामी समय में विद्युत मांग बढ़ने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह कार्य किया गया है ताकि भविष्य में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो और सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यह कार्य दमोह शहर वितरण केंद्र के मेंटेनेंस प्रभारी एम.एस. राय के मार्गदर्शन में लाइन स्टाफ द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। वर्तमान में क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं निर्बाध रूप से संचालित हो रही है। विभाग के अनुसार भविष्य में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए आवश्यक तकनीकी सुधार और रखरखाव कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

टीएल बैठक में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य, डीएड फीस एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की नियमित समीक्षा के निर्देश

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को प्रातः 11 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया जाता है, जिसमें जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति के संबंध में समीक्षा की जाती है। कलेक्टर श्री यादव ने प्राचार्य डाइट को निर्देशित किया कि टीएल बैठक में डीएड फीस से संबंधित विषय, सीएम हेल्पलाईन एवं अन्य संबंधित विषयो पर समीक्षा किये जाने हेतु प्रत्येक टीएल बैठक में अनिवार्यतः उपस्थित रहना सुनिश्चित करेगे।

जिले में एक्सपायरी दवाओं की बिक्री पर सख्ती, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सीएमएचओ को दिए नियमित निरीक्षण के निर्देश

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सीएमएचओ डॉ. आर.के अठ्या को निर्देशित किया कि जिले में एक्सपायरी दवाईयों के विक्रय न हो यह सुनिश्चित किया जावें। प्रत्येक सप्ताह एक अनुभाग की दवा विक्रताओं की दुकानो का संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के साथ समन्वय स्थापित कर निरीक्षण किया जावें। उन्होने कहा जिले की दवा दुकानों का सतत निरीक्षण किया जाने संबंधित औषधि निरीक्षक को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया जायें।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन 18 जून को, जिला शिक्षक संघ की बैठक में बनी रणनीति

औबेदुल्लागंज। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला रायसेन की जिला कार्यकारिणी बैठक रविवार को एक निजी स्कूल परिसर में में संपन्न हुई। बैठक में प्रांतीय निदेर्शानुसार संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान एवं शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता के विरोध में 18 जून को जिला स्तर पर प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने की रणनीति बनाई गई। बैठक के मुख्य अतिथि राजीव शर्मा, प्रांत सह संगठन मंत्री ने कहा कि शिक्षक हितों के संरक्षण के लिए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में शिक्षकों की जायज मांगों को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 18 जून को रायसेन जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय प्रदर्शन कर देश के प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने तथा इस संबंध में केंद्र सरकार से विधायी संशोधन किए जाने की मांग उठाई जाएगी। वक्ताओं ने इसे प्राकृतिक न्याय और शिक्षकों के सेवा अधिकारों से जुड़ा विषय बताते हुए बड़ी संख्या में सहभागिता का आह्वान किया। संघ के जिला अध्यक्ष गिरीश चंदेल ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए जून में टेट ज्ञापन, जुलाई, अगस्त माह में सदस्यता अभियान, गुरु छाया ,गुरुवंदन कार्यक्रम, वृहद जिला शिक्षक सम्मेलन एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान समारोह तथा सितंबर माह में संत रविदास जी के 650वें प्रकट उत्सव के आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक को प्रांतीय संगठन मंत्री राजीव शर्मा ,जिला अध्यक्ष गिरीश चंदेल ,प्रदीप मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, मनोज नायक जिला मीडिया प्रभारी, दिलीप भार्गव ब्लॉक अध्यक्ष, औबेदुल्लागंज, राधेश्याम नमचुरिया जिला सदस्य, हरिशंकर धुर्वे , अश्विनी शर्मा ब्लाक अध्यक्ष सांची ,आरती शर्मा मंडीदीप ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षको का मार्गदर्शन लिया और उनका सम्मान किया गया शैलेन्द्र कुमार दूबेजी, सुनील कुमार साहू जी, कार्यक्रम में शामिल वक्ताओं ने संगठनात्मक एकजुटता, सदस्यता विस्तार और शिक्षक समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। बैठक में जिले एवं ब्लॉक के पदाधिकारी ,सदस्यों में विजय यादव,रामकृष्ण रघुवंशी,संदीप सिंह राजपूत, कालूराम विश्वकर्मा, छितू मोर्य, संतोष प्रधान ब्लॉक कोषाध्यक्ष,रामनारायण भदौरिया, सुनील दुबे,नवीन दुबे,राधेश्याम चौधरी, सुनील श्रीवास्तव, प्रदीप यादव,ओमप्रकाश वर्मा, नवलसिंह नायक,मदनगोपाल नागर, सुवेश श्रीवास्तव, जे.पी.साहू, ओमप्रकाश मालवीय, रविशंकर बरहैय्या, रमेश खत्री, सुमन जाट , राजूसिंह बरकरे, जे पी नागर,रोहित नागोत्रा, शैलेन्द्र सोनी, मनोज पांडे,संदीप कुमार तथा विभिन्न विकासखंडों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया तथा शिक्षक हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर सीएफएमटीटीआई बुदनी में रक्तदान शिविर, 42 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

आज की जनधारा

बुदनी। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (सीएफएमटीटीआई), ट्रैक्टर नगर बुदनी में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मानव सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रक्तदान शपथ कार्यक्रम एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेशों के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के सभागार में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं को रक्तदान की शपथ दिलाकर की गई। सभी प्रतिभागियों ने नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा समाज में रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इसके बाद जिला चिकित्सालय सीहोर के ब्लड सेंटर के सहयोग से संस्थान परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिसमें पैथोलॉजिस्ट डॉ. यश मस्कोना, लैब टेक्नीशियन जसपाल मेवाड़ा, नर्सिंग ऑफिसर रानी राठौर, ब्लड सेंटर अटेंडेंट अंशु आर्य तथा बीसीटीवी वैन चालक दानिश खान शामिल रहे। प्रातः 11:30 बजे से सायं 4 बजे तक चले शिविर में लगभग 42 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान से पूर्व सभी रक्तदाताओं का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया तथा सुरक्षित प्रक्रिया के तहत रक्त संग्रह किया गया। विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों को रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है और इससे अनेक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सकता है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. बी.एम. नांदेड़े ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा इस पुनीत कार्य के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विश्व रक्तदाता दिवस 2026 की थीम "Give Blood, Give Hope: Together We Save Lives" को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। संस्थान की इस पहल ने सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए रक्तदान के महत्व का प्रभावी संदेश समाज तक पहुंचाया।

आंधी-तूफान से उजड़े आशियाने, राजस्व अमले ने किया नुकसान का सर्वे

आज की जनधारा

पचोर/राजगढ़। क्षेत्र में शनिवार शाम आई तेज आंधी, बारिश और तूफानी हवाओं ने कई परिवारों के आशियानों को भारी नुकसान पहुंचाया। प्राकृतिक आपदा के चलते नगर पड़ाना में कई कच्चे मकानों की दीवारें भरभराकर गिर गईं, जबकि अनेक घरों के छप्पर उड़ जाने से परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। इसके साथ ही घरों में रखा खाद्यान्न, घरेलू सामान और बर्तन भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की जानकारी सामने आने और समाचार प्रकाशित होने के बाद राजस्व विभाग हरकत में आया। सोमवार को हल्का पटवारी आत्माराम वर्मा ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पंचों की उपस्थिति में नुकसान का मौके पर निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों का पंचनामा तैयार कराया। निरीक्षण के दौरान आवास कॉलोनी निवासी प्रेम नारायण प्रजापति, राकेश पिता हरिनारायण टेलर, मनोरमा बाई वाल्मीकि, अनोक एवं रामबाबू प्रजापति सहित अन्य परिवारों के मकानों को हुए नुकसान का आकलन किया गया। राजस्व अमले द्वारा तैयार की गई जांच रिपोर्ट संबंधित दस्तावेजों के साथ सारंगपुर तहसीलदार कार्यालय को प्रेषित कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार शासन के प्रावधानों के तहत प्रकरणों की जांच कर प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया विकासखंड स्तर पर आगे बढ़ाई जाएगी। आंधी-तूफान के कारण मकानों की दीवारें ढह जाने और छप्पर उड़ जाने से कई परिवारों के सामने आवास की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित लोगों को शीघ्र आर्थिक सहायता एवं राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

दमोह-दतिया कलेक्टरों के नवाचारों की गूंज पूरे प्रदेश में

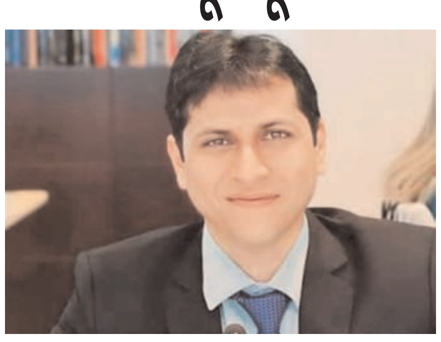

आज की जनधारा

छतरपुर/दमोह। जनता से सीधा संवाद और जमीनी फैसलों से दिल जीतने की कला में दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव और दतिया कलेक्टर स्वप्निल बानखेड़े इन दिनों मिसाल बन गए हैं। दोनों अधिकारियों की कार्यशैली और नवाचारों की चर्चा पूरे मध्यप्रदेश में हो रही है। जिस सहजता से ये दोनों अधिकारी आम लोगों की समस्याएं सुनकर मौके पर निराकरण कर रहे हैं, उससे हजारों लोग इनके मुरीद हो गए हैं। गांव-गांव चौपाल, रात्रि विश्राम, स्कूल-अस्पतालों का औचक निरीक्षण और फरियादियों से सीधी मुलाकात जैसे कदमों ने प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म कर दिया है। दमोह में कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए प्रयोग मॉडल के रूप में देखे जा रहे हैं। वहीं दतिया में कलेक्टर स्वप्निल बानखेड़े के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और पारदर्शी व्यवस्था ने नई लकीर खींची है। दोनों जिलों से शुरू हुए ये नवाचार अब प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी नजीर बन रहे हैं। शासन-प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आम नागरिक तक, हर कोई इनकी कार्यप्रणाली की सराहना कर रहा है। सोशल मीडिया पर भी दोनों कलेक्टरों के कामों को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आई हुई है। जनता का कहना है कि जब अधिकारी संवेदनशील होकर जमीन पर उतरते हैं तो तस्वीर खुद बदल जाती है।

बाइक चोर गिरोह पर पुलिस का शिकंजा, 12 दोपहिया वाहन बरामद

आज की जनधारा

पचोर/राजगढ़। राजगढ़ जिले में वाहन चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं के बीच खिलचीपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 12 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब साढ़े छह लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान एक पुराने लूट के प्रयास के मामले का भी खुलासा हुआ है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तोलानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन और एसडीओपी डी.व्ही.एस. नागर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने पिछले कुछ दिनों में थाना खिलचीपुर क्षेत्र में हुई बाइक चोरी की वारदातों को चुनौती के रूप में लिया। अस्पताल परिसर, मुख्य बाजार और सार्वजनिक स्थलों से लगातार मोटरसाइकिलें चोरी होने के बाद पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच के दौरान पुलिस की शंका राजस्थान से जुड़े कुछ संदिग्धों पर गई। हिरासत में लेकर की गई पूछताछ में राधेश्याम तंवर और उसके साथी अनिल उर्फ कालूराम बसोड़ ने क्षेत्र में कई बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि चोरी की गई मोटरसाइकिलों को तुलसीराम लोधा के माध्यम से ठिकाने लगाया जाता था। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल 12 मोटरसाइकिलें बरामद कीं, जिनमें मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों के पंजीकृत वाहन शामिल हैं। पूछताछ के दौरान एक और महत्वपूर्ण खुलासा हुआ। मुख्य आरोपी राधेश्याम तंवर ने वर्ष 2025 में दर्ज लूट के प्रयास की घटना में अपनी भूमिका स्वीकार करते हुए बताया कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर राह चलते व्यक्ति का बैग छीनने का प्रयास किया था और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की थी। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक धाराओं की बढ़ोतरी कर प्रकरण का सफल निराकरण कर लिया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों में मध्यप्रदेश और राजस्थान के चार बदमाश शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इन आरोपियों के खिलाफ पहले से चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और हत्या जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। इससे यह भी संकेत मिला है कि गिरोह लंबे समय से दोनों राज्यों में सक्रिय रहकर संपत्ति संबंधी अपराधों को अंजाम दे रहा था। खिलचीपुर पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। पूरे ऑपरेशन में थाना स्टाफ के साथ साइबर सेल राजगढ़ की टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों के नेटवर्क की आगे भी जांच की जा रही है और उनसे जुड़े अन्य मामलों की कड़ियां भी जोड़ी जा रही हैं।

सौहार्द की नई इबारतः एक मंच पर दिखी सामाजिक एकजुटता और अपनत्व

आज की जनधारा

पचोर/राजगढ़। पड़ाना क्षेत्र में रविवार शाम सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक प्रेरक तस्वीर देखने को मिली। पवित्र हज यात्रा पूरी कर अपने गृह ग्राम लौटे एक श्रद्धालु के सम्मान में मेडतवाल समाज धर्मशाला में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए यह संदेश दिया कि क्षेत्र की पहचान आपसी एकता और मेल-मिलाप से है। समारोह स्थल पर पहुंचने पर श्रद्धालु का फूलमालाओं से स्वागत किया गया तथा पारंपरिक साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने मिठाई खिलाकर हज यात्रा की शुभकामनाएं दीं और गले मिलकर सामाजिक सद्भाव की मिसाल पेश की। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण आत्मीयता, अपनत्व और परस्पर सम्मान की भावना से सराबोर नजर आया। सम्मान समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि गांव की उस साझा संस्कृति का सम्मान है, जो वर्षों से सभी धर्मों और समाजों को एक सूत्र में बांधे हुए है। उन्होंने बताया कि पवित्र हज यात्रा के दौरान देश की खुशहाली, क्षेत्र की उन्नति तथा सभी लोगों के बीच अमन-चैन और भाईचारा बना रहे, इसके लिए विशेष दुआएं की गईं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पड़ाना की पहचान सदैव सामाजिक एकता और पारस्परिक सहयोग रही है। यहां समय-समय पर आयोजित ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी के सामने सद्भाव एवं भाईचारे का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बाबड़ल्या, रामपुरिया, मगराना, टिकोद सहित आसपास के कई गांवों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने आयोजन में शामिल होकर सामाजिक एकजुटता और आपसी प्रेम का संदेश दिया।

सोमवती अमावस्या पर जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर में उमड़ा जनसैलाब

आज की जनधारा

दमोह। आज सोमवार को सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा.सर्वप्रथम आरती की गई।इसके बाद भोलेनाथ जी के अल सुबह पट खुलते ही बीती रात बाहर से पहुंचे हजारों भक्तों ने दर्शन लाभ लिया। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया.सोमवती अमावस्या पर श्री महादेव जी मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश बंद रखा गया है. सभी भक्तजन बाहर से ही जल अर्पित कर रहे हैं। भीड़ को देखते हुए बांदकपुर प्रबंधक रामकृपाल पाठक ने पहले की तरह बेहतर व्यवस्थाएं की हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। हिंडोरिया तहसीलदार प्रीतम सिंह सहित टीम, एसडीओपी प्रिया सिंधी, थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय, चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा, प्र.आ.प्रकाश सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

एम.पी. ट्रांसको नागदा में आयोजित हुई, सबस्टेशनों के संचालन एवं सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला

आज की जनधारा

उज्जैन। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर सबस्टेशन संचालन एवं सुरक्षा से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है । इसी क्रम में उज्जैन जिले के नागदा टेस्टिंग डिवीजन मुख्यालयों मे यह कार्यशाला अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

जिनमें सबस्टेशन मेंटेनेंस एवं आपरेशन- कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं को बिंदुवार रूप से समझाया गया एवं कार्यस्थल पर लापरवाही रोकने के महत्व पर विशेष जोर देते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जिससे कार्मिकों एवं उपकरणों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुरक्षित कार्यशैली से कराया गया अवगत- प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री शेखर फटाले ने एम.पी. ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत निर्धारित स्टेंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर(एसओपी) एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत पारेषण बनाए रखने हेतु समन्वित टीमवर्क के रूप में कार्य करने के प्रति जागरूक भी किया गया। इन कार्यशालाओं में क्षेत्र के अभियंताओं, एवं तकनीकी स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता की। यह जानकारी शशिकांत ओझा जनसंपर्क अधिकारी मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश शासन कैंप - उज्जैन ने दी।

हाउसिंग बोर्ड के हितग्राहियों के लिए समस्या समाधान शिविर आयोजित हुआ

आज की जनधारा

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के अध्यक्ष ओम जैन के द्वारा शहर में स्थित मण्डल की विभिन्न कॉलोनीयो के निवासियों की समस्या के समाधान के लिए शिविर आयोजित किया गया। जिसके अनुपालन में म. प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग उज्जैन कार्यालय भरतपुरी देवास रोड पर सोमवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक हितग्राहियों समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे अध्यक्ष श्री ओम जैन की उपस्थिति में मण्डल के अधिकारियो/कर्मचारियो द्वारा हितग्राहियो की विभिन्न समस्याए

जैसे नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि का यथा संभव निराकरण किया गया।

तराना पुलिस द्वारा नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को चाकू सहित रंगे हाथ किया गिरफ्तार

आज की जनधारा

महिला सुरक्षा एवं महिला/बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जिला उज्जैन गुरुप्रसाद पारासर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग तराना भविष्य भास्कर के मार्गदर्शन में थाना तराना पुलिस टीम को एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। थाना तराना पर दिनांक 11.06.2026 को पीड़िता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी द्वारा उसका पीछा किया जा रहा था तथा शादी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। उक्त रिपोर्ट पर थाना तराना में अपराध क्रमांक 394/2026 धारा 78(1), 351(3) बी.एन.एस. एवं 11/12 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान दिनांक 13.06.2026 को आरोपी कुंदन गिरी पिता प्रेमगिरी, उम्र 19 वर्ष, निवासी बजरंग कॉलोनी, तराना को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के कब्जे से एक स्टील का खटकेदार धारदार चाकू बरामद किया गया। आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार मिलने पर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत पृथक अपराध पंजीबद्ध किया गया। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में मारपीट संबंधी एक अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया है। सराहनीय भूमिका- उक्त सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह भदौरिया, उनि हरिराम अंगोरिया, आरक्षक जितेन्द्र, आरक्षक आनंद एवं आरक्षक प्रवीण की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश

जनकल्याण शिविर, शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वच्छता पर विशेष फोकस

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए गए निर्देश

आज की जनधारा

खरगोन। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में 15 जून 2026 को कलेक्ट्रेट सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनकल्याण शिविरों, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, स्वच्छता सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट व समयबद्ध निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने जनकल्याण शिविरों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जहां-जहां शिविर आयोजित हो रहे हैं, वहां प्राप्त आवेदनों की पोर्टल एंट्री 18 जून से 21 जून के बीच अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाए। साथ ही सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि स्कूलों के पुनः संचालन को देखते हुए विद्यार्थियों से संबंधित प्राप्त होने वाले आवेदनों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में पल्स पोलियो अभियान के तहत प्रथम बूथ गतिविधि की तैयारियां पूर्ण करने, सभी एसडीएम को संबंधित विभागों के साथ बैठक कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। टीकाकरण कार्यों में यह भी कहा गया कि व-हल्ल पोर्टल पर सेम-डे

एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए। बैठक में नगर पालिका को निर्देशित किया गया कि कचरा गाड़ियों में ठोस व अपशिष्ट कचरे के लिए पृथक व्यवस्था सुनिश्चित हो। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में 50 एवं 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए गए। नॉन-अटेंडेंट शिकायतों पर कलेक्टर सुश्री मित्तल ने नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जनपद सीईओ झिरन्या एवं गोगावां को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में राजस्व विभाग की तहसीलवार समीक्षा में नामांतरण, बंटवारा व सीमांकन के विवादित लंबित प्रकरणों को इसी सप्ताह पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। हिट एंड रन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने को कहा गया। बैठक में जिले की प्राचीन बावड़ियों में सफाई अभियान चलाने, जीर्णोद्धार कराने तथा मार्ग से गुजरने वालों की जानकारी के लिए संकेतक लगाने के निर्देश दिए गए। आईटीआई एवं पीजी कॉलेज के प्राध्यापकों को प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान व संग्रहण के निर्देश दिए गए। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान की भी समीक्षा की गई। बैठक में सांसद-विधायक निधि से निर्मित ऐसे भवन जिनका उपयोग नगण्य है, उन्हें स्व-सहायता समूहों की दीदियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वही पहली बारिश में ही पौधारोपण कार्य पूर्ण करने को कहा गया।

बैठक में हॉस्टल निरीक्षण प्रतिवेदनों के आधार पर सभी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा खाद्य अधिकारी को सभी हॉस्टलों में भोजन गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए गए। वही पीएम आवास 2.0 के तहत तहसीलवार प्राप्त आवेदनों का तहसीलदार व सीएमओ द्वारा संयुक्त सत्यापन कर निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत समय-सीमा बाह्य प्रकरणों वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने तथा कोर्ट के लंबित प्रकरणों में जवाब-दावा शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अंत में मूंग उपार्जन की समीक्षा में पंजीकृत किसानों के सत्यापन के लिए सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री मिलिंद कुमार नागदेवे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती आकांक्षा अग्रवाल, श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप कुमार अगास्या, श्री वीरेंद्र कटारे, एसडीएम श्री अनिल जैन, श्री लोकेश छापरे सहित अन्य जिला अधिकारी मौजूद रहे। वही अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा ठिबगाँव से रुपयों का गबन कर फरार हुई महिला केशियर खरगोन पुलिस की गिरफ्त में

आज की जनधारा

खरगोन। केशियर बैंक से गबन कर हुई थी फरार बैंक द्वारा गठित कमिटी द्वारा लगातार 05 दिनों तक की थी गबन की जांच जांच उपरांत पाया की कुल 4158095/- रुपये का बैंक की सिलक में से हुआ था गबन बैंक द्वारा जांच निष्कर्ष के आधार पर थाना जैतापूर पर करवाई थी एफआईआर थाना जैतापूर द्वारा लगातार फरार आरोपियाँ केशियर की तलाश पतारसी के प्रयास किए फरार आरोपिया खरगोन से अपने ससुराल मुंबई भाग गई थी ओर परिजनों को बताया की बैंक से छुट्टी लेकर आई हु बैंक से गबन की हुई राशि से सास- ससुर व पति सहित बच्चे को हवाई जहाज से सफर करवाया ओर दिल्ली लेकर गई आरोपिया द्वारा अपने परिवार के मोबाईल नंबर ये कह कर बंद करवा दिए की बैंक वाले करेंगे परेशान फरार आरोपिया की गिरफ़्तारी हेतु जैतापूर पुलिस टीम पहुंची दिल्ली पुलिस टीम द्वारा लगातार 04 दिनों तक दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में आरोपिया के छुपने के ठिकानों के बारे में पता किया पुलिस टीम द्वारा अपनी पहचान छुपाते हुए किराना दुकान पर काम करने सहित घर-घर गैस सिलेंडर डिलीवरी करने का काम

किया पुलिस टीम को सफलता न मिलने पर थाना प्रभारी जैतापूर द्वारा बाल सेना की मदद ली ओर बच्चों के साथ पार्क में फूटबाल, क्रिकेट आदि खेलकर विश्वास में लिया ओर आरोपिया की जानकारी जुटाई पुलिस टीम की दबिश के पूर्व ही आरोपिया दिल्ली से परिवार सहित इंदौर तरफ भागी- आरोपिया का एहसास हुआ की पुलिस से भागना व्यर्थ हे तो स्वयं ही थाने पर किया सरेंडर थाना जैतापुर पुलिस टीम ने फरार आरोपिया केशियर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना जैतापुर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा ठिबगाँव के वर्तमान शाखा प्रबंधक राजेश गुप्ता के द्वारा थाना जैतापूर पर दिए आवेदन के आधार पर बैंक केशियर ऋतु गोयल, सहायक बैंक प्रबंधक त्रयबंक वाणी एवं शाखा प्रबंधक राजेश राठौर ने मिलकर बैंक की कुल राशि 41,58,095/- रुपये गबन करने पर से आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा 316(5), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। थाना प्रभारी जैतापूर सुदर्शन कुमार के नेतृत्व में जैतापूर थाने की पुलिस टीम को आरोपियों की पतारसी कर गिरफ़्तारी हेतु लगाया गया । पुलिस टीम द्वारा सायबर सेल एवं मुखबिरों की जानकारी के आधार पर आरोपियों के सभी संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई किन्तु सफलता नहीं मिली । इसके उपरांत पुलिस टीम ने फरार आरोपिया केशियर ऋतु गोयल के ससुराल बदलापूर मुंबई जाकर जानकारी जुटाई तो पता चला की आरोपिया अपने सास - ससुर व पति सहित बच्चे को लेकर हवाई जहाज से दिल्ली गई हुई है। तब पुलिस टीम आरोपिया का पीछा करते हुए दिल्ली पहुंची जहां रोहिणी क्षेत्र में लगातार 04 दिनों तक पुलिस टीम के सदस्यों ने अपनी पहचान छुपाते हुए किराना दुकान पर काम करने सहित घर-घर गैस सिलेंडर डिलीवर करने काम काम किया।

उज्जैन माधवनगर पुलिस की कड़ी कार्यवाही : 51,300 रुपये मूल्य की अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन जप्त, आरोपी भी गिरफ्तार

आज की जनधारा

उज्जैन। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पश्चिम गुरु प्रसाद पाराशर एवं नगर पुलिस अधीक्षक माधवनगर श्रीमती दीपिका शिंदे के निर्देशन में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना माधवनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन जप्त किया गया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 14.06.2026 को थाना माधवनगर पर पुलिस टीम सर्कल भ्रमण पर थी । दौराने भ्रमण पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति विक्रमनगर ब्रिज के नीचे स्थित तिराहे पर दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन से अवैध

शराब विक्रय हेतु खड़ा है।

पुलिस कार्यवाही-उक्त विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर आधारित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर पुलिस दल को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अभिषेक यादव पिता कैलाश यादव उम्र 40 वर्ष निवासी बहादुरगंज, थाना देवासगेट, उज्जैन का होना बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक बिना नंबर की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन में रखे दो झोलों से कुल 250 क्वार्टर देशी प्लेन शराब (180 एमएल प्रत्येक) तथा एक पेटी में रखी 12 बोतल आर.सी. अंग्रेजी शराब एवं एक अन्य झोले से 09 बोतल सिग्नेचर अंग्रेजी शराब (750 एमएल प्रत्येक) बरामद की गई।

बरामद शराब का विवरण निम्नानुसार है– 250 क्वार्टर देशी प्लेन शराब (180 एमएल प्रत्येक) कुल मात्रा : 45 लीटर अनुमानित मूल्य : 22,500 12 बोतल आर.सी. अंग्रेजी शराब 09 बोतल सिग्नेचर अंग्रेजी शराब (750 एमएल प्रत्येक) कुल अंग्रेजी शराब का अनुमानित मूल्य : 28,800 इस प्रकार कुल 51,300 रुपये मूल्य की अवैध शराब जप्त की गई। आरोपी से शराब रखने एवं विक्रय करने संबंधी वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए अवैध शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन को जप्त किया गया। आरोपी अभिषेक यादव के विरुद्ध थाना माधवनगर में धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस टीम-थाना प्रभारी माधवनगर निरी गजेंद्र पचोरिया , प्रधान आरक्षक आत्माराम परमार ,आरक्षक संजय सक्सेना , आरक्षक संतोष सिंह उज्जैन पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

उज्जैन पंवासा पुलिस की सख्त कार्यवाही : 57.6 बल्क लीटर (३२० क्वार्टर्स)अवैध देशी शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

आज की जनधारा

उज्जैन। पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पंवासा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की है।

घटना का संक्षिप्त विवरणझ- दिनांक 14.06.2026 को थाना पंवासा पर पदस्थ प्रधान आरक्षक शेखर हरियाला, आरक्षक क्रमांक 1706 प्रदीप यादव एवं आरक्षक क्रमांक 1562 मानवेन्द्र दुबे के साथ सर्कल भ्रमण पर थे। भ्रमण के दौरान शंकरपुर चौराहे पर विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर अवैध शराब लेकर श्री सिंथेटिक चौराहे के पास खड़े हैं तथा किसी

व्यक्ति का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई किए जाने पर उन्हें पकड़ा जा सकता है।

पुलिस कार्यवाही- उक्त मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम श्री सिंथेटिक चौराहे के पास पहुंची , जहां मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के अनुरूप दो व्यक्ति ग्रे रंग की मोटरसाइकिल के साथ खड़े दिखाई दिए। पुलिस दल को देखकर दोनों व्यक्तियों ने मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल पर रखी सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी की जांच की गई, जिसमें खाकी रंग की 06 पेटियां रखी हुई थीं। पेटियों को खोलकर देखने पर उनमें देशी प्लेन शराब के क्वार्टर पाए गए। पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने नाम क्रमशः– 01. विशाल पिता दशरथ सावलिया, उम्र 27 वर्ष, निवासी पंचमूर्ति नगर, थाना छत्रीपुरा, जिला इंदौर। 02. प्रवीण पिता सौदानसिंह ठाकुर, उम्र 29 वर्ष, निवासी डी सेक्टर राजनगर, थाना चंदननगर, जिला इंदौर। बताए। पुलिस द्वारा शराब की गिनती करने पर कुल 320 क्वार्टर देशी प्लेन शराब बरामद हुई, बरामद शराब की कुल मात्रा 57.6 बल्क लीटर एवं अनुमानित कीमत 24,320/- पाई गई। आरोपियों से उक्त शराब के परिवहन एवं कब्जे के संबंध में वैध लाइसेंस अथवा परमिट प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, किन्तु वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इस प्रकार आरोपियों का कृत्य धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर मौके पर ही विधिवत कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से बरामद अवैध शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त होंडा कंपनी की ग्रे रंग की साइन एसपी मोटरसाइकिल क्रमांक टढ09द1287 को विधिवत जप्त किया गया तथा आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया । आरोपियों के विरुद्ध थाना पंवासा में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से अवैध शराब के स्रोत एवं संभावित नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

जप्त सामग्री- 320 क्वार्टर देशी प्लेन शराब कुल मात्रा झ 57.6 बल्क लीटर अनुमानित कीमत झ 24,320/- होंडा साइन एसपी मोटरसाइकिल क्रमांक MP09Q1287 सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी पवासा उप निरीक्षक गमर सिंह मंडलोई , प्रधान आरक्षक शेखर हरियाला ,आरक्षक 1706 प्रदीप यादव ,आरक्षक 1562 मानवेन्द्र दुबे उज्जैन पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबार एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है तथा ऐसे अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय आदर्श आवासीय विद्यालय खरगोन में कक्षा 7वीं से 12वीं तक प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

- अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के विद्यार्थियों के लिए रिक्त सीटों पर आवेदन आमंत्रित
- 60 प्रतिशत अंक व सीबीएसई उत्तीर्णता अनिवार्य, आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून

आज की जनधारा

खरगोन। शासकीय आदर्श आवासीय उ.मा.वि. खरगोन में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह प्रवेश केवल अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के बालकों के लिए होंगे। विद्यालय प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 7वीं में 01, कक्षा 9वीं में 03, कक्षा 10वीं में 07, कक्षा 11वीं (जीव विज्ञान एवं गणित) में 14 तथा कक्षा 12वीं (जीव विज्ञान एवं गणित) में 12 रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाना है। कक्षावार रिक्त सीटों की संख्या में परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन संभव है। कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं में प्रवेश के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि विद्यार्थी पिछली कक्षा सीबीएसई बोर्ड से उत्तीर्ण हो। साथ ही प्रवेश के लिए आवेदक का पिछली कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। इच्छुक छात्र एवं उनके अभिभावक आवेदन पत्र विद्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं तथा भरे हुए आवेदन पत्र 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से विद्यालय में जमा करना होगा। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभिभावक सीधे विद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

राम नाम की लूट है... अयोध्या मंदिर में चढावे के चोरी का विवाद

■ संपादकीय

'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट। अंतकाल पछताएगा, जब प्राण जाएंगे छूट।'

कबीर का यह दोहा आध्यात्मिक चेतना का संदेश था। इसका आशय यह था कि जीवन रहते हुए ईश्वर के नाम, सत्य, मर्यादा और सदाचार को आत्मसात कर लो, क्योंकि मृत्यु के बाद अवसर नहीं मिलेगा। लेकिन विडंबना देखिए कि भारत के मंदिरों से जुड़े अधिकांश भक्तों और कर्मचारी ने इसका अर्थ अपने हिसाब से तय कर लिया कि राम के नाम पर जो भी चंदा और दान आया है, उसे मंदिर के भक्त लूट सकते हैं और वह इसकी लूट में लग गए। मंदिर से जुड़े कर्मचारी-भक्त रातों-रात अमीर हो गए हैं। लोग कहते हैं कि अब राम को ही लूट रहे हैं, क्योंकि जो चंदा और दान आया था वह राम के लिए आया था। राम के कुछ काम आता है, उसके पहले भक्तों राम का धन लूट लिया। हमारे शहर के पुजारी जी का कहना है यदि पुजारियों और भक्तों ने राम के नाम का आया पैसा लूट भी लिया तो क्या गलत किया? राम भगवान क्या पैसों को लेकर बाजार में खरीदारी करने जाते? अब राम नाम की लूट आध्यात्मिक नहीं, बल्कि आर्थिक होती दिखाई दे रही है। धर्म के नाम पर, आस्था के नाम पर और ईश्वर के नाम पर चल रही लूट के नए-नए रूप लगातार सामने आ रहे हैं।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों से राशि चोरी होने के आरोपों की जांच के लिए उत्तर प्रदेश धर्म प्रधान सरकार को एसआईटी गठित करनी पड़ी है। प्रयागराज के प्रसिद्ध हनुमत निकेतन मंदिर के दानपात्रों में नकली नोट मिलने का मामला सामने आया है। इससे पहले तिरुपति मंदिर के प्रसाद को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। वहां पर नकली घी से लड्डू बनाए जा रहे थे। वहां के पुजारियों का भी तर्क बिल्कुल उचित था कि लड्डू कोई भगवान तो खा नहीं रहे थे, जो उनकी तबीयत खराब होती। लड्डू तो भक्त खा रहे थे और एक लड्डू में भक्त कौन से मर जाते हैं?

दरअसल, जब हर चीज बाजार के हवाले हो रही है तो धर्म और भक्ति को भी इस दलदल में गिरना ही था। इन घटनाओं को अलग-अलग मामलों के रूप में देखने के बजाय एक व्यापक संकट के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह संकट केवल वित्तीय अनियमितताओं का नहीं, बल्कि लोगों की आस्था पर चोट का है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को लोभ, मोह और अहंकार से दूर करना है। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जैसे धार्मिक स्थल मनुष्य को आत्मशुद्धि और नैतिकता का मार्ग दिखाने के लिए बने थे। लेकिन नासमझ जनता को मालूम नहीं कि आत्मा की शुद्धि और नैतिकता का मार्ग सामान्य लोगों के लिए है। मंदिरों के कर्मचारी और भक्त हैं, जो सीधे भगवान के संपर्क में हैं। उनके लिए शुद्धता, नैतिकता और ईमानदारी अलग होती है। अब मंदिरों के आसपास बड़े पैमाने पर दुकानें बनने लगी हैं। धर्म और भक्ति का बाजार सजा हुआ है। इन स्थलों के आसपास धन, व्यवसाय और सत्ता का जाल बुनने लगा है। धर्म का स्वरूप बदलने लगा है। भक्ति की जगह बाजार और श्रद्धा की जगह लोभ लालच का गणित हावी होने लगा है। चंदे और दान का पैसा गिनने वाले कर्मचारी अपना गणित अलग लगाते हैं। वे इसे धर्म के नाम पर बेईमानी, भ्रष्टाचार और अनैतिकता नहीं मानते हैं। कुछ कहा जाए तो वे खुद कहते हैं कि राम के नाम पर लूट की छूट मिली हुई है। संत का गए हैं कि, 'राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट!' जब संतों ने कह दिया तो फिर क्या दिक्कत! हम लूट सकते हैं। हमारे पास लूटने की सुविधा है। अवसर है, ताकत है।

यह सच है कि बड़े मंदिरों में करोड़ों रुपये का चढ़ावा आता है। महाकाल मंदिर में एक वर्ष में 65 करोड़ रुपये के लड्डू प्रसाद की बिक्री इसका उदाहरण है। इसमें कोई बुराई नहीं है। यदि श्रद्धालु प्रसाद खरीद रहे हैं, मंदिर प्रशासन गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रख रहा है तथा उस धन का उपयोग धार्मिक और सामाजिक कार्यों में हो रहा है, तो यह धार्मिक अर्थव्यवस्था का सकारात्मक पक्ष माना जा सकता है। यह सब सुनने में बहुत भला लगता है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां धन का हिसाब गड़बड़ हो जाता है। जहां चढ़ावे पर कुछ लोगों का लोभी भक्ति और आस्था का कब्जा हो जाता है। मंदिर का रुपया हड़पने वाले कर्मचारियों का कथित कथन है कि हमने भगवान की सेवा की है तो यह मेवा मिला है।

मंदिरों में अब हर चीज के लिए पैसा लगता है। कहा जाता है कि प्रसाद की दुकानें मंदिर के पुजारियों या महंतों के मनपसंद ठेकेदारों के कब्जे में होती हैं। कहीं वीआईपी दर्शन की अलग व्यवस्था है तो कहीं सामान्य भक्त घंटों धक्के खाते हैं। कई जगहों पर प्रसाद और पूजा सामग्री की ऐसी एकाधिकार व्यवस्था बना दी गई है कि श्रद्धालु को मजबूरी में निर्धारित दुकानों से ही सामान खरीदना पड़ता है। यह स्थिति किसी आध्यात्मिक केंद्र की नहीं, बल्कि एक नियंत्रित बाजार की है। विडंबना यह भी है कि जो लोग भक्तों को ईश्वर के भय और कर्मफल का पाठ पढ़ाते हैं, उन्हीं धार्मिक संस्थाओं में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और चंदे और दान की कथित खुली लूट है। अब ये आरोप आम जन तक फैल गए हैं। लेकिन इस बात का जवाब कौन देगा कि यदि मंदिर के दानपात्र से पैसा चोरी हो रहा है, यदि नकली नोट चढ़ावे के नोट से बदले जा रहे हैं। यदि धार्मिक ट्रस्टों की संपत्तियों पर कथित बाहुबलियों के कब्जे हो रहे हैं, तो यह कानून का मामला तो है ही लेकिन यह नैतिक पतन का चरम है जो धर्म के संरक्षण के दावे करने वालों के भीतर भी घर कर चुका है।

एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि मंदिरों में आने वाला धन आखिर किसके लिए है? हिंदू संगठनों का एक वर्ग लंबे समय से यह मांग करता रहा है कि मंदिरों की आय का उपयोग हिंदू समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक संरक्षण में होना चाहिए। दूसरी ओर कई मंदिरों की संपत्तियों और आय पर सरकारी नियंत्रण को लेकर भी बहस होती रही है। लेकिन इस बहस का मूल प्रश्न पारदर्शिता होना चाहिए। चाहे प्रबंधन सरकार करे, ट्रस्ट करे या समाज, हर रुपये का हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए, क्योंकि यह धन किसी व्यक्ति का नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का धन है। धर्म का अर्थ को लूट का पर्याय होने से बचाना होगा। राम त्याग के प्रतीक हैं, कृष्ण कर्म के, बुद्ध करुणा के और महावीर अहिंसा के। इन महापुरुषों ने संग्रह नहीं, समर्पण का मार्ग दिखाया। यदि उनके नाम पर चलने वाली संस्थाएं ही संग्रह, लोभ, लालच, लूट और लाभ के केंद्र बन जाएं, तो यह उनके आदर्शों के साथ अन्याय है।

करोड़ों लोगों की श्रद्धा धार्मिक संस्थाओं से उठ जाएंगी। आज आवश्यकता मंदिरों, मठों और धार्मिक संस्थाओं को बदनाम करने की नहीं, बल्कि उन्हें अधिक जवाबदेह बनाने की है। अधिकांश श्रद्धालु ईश्वर को कुछ पाने के लिए नहीं, बल्कि कृतज्ञता और विश्वास के भाव से चढ़ावा चढ़ाते हैं, इसलिए उस चढ़ावे की रक्षा करना, उसका पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना और धर्मस्थलों को भ्रष्टाचार से मुक्त रखना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है। यदि धर्म के नाम पर चल रही आर्थिक लूट को नहीं रोका गया, तो सबसे बड़ा नुकसान किसी मंदिर, ट्रस्ट या सरकार का नहीं होगा। सबसे बड़ा नुकसान उस आस्था का होगा, जो सदियों से भारतीय समाज की आत्मा रही है।

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

-महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है।

सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था।

यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार %बंदी% नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं।

परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर %ऐ मेरे वतन के लोगों% जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं।

इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। वर्ष 1947 में भले ही हमें राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई थी, लेकिन प्रशासनिक और सैन्य स्तर पर अपनी जड़ों को पहचानकर पूर्ण मानसिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में यह एक अत्यंत ठोस कदम है। भारतीय सेना द्वारा उठाए गए ये कदम 21वीं सदी के आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वाभिमानी भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

व्यंग्य

अखबार का भविष्यफल

सुदर्शन सोनी

अखबार के बदलते रंग तो हम रोज देख रहे हैं, अब यह अखबार के स्थान पर 'विज्ञापनबार' हो गया है! एक जमाना ऐसा था जब कि अखबार के दोनों शीर्ष पर केवल लघु बाक्स में ही लघु विज्ञापन प्रथम पृष्ठ के इकलौते जुड़वा विज्ञापन होते थे। पहले पृष्ठ से यह विज्ञापन के सफर की शुरुवात थी। इसको भी शुरू में पाठकों ने ठीक नही माना होगा। इस समय तक पहले व दूसरे पृष्ठ और बाद के सभी पृष्ठ तो निश्चित रूप से लगभग पूरे के पूरे केवल समाचारों से बजबजाते थे! समाचारो में इतनी ताकत होती थी कि कोई भी विज्ञापन पूरे पृष्ठ पर कब्जा करने की जुर्रत नही कर सकता था! समाचारों से विज्ञापनों को विकर्षण होता था! फिर एक दौर ऐसा आया कि प्रथम पृष्ठ में विज्ञापनों ने अपनी जमीन तलाशना शुरू किया। पहले एक छोटा सा विज्ञापन दाएँ या बाएँ कोने मे नीचे की ओर आया। इसने धीरे धीरे अपनी ताकत यानी कि आकार बढ़ा ऊपर उठना शुरू किया। विज्ञापन मतलब की एक तरह से व्यापार ने 'ईस्ट इंडिया कंपनी' की तरह जरा सी जगह तब की समाचार रूपी सरकार से अपने लिए माँगी। हाँ, इस समय तक समाचार की ही समाचार पत्र में सरकार होती थी! और फिर यह सुरसा की तरह मुँह खोलते हुए पहले पृष्ठ के वजूद को ही धीरे धीरे करके लीलने के अपने एक सूत्रीय मिशन मे लग गया, और इसमे यह सफल भी हो गया। नतीजा आज पूरा का पूरा पहला पृष्ठ विज्ञापनी है, अब विज्ञापनों और समाचारों के बीच आर्कषण के युग की शुरुवात हो गई थी। जित्ते समाचार तो कम से कम उत्ते तो विज्ञापन होना ही होना! खिचड़ी समाचार पत्र के युग का आगाज हो गया था! इसको देखकर अब प्रथमदृष्टया समाचार पत्र का भान तो होता ही नही था। बात यहीं तक रहती तो भी चल जाता? अब तो व्यापारिक उद्देश्य वाली 'ईस्ट इंडिया कंपनी' की तर्ज पर इसने अपने पैर फैलाते हुए दूसरे पृष्ठ में विज्ञापन मतलब ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रसार की बात करें तो एक और शहर में व्यापार के अधिकार प्राप्त कर लिए। अखबार ने इसके बाद तो हर पृष्ठ मे अपने वजूद की संधि विज्ञापन से वैसे ही कर ली जैसे कि कंपनी ने देश के कई शहरों में धीरे धीरे अपने गोदाम व कार्यालय बनाने की संधि कर ली थी! यहीं से कंपनी की सोच में बदलाव शुरू हो गया, वह सोचने लगी की व्यापार मे अव्वल रहने के लिए क्यों न अकेले दम ही इस विशाल देश को ही धीरे धीरे अपने कब्जे मे कर लिया जाए। यहाँ भी वही हुआ! विज्ञापन ने अखबार के दूसरे, तीसरे व अंतिम पृष्ठ तक जीत लिए थे। इनमें कोई समाचार अब घुस ही नही सकता था! यहाँ अघोषित रूप से घोषित हो गया था कि 'समाचारी ट्रेसपासर्स विल बी प्रासीक्यूटेड' यदि कोई स्थान पाता था तो, वह विज्ञापन की दया पर विज्ञापनी समाचार ही होता था जो कि वास्तव मे समाचार तो नहीं होता था, लेकिन उसका एक धोखा वर्जन होता था! विज्ञापन भी यही सोच रहे थे कि अब पूरे अखबार को ही क्यों फतह न कर लिया जाए। यही तो ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार वाले भूभाग में भी होता था! ईस्ट इंडिया कंपनी ने जैसे पूरे भारत मे धीरे धीरे कब्जा कर लिया उसके लिए उसे एक दो छोटे युद्ध करने पड़े। यहाँ विज्ञापनों ने भी अब लगभग पूरे अखबार पर कब्जा कर लिया था। इसके लिए इसे कोई युद्ध नही लड़ना पड़ा, बस धीरे धीरे जैसे गेहूँ को घुन खाता है, वैसे ही विज्ञापन रूपी घुन समाचार रूपी स्वर्णिम दानों को खाता रहा! अब तो आपको समाचार वाले पन्ने या कि हिस्से ढूँढ़ने पड़ते हैं? कोई भी समाचार बिना विज्ञापन के ग्रहण के आप नही पढ़ सकते हैं? 'अखबार मे समाचार की खोज' नामक खेल भी एक फनी खेल के रूप मे अब खेला जा सकता हैं! आप 'ब्रम्हचर्य आज भी प्रासंगिक है' पर एक समाचार पढ़ रहे हैं और लो न उसके ठीक नीचे कोई सनी लियोनी जैसी मोहतरमा ब्रा व पेंटी का विज्ञापन कातिलाना मुस्कान के साथ कर रहीं हैं! एक पल संयम का ख्याल आया और दूसरे पल आपकी बैड बज गई। जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्रमुख शहरों में अपनी स्थिति मजबूत करने अपने गैरीसन बना लिए थे, वैसे ही अब प्रमुख पृष्ठों पर कब्जा करने विज्ञापनों ने अपने को स्थायी रूप से बैठा अपने 'विज्ञापनी गैरीसन' ही एक तरह से बना लिए। ये विज्ञापनी व्यापार के सिक्योरिटी गार्ड सरीखे हैं। चौनल को जैसे ब्रेक चलाते हैं नहीं तो उसमे स्थायी ब्रेक लग जाए और वैसे ही अखबारों को विज्ञापन चलाते हैं नहीं तो वह भी हमेशा के लिए बैठ जाए। विज्ञापन ने तो एक तरह से अखबार को स्थायी ज्ञापन दे दिया है कि अब समाचार उसकी मर्जी पर ही जिंदा रहेंगे। भविष्य का अखबार अब कैसा होगा? भविष्य मतलब अगली सदी नहीं अगले पंद्रह बीस सालों बाद की बात हो रही है? बस कल्पना करना बाकी है। आज तो हर अखबार के पहले तीन पृष्ठों और आखिरी पृष्ठ मे विज्ञापनों का न्यूनतम व अधिकतम स्वामित्व है और उसके बाद के कई में आधा पृष्ठ या उससे अधिक जगह पर यह कुंडली मार कर बैठा है। आज विज्ञापनों के प्रभुत्व के कारण समाचारों में बैचेनी देखकर लगता है कि जैसे उसका मल्टीपल आर्गन फेलियर जैसी स्थिति बन रही है। आठ पन्ने का वर्गीकृत अलग होता है! वह तो जिसकी अटकी है कहीं इन्हें भी झेलेगा ही, तो भविष्य का अखबार 'विज्ञापन बार' होगा! इसमे केवल और केवल विज्ञापन होंगे।

कविता संसार

ऐसा हो अपना स्कूल

चन्द्रकांत खुंटे 'क्रांति'

चमक पड़े डिजिटल पट्ट, लुप्त हो जाए चाक की धूल।

बैठने की उत्तम व्यवस्था, छात्र जाए क्लांति को भूल।

ज्ञान बढ़ाती ग्रंथशाला हो, मिलता जहाँ बोध का मूल।

कक्षा डिजिटल बनवाओ, ज्ञान सरिता बहेंगे अनुकूल।

आधुनिक हो भव्य भवन, महक उठे प्रगति के फूल।

प्रयोगशाला में विद्यार्थी,संधानित करे सत्य का मूल।

रटने की प्रथा अब छोड़ों, कौशल बहे सदा अनुकूल।

वैश्विक संकट से लड़ने को, तत्पर खड़े वीर मकूल।

देश हमारा बदलेगा तब, जब बदलेगा अपना स्कूल।

ग्राम-ग्राम में खुले ऐसी, शिक्षा की यह नई अमूल।

पढ़ेगा भारत बढ़ेगा भारत, टूटेगा हर पाखंड का मूल।

विश्व गुरु फिर हम बनेंगे, बनेगा जब मॉडर्न स्कूल।

सस्ता सुंदर ज्ञान मिले, न हो कोई भी बाल मलूक।

हर हाथों में हुनर सजे, कोई न बैठे यहाँ अचूक।

नव प्रभात गर लाना है, तोड़ों रूढ़िवादी सब शूल।

ऐसी ही हो अपनी शिक्षा, ऐसा ही हो अपना स्कूल।।

आज के युवा, कल के बुजुर्ग: संवेदनाओं को समझने का समय

-डॉ विजय गर्ग

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। जीवन का हर चरण अपने साथ नई चुनौतियाँ, अनुभव और जिम्मेदारियाँ लेकर आता है। बचपन से युवावस्था और युवावस्था से वृद्धावस्था तक का यह सफर प्रकृति का अटल नियम है। आज जो युवा अपनी ऊर्जा, महत्वाकांक्षाओं और सपनों के साथ जीवन की दौड़ में आगे बढ़ रहा है, वही कल वृद्धावस्था की दहलीज पर खड़ा होगा। इसलिए बुजुर्गों की संवेदनाओं को समझना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि अपने भविष्य को समझने और संवारने की आवश्यकता भी है।

भारत को युवा देश कहा जाता है। देश की बड़ी आबादी युवा है, जो विकास और प्रगति की धुरी मानी जाती है। लेकिन इसके साथ ही भारत में बुजुर्गों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। चिकित्सा सुविधाओं में सुधार और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण अधिक लोग लंबा जीवन जी रहे हैं। ऐसे में समाज के सामने यह चुनौती है कि वह पीढ़ियों के बीच संवाद, सम्मान और संवेदनशीलता को कैसे बनाए रखे।

बुजुर्गों की भावनाएँ भी महत्वपूर्ण हैं: अक्सर यह माना जाता है कि बुजुर्गों की आवश्यकताएँ केवल भोजन, दवा और आर्थिक सुरक्षा तक सीमित हैं। जबकि सच्चाई इससे कहीं अधिक गहरी है। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता प्रेम, सम्मान, अपनापन और संवाद की होती है। वे चाहते हैं कि परिवार के लोग उनकी बात सुनें, उनके अनुभवों का सम्मान करें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे आज भी परिवार और समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जब उनकी राय को महत्व नहीं दिया जाता या उन्हें केवल उम्र के कारण अप्रासंगिक समझ लिया जाता है, तो उनके मन को गहरी चोट पहुँचती है। शारीरिक कमजोरी से अधिक मानसिक उपेक्षा उन्हें पीड़ा देती है। इसलिए उनकी भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है।

बदलते समय और बढ़ती दूरी: आज का युवा डिजिटल युग में जी रहा है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जीवन की गति और शैली दोनों बदल दी हैं। दूसरी ओर, बुजुर्गों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा ऐसे दौर में बिताया है जहाँ प्रत्यक्ष संवाद और सामाजिक संबंधों का महत्व अधिक था। इस अंतर के कारण कई बार दोनों पीढ़ियों के बीच दूरी पैदा हो जाती है। युवा बुजुर्गों की सलाह को पुरानी सोच समझ लेते हैं, जबकि बुजुर्ग नई पीढ़ी की जीवनशैली को समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। यह पीढ़ीगत अंतर यदि संवाद की कमी से जुड़ जाए तो गलतफहमियाँ और बढ़ जाती हैं। समाधान एक-दूसरे को बदलने में नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समझने में है।

तमिलनाडु में विजय क्या सफल होंगे?

-विनीत नारायण

मुख्यमंत्री विजय ने अपने व्यवहार से एक शुभ संकेत दिया है। मुख्यमंत्री का पद संभालते ही वे विपक्षी दलों के सभी बड़े नेताओं के घर अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने गए थे। इसे तमिलनाडु की राजनीति में एक अनूठी पहल माना गया है। शपथ ग्रहण करते ही तीन अहम आदेशों पर हस्ताक्षर किए। जिनमें दो प्रमुख थे। एक, नशीली दवाओं की रोकथाम के कड़े कदम उठाना और दूसरा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन को मुस्तैद करना।ज विजय ने सख़्त आदेश दिए हैं कि नागरिकों की ऐसी छोटी-छोटी समस्याओं का हल 24 घंटों के भीतर हो जाना चाहिए।

तमिलनाडु के नए युवा लोकप्रिय मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजयने शपथ ग्रहण करते ही तीन अहम आदेशों पर हस्ताक्षर किए। जिनमें दो प्रमुख थे। एक, नशीली दवाओं की रोकथाम के कड़े कदम उठाना और दूसरा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन को मुस्तैद करना। पर जिन कारणों से विजय की ओर सबका ध्यान गया है, वो है उनकी सादगी, सहृदयता और धर्म निरपेक्षता। विजय के पिता ईसाई हैं और माँ सनातनी हिंदू। इसलिए विजय दोनों धर्मों में आस्था रखते हैं और दोनों के धार्मिक कृत्यों में श्रद्धा से भाग लेते हैं। उनका यही रवैया अन्य धर्मों के प्रति भी है। आज जब देश में धर्म के नाम पर उन्माद बढ़ता जा रहा है तब श्री विजय की इस पहल ने तमिलनाडु के लोगों को बहुत राहत प्रदान की है।

प्रायः राजनीति में जो लोग आते रहे, वे होते हैं जिनकी आर्थिक पृष्ठभूमि मज़बूत नहीं होती थी। इसीलिए वे राजनीति को कमाई का ज़रिया बना कर अकूत धन संपत्ति जमा करने में जुट जाते थे। कमोबेश यह इतिहास हर राजनेता का रहा है।

विजय तमिलनाडु के सुपर स्टार हैं और 600 करोड़ से अधिक की अर्जित संपत्ति के मालिक हैं। वे अपने राज्य में एक कलाकार के रूप में लोकप्रियता के शिखर पर रहे हैं। इसलिए माना जा सकता है कि राजनीति में उनका प्रवेश धन या यश कमाने के लिए नहीं हुआ।

वे कुछ नया कर गुज़रना चाहते हैं। उन्होंने तमिलनाडु में नेताओं के कटआउट और पोस्टर लगाने को प्रतिबंधित कर दिया है। जबकि हर दल के नेता अपने फ़ोटो के विज्ञापनों और कटआउटों पर देश की ग़रीब जनता का अरबों रुपया बर्बाद करते हैं। जिन पाठकों ने तमिलनाडु का दौरा किया है उन्होंने यह आश्चर्यजनक संस्कृति वहाँ देखा होगी कि राजनेताओं के 100-100 फुट ऊँचे कटआउट जगह-जगह लगे होते हैं।

विजय राजनीति से वीआईपी संस्कृति समाप्त करना चाहते हैं और इस दिशा में भी उन्होंने कई पहल की हैं जिसका अच्छा संदेश गया है। इतने सम्पन्न और सुप्रसिद्ध व्यक्ति होते हुए विजय एक कर्मचारी की तरह समय पर दफ़्तर आते हैं और अपना लंच बॉक्स साथ लाते हैं। दोपहर को वे अपनी मेज़ पर डिब्बा खोल कर अकेले लंच करते हैं, कोई तामझाम नहीं। ऐसी छोटी-छोटी बातों का जनता पर बहुत अच्छा असर पड़ रहा है। दरअसल आम जनता की सरकार से अपेक्षाएँ बहुत सीमित होती हैं।

मसलन बिजली-पानी की आपूर्ति गड्ढा-मुक्त सड़कें, नागरिक सुविधाएं प्रदान करने वाली एजेंसियों में आम जनता के प्रति ज़िम्मेदारी और सम्मान का भाव आदि। विजय ने सख़्त आदेश दिए हैं कि नागरिकों की ऐसी छोटी-छोटी समस्याओं का हल 24 घंटों के भीतर हो जाना चाहिए। देश की जो कार्य संस्कृति रही है उसमें ऐसा हो पाना आसान नहीं है। पर नेतृत्व में अगर दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो असंभव कुछ भी नहीं है।

आज के राजनैतिक माहौल में जब अपने विपक्षी दलों के नेताओं को अपमानित करना, उनके प्रति अपशब्द बोलना और उनके परिवार पर छींटाकशी करना आम बात हो गई है, वहाँ विजय ने अपने व्यवहार से एक शुभ संकेत दिया है। मुख्यमंत्री का पद संभालते ही वे विपक्षी दलों के सभी बड़े नेताओं के घर अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने गए थे। इसे तमिलनाडु की राजनीति में एक अनूठी पहल माना गया है। छोटे दलों के कुछ नेताओं का तो ये कहना था, कि उनके जीवन में पहली बार कोई मुख्यमंत्री उनके आवास पर इस तरह शिष्टाचार प्रदर्शित करने आया। जाहिर है कि विपक्ष के नेता भी विजय की इस विनम्रता से अभिभूत हैं।

आज के दौर में जब धर्मांध लोग एक दूसरे के धर्मस्थलों को अपमानित या ध्वस्त करना अपनी उपलब्धि मानते हैं, उस दौर में विजय ने एक नई पहल की है। उन्होंने सभी धर्मों के उपेक्षित पड़े धर्मस्थलों का सरकारी प्रयास से जीर्णोद्धार कराए जाने की इच्छा व्यक्त की है। इस दिशा में वे कितने सफल हो पायेंगे, ये तो आनेवाला समय ही बताएगा। पर भारत के लोकतंत्र के लिए ये एक शुभ संकेत है।

कहते हैं कि दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी ने बहुत आशा जगाई थी। लंबे-चौड़े दावे किए थे। अनेक क्रांतिकारी कदमों का ऐलान किया था। पर क्रमशः वह सब काफूर हो गया। आम आदमी पार्टी ने जनहित में कुछ अच्छे कार्य भी किए पर वो उन दावों की तुलना में बहुत कम थे, जो शुरू में किए गए थे। अब इसे देश का दुर्भाग्य कहें या राजनीति का यथार्थ कि सत्ता पाकर हर व्यक्ति बदल जाता है या हालात उसे बदलने के लिए मजबूर कर देते हैं।

मेरा मानना है कि जिनमें आध्यात्मिक चेतना और नैतिक बल होता है वही राजनीति की दलदल कमल की तरह खिल पाते हैं। पर ऐसा यदा-कदा ही होता है। मुझे याद है किस तरह वाजपेयी जी की सरकार में जगमोहन जी के मंत्रालय तीन बार बदल दिए गए। वे कर्मठ व्यक्ति थे और पारदर्शिता के साथ सुधार करना चाहते थे। पर जिस मंत्रालय में भी वे सुधार के प्रयास करते थे, उन्हें वहाँ से हटा दिया जाता था। यही रवैया अन्य दलों के सत्ता में आने बाद देखा जाता है कि योग्य और भले लोगों को दरकिनार कर दिया जाता है।

न्यूज. ब्रीफ

कैंचीधाम में जन सैलाब, स्थापना दिवस पर बाबा नीम करोली के दर्शन को उमड़ी भीड़

उत्तराखंड की हरी-भरी वादियों में स्थित विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम आज आस्था के महासागर में तब्दील हो चुका है. बाबा नीम करौली महाराज के स्थापना दिवस पर देश-दुनिया से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं. सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और हर ओर बाबा के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है. देखा गया कि सुबह के नौ बजे तक पच्चीस हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण कर चुके थे ।

राम मंदिर चढ़ावा कांड पर बोले विनय कटियार

अयोध्या । मौजूदा स्थिति पर विनय कटियार नाराज दिख रहें है उन्होंने कहा जो हो रहा है ठीक नहीं, व्यवस्था में सुधार जरूरी, चंपत राय पर टिप्पणी से बचते रहे विनय कटियार, मंदिर परिसर में अनुशासन और मयार्दा पर जोर दिया। ट्रस्ट में अनुभवी और अच्छे लोगों के होने की बात कही, अयोध्या में हुई घटना पर दुख और गुस्सा जाहिर किया। शाम तक अयोध्या जाने की संभावना जताई।

उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में आस्था का उमड़ जनसैलाब

बदरीनाथ। 14 जून तक 11 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान बदरीविशाल के दर्शन कर चुके हैं। लंबी कतारों, बदलते मौसम और यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक दबाव के बावजूद भक्तों का उत्साह लगातार बना हुआ है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष 11 लाख श्रद्धालुओं का आंकड़ा पिछले वर्षों की तुलना में पहले ही पार हो गया है, जो धार्मिक पर्यटन और चारधाम यात्रा के प्रति बढ़ते आकर्षण को दशार्ता है। चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या पहुंच रही है, जिससे उत्तराखंड में आस्था और पर्यटन दोनों को नई गति मिली है।

मांझे से मंत्री के भतीजे की गर्दन कटी

बरेली। बरेली में चाइनीज मांझे से गन्ना राज्यमंत्री के 15 साल के भतीजे की गर्दन कट गई। वह स्कूटी से घर जा रहा था। फ्लाईओवर पर अचानक चाइनीज मांझा उसकी गर्दन से लिपट गया। जब तक वह कुछ समझ पाता, तब तक गर्दन का काफी हिस्सा कट गया। आदित्य वीर सिंह गंगवार स्कूटी के साथ सडक पर गिर गया। पूरा शरीर खून से लथपथ हो गया। आसपास के लोग उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए। परिवार को सूचना दी गई। घटना सोमवार दोपहर 1 बजे हुई। उस वक्त राज्यमंत्री पीलीभीत दौरे पर थे। भतीजे के साथ हादसे की खबर सुनकर वह दौरा छोडकर बरेली पहुंचे। आदित्य वीर सिंह के पिता अजय सिंह गंगवार ब्लॉक प्रमुख हैं। जबकि गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार चाचा हैं। हादसा बरेली शहर में बीचों-बीच श्यामगंज फ्लाईओवर पर हुआ।

36 दिन की पदयात्रा के बाद गोविन्द दास का दावा: 2027 में बस्ती में होगी बागेश्वर धाम सरकार की कथा

बस्ती। बागेश्वर धाम सरकार के श्रद्धालु गोविन्द दास ने दावा किया है कि बस्ती में वर्ष 2027 के मार्च-अप्रैल माह में बागेश्वर धाम सरकार की कथा आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि गुरु वशिष्ठ की धरती बस्ती से शुरू हुई उनकी 36 दिवसीय पदयात्रा बागेश्वर धाम पहुंचकर सम्पन्न हुई, जहां उन्होंने बस्ती में कथा आयोजन का संकल्प परम पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समक्ष रखा। प्रेस वार्ता में गोविंद दास ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य बस्ती में बागेश्वर धाम सरकार की कथा कराना, सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना, समाज को एकजुट करना तथा गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने और हिंदू राष्ट्र के विचार को जन-जन तक पहुंचाना था। उन्होंने बताया कि बागेश्वर धाम पहुंचने पर उनकी बात को विस्तार से सुना गया। गोविंद दास ने अपने गुरु राजू दास का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कथा आयोजन के संकल्प को महाराज जी के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। गोविन्द दास के अनुसार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने केवल आश्वासन ही नहीं बल्कि वचन दिया कि वर्ष 2027 के मार्च-अप्रैल माह में बस्ती में कथा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब बस्ती के सनातन समाज को इस आयोजन के लिए तन, मन और धन से तैयार होना चाहिए। कथा आयोजन को लेकर जल्द ही एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ा जाएगा। समिति आयोजन की रूपरेखा तैयार कर आगे की रणनीति तय करेगी। गोविन्द दास ने कहा कि यात्रा के दौरान कई प्रकार की चुनौतियां और व्यवधान सामने आए, लेकिन उन्होंने इसे सनातन परंपरा में तप और संघर्ष का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान राम और ऋषि-मुनियों को भी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था, उसी प्रकार उन्होंने भी बाधाओं के बीच अपने संकल्प को पूरा किया। उन्होंने कहा कि यह प्रेस वार्ता बस्ती के लोगों को कथा आयोजन की जानकारी देने और उन्हें आगामी तैयारियों के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। आयोजन की विस्तृत रूपरेखा और अन्य जानकारियां समय-समय पर प्रेस वार्ता के माध्यम से साझा की जाएंगी।

अपने गांव से ही पहली बार हवाई सफर कर भावुक हुए किसान, सीएम योगी को कहा धन्यवाद

सीएम योगी का आभार जताने पहली उड़ान से लखनऊ आए जेवर के किसान, बोले- सपना कर दिया साकार

किसानों ने कहाकि उनके गांव में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से उनको मिली बड़ी पहचान, सीएम योगी ने निभाया हर वादा

जेवर की महिला किसानों ने योगी सरकार को सराहा, विकास का सहभागी बनने की चेहरों पर दिखी खुशी

आज की जनधारा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी क्रम में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को पहली उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई, जो कई किसानों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गई। इस उड़ान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें यात्री के रूप में वे किसान भी सवार थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी जमीन दी थी। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे किसानों के चेहरे पर खुशी, गर्व और भावुकता साफ दिखाई दी। वे अपने गांव से सीधे प्रदेश की राजधानी में उतरे थे। मुख्यमंत्री योगी ने किसानों का सम्मान बढ़ाया किसानों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हवाई जहाज में सफर करने का सालों पुराना उनका सपना आज पूरा हो गया है। किसानों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। जेवर की रहने वाली पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत हुई थी। उन्होंने कहा कि आज पहली बार हवाई जहाज में बैठने का अवसर मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सम्मान बढ़ाया है। पूनम ने बताया कि वह मुख्यमंत्री से मिलने आई हैं और इस अवसर को जीवन का सबसे सुखद पल मानती हैं। किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद किया किसान धर्मवीर शर्मा ने कहा कि उनके गांव में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। उन्होंने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वाले किसानों को हवाई जहाज में बैठाकर सरकार ने यह साबित कर दिया है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उसकी प्राथमिकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का विशेष आभार जताते हुए कहा कि किसानों से किया गया हर वादा पूरा किया गया है। उड़ान में शामिल हिरा रशीद भी बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा कि लखनऊ तक की हवाई यात्रा उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधायक धीरेंद्र सिंह को दिया।

योगी जी ने हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठा दिया - किसान

किसान हाजी जफर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने ऐसा काम किया है कि हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठा दिया। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण के दौरान घर-घर जाकर किसानों की सहमति ली गई थी और किसानों ने खुशी-खुशी अपनी जमीन दी। हाजी जफर ने कहा कि उन्हें इस विकास कार्य पर गर्व है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है और इससे आम लोगों का जीवन बदल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी जी मुस्लिम समाज में काफी लोकप्रिय हैं क्योंकि उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ भेदभाव के बिना सभी लोगों तक पहुंचाया है। सभी को सुरक्षा दी है। सालों पुराना सपना आज पूरा हो गया- सुमन इसी तरह किसान इकबाल कल्लू ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि एयरपोर्ट के लिए उनकी जमीन गई थी और आज उसी एयरपोर्ट से उड़ान भरकर राजधानी पहुंचना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को केवल मुआवजा ही नहीं दिया बल्कि उन्हें विकास यात्रा का सहभागी भी बनाया है। महिला किसानों में भी उत्साह देखने को मिला। किसान सुमन ने बताया कि उन्होंने जीवन में पहली बार हवाई जहाज में सफर किया है। यह उनका वर्षों पुराना सपना था, जो अब जाकर पूरा हुआ है। मीनू ने भी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि एयरपोर्ट बनने के बाद पहली बार उन्होंने अपनी जमीन को आसमान से देखा है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रदेश में विकास की नई धारा बह रही है और इसका लाभ आम लोगों को मिल रहा है।

राम मंदिर से दानराशि चोरी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में

आज की जनधारा

अयोध्या । सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र याचिका भेजकर इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है. सुप्रीम कोर्ट के वकील अनूप अवस्थी ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र याचिका भेजकर यह जांच की मांग की. पत्र याचिका में श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में दान-चढ़ावे की हेराफेरी से जुड़े आरोपों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की गई है. पत्र याचिका में कहा गया है कि लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए FIR दर्ज कर और एक स्वतंत्र और कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए निर्देश जारी किया जाए.

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोप से गरमाई राजनीति

मालूम हो कि बीते दिनों समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का आरोप लगाया था. जिसके बाद यूपी की राजनीति गरमाई. अब मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल के गठन की बात सामने आई है. राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर ट्रस्ट के चंदे में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एसआईटी गठित किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे अहम कदम बताया. अयोध्या के सर्किट हाउस में नृपेंद्र मिश्र ने कहा, SIT का गठन सरकार की तत्परता को दिखाता है और यह एक अहम कदम है.' दूसरी ओर फैजाबाद से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने जांच पूरी होने तक न्यास के सभी मौजूदा सदस्यों को हटाए जाने की यह कहते हुए मांग की कि वे ह्यह्यजांच को प्रभावित करेंगे." प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी पर अविश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा कराई जानी चाहिए।

राम मंदिर दान पात्र चोरी मामले में अयोध्या में पोस्टर वार, कांग्रेस ने लगाए पोस्टर

आज की जनधारा

अयोध्या । राम मंदिर के दान पात्र से कथित पैसे की चोरी के मामले को लेकर अयोध्या में अब पोस्टर वार शुरू हो गया है। शहर के पुष्पराज चौराहे पर उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला की ओर से पोस्टर लगवाए गए हैं। पोस्टर में स्कंद पुराण के एक दोहे का उल्लेख करते हुए यह संदेश दिया गया है कि मंदिर को दी गई भूमि, संपत्ति या दान के धन को चुराने अथवा हड़पने वाला व्यक्ति धर्मशास्त्रों के अनुसार गंभीर पाप का भागीदार होता है। राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े कथित मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी लगातार बढ़ रही है। इससे पहले समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को उठा चुकी है और अब कांग्रेस भी खुलकर मैदान में उतर आई है। पोस्टरों के जरिए इस प्रकरण को लेकर राजनीतिक और धार्मिक संदेश देने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल दान पात्र से जुड़े मामले की जांच जारी है और इस बीच अयोध्या में शुरू हुआ यह पोस्टर वार राजनीतिक चर्चा का नया विषय बन गया है।

मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति सजग सीएमएस ने किया निरीक्षण

अलीगढ़। जनपद के सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र, मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में मरीजों को मिल रही सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में सीएमएस डॉ. जगबीर वर्मा ने एक सराहनीय कदम उठाया है। अस्पताल प्रशासन की सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सीएमएस स्वयं वार्डों में पहुंचकर मरीजों का हाल-चाल ले रहे हैं। मरीजों से सीधा संवाद सीएमएस डॉ. जगबीर वर्मा ने वार्ड में भर्ती मरीजों के पास जाकर न केवल उनके स्वास्थ्य में हो रहे सुधार की जानकारी ली, बल्कि उनके इलाज की प्रक्रिया को लेकर भी फीडबैक प्राप्त किया। गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चितरू सीएमएस स्वयं मरीज की स्थिति का जायजा ले रहे हैं, जो यह दशार्ता है कि अस्पताल प्रशासन व्यक्तिगत स्तर पर मरीजों की देखभाल के प्रति कितना गंभीर है। निदेशों का पालनरू सीएमएस ने ड्यूटी पर तैनात मेडिकल स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को समय पर दवाएं मिलें और अस्पताल में साफ-सफाई व अनुशासन का पूर्ण पालन हो। सुविधाओं का जायजारू अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए सीएमएस द्वारा किया गया यह दौरा मरीजों में विश्वास जगाने वाला है। मरीजों को मिली राहत इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों ने सीएमएस के इस संवेदनशील रवैये की सराहना की। मरीजों का कहना है कि आला अधिकारियों द्वारा वार्डों का निरीक्षण करने से अस्पताल की कार्यप्रणाली में सुधार आता है और मरीजों को बेहतर उपचार मिलने का भरोसा बढ़ता है। अस्पताल प्रशासन का संकल्प सीएमएस डॉ. जगबीर वर्मा ने कहा कि जिला चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को उचित और त्वरित इलाज मिले, यही हमारा मुख्य लक्ष्य है। भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए निरंतर निरीक्षण जारी रहेंगे।

दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन विफल : देवेन्द्र

पिछले 49 दिनों में 56 दुर्घटनाएं 30 की मौत 26 गंभीर रूप से घायल

आज की जनधारा

लखनऊ। बिजली कर्मचारी संगठन के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय नें बताया कि संगठन द्वारा अपने पत्र दिनांक 29 मई 2026 के माध्यम से प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड शक्ति भवन लखनऊ को अवगत कराया गया था कि पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन द्वारा अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों की नियम विरुद्ध छटनी करने के कारण कर्मचारियों के भारी कमी होने से आउटसोर्स कर्मचारियों पर कार्य का अधिक भार पड़ने, अकुशल कर्मचारियों से लाइन का कार्य कराने तथा 01 गैंग (01 लाइनमैन + 01 पेट्रोल मैन / कुशल श्रमिक +2 अकुशल श्रमिक) के स्थान पर 01 कर्मचारी को तैनात करने के कारण पिछले जहां उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है वहीं पिछले 37 दिनों में 36 आउटसोर्स कर्मचारियों की दुर्घटनाएं हुई जिसमें 22 की मृत्यु हो गई तथा 14 गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा निवेदन किया गया था कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने एवं दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हटाए गए

अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों को कार्य पर वापस लिया जाए। संगठन द्वारा मांग किया गया था कि पावर कारपोरेशन के आदेश दिनांक 15 मई 2017 एवं उपभोक्ताओं के दिन प्रतिदिन बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर कर्मचारियों कि तैनाती किया जाए तथा दुर्घटनाओं कि जांच कराकर दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई किया जाय, किंतु पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा संगठन के बातों पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण पिछले 49 दिनों में 56 आउटसोर्स कर्मचारियों कि दुर्घटनाएं हो गई जिसमें से 30 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई तथा 26 गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसका उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन निविदा /संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ घोर निन्दा करता है। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन अपनी तानाशाही पर उतारू हैं जिसके कारण बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों कि दिन प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में पुरी तरह विफल तरह विफल है।

कृषि विकास से पुरा होगा विकसित भारत का स्वप्न

वाराणसी। आईसीएआर-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर), वाराणसी में कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ), केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि कृषि विशेषज्ञों, कृषि विभाग के अधिकारियों, कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील किसानों की सहभागिता से खेत बचाओ अभियान, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं प्राकृतिक खेती विषयक एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । बैठक को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब कृषि विकसित होगी, किसान समृद्ध होगा और हमारी मिट्टी स्वस्थ एवं उत्पादक बनी रहेगी । उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मृदा उर्वरता में गिरावट, कार्बनिक पदार्थों की कमी, उर्वरकों का असंतुलित उपयोग, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, भूजल स्तर में गिरावट तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ कृषि के समक्ष गंभीर चिंता का विषय हैं । इन चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक कृषि, मृदा परीक्षण आधारित पोषण प्रबंधन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में निहित है । डॉ. कुमार ने कहा कि किसानों को उर्वरकों के विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग के लिए 4आर सिद्धांत-सही स्रोत, सही मात्रा, सही समय तथा सही विधि को अपनाना होगा । इससे उत्पादन लागत कम होगी, पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ेगी तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा । उन्होंने बताया कि आईसीएआर-आईआईवीआर द्वारा 20 अप्रैल से 31 मई 2026 तक संचालित संतुलित उर्वरक उपयोग अभियान के अंतर्गत 21 वैज्ञानिक टीमों ने 23 गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए । इस दौरान 2,673 किसानों को प्रशिक्षण एवं परामर्श प्रदान किया गया, 197 प्रदर्शन लगाए गए तथा 387 हेक्टेयर क्षेत्र को आच्छादित किया गया । किसानों के बीच 500 किलोग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 400 लीटर सूक्ष्मजीवी कंसोर्टिया का वितरण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 7.74 टन नाइट्रोजन, 7.74 टन फॉस्फोरस तथा 3.87 टन पोटाश की बचत संभव हुई । उन्होंने बताया कि भारत सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत 15 जून 2026 तक पांच जनपदों में 36 खेत भ्रमण, 87 प्रदर्शन तथा किसानों के साथ व्यापक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

ग्रामीण इलाकों में परिषद को मजबूत करने के प्रयास तेज हों : यशपाल सिंह

आज की जनधारा

लखनऊ। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के पंजी कार्यालय लखनऊ में परिषद के राष्ट्रीय ,प्रदेश सहित सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल सिंह (पूर्व डीजीपी) ने कहा की परिषद के पदाधिकारी जिलों और गांव में जाकर परिषद को और मजबूत करें एवं जो गठन की जिम्मेदारी पदाधिकारी ने लिया है उसको अभिलंब पूरा कर कार्यालय को अवगत कराएं। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सूर्य बली सिंह रिटायर्ड (डिप्टी एसपी) ने आवाहन किया की जो परिषद का आंदोलन विगत वर्ष में चल रहा था उसकी गति प्रदान करने के लिए आगामी अगस्त महीने से उत्तर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर परिषद के साथियों द्वारा एक दिवसीय धरने के बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा ! यदि सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो परिषद द्वारा एक बड़े धरने और प्रदर्शन का कार्यक्रम लखनऊ मुख्यालय पर किया जाएगा। परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गंगा सिंह चौहान(पूर्व विधायक) ने अपने संबोधन में कहा समाज में हम लोग ग्रामीण स्तर में भी हर तरह से पिछड़ते जा रहे हैं इस पर चिंता की आवश्यकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत सिंह ने कहा की हम लोग समाज में व्याप्त दुगुर्णों को दूर करने का हर संभव प्रयास करें और संगठन का विस्तार और सदस्यता पर ध्यान दें संगठन मजबूत होगा तभी समाज में हम लोगों की मदद करने में आगे होंगे। राष्ट्रीय महासचिव ए के सिंह राठौड़ रिटायर्ड (आईएएस)ने अपने वक्तव्य में पुनः इस बात पर जोर दिया की परिषद को जन-जन जोड़कर और एक बड़ा कार्यक्रम सबके सहयोग से लखनऊ में आयोजित किया जाए जिसमें उपरोक्त सभी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाए। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह राजू ने बताया कि हम युवाओं में बढ़ती हुई कुरीतियां समाज को पीछे ले जा रही है इसलिए युवाओं को सतर्क रहना होगा और दुगुर्णों से दूरी बनाकर समाज में पुनः अपनी पहचान बनाने की जरूरत है। आज की बैठक में आए हुए सभी प्रमुख पदाधिकारी और साथियों ने अपने-अपने विचार अपने जनपद के कार्य योजना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा किया कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी आज सर्वसम्मति से पारित हुए। आज की बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय महासचिव रमेश सिंह, उग्रसेन सिंह, राष्ट्रीय सचिव इंजीनियर आर पी सिंह, राष्ट्रीय ट्रस्टी योगेश प्रताप सिंह, राष्ट्रीय महासचिव विधि प्रकोष्ठ उदयभान सिंह, प्रदेश कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ अमरेश पाल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवती सिंह, राजेश सिंह, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, , सहित कई साथी उपस्थित रहे।

सांसद शर्मा एवं महापौर श्रीमती सूरी के मुख्य आतिथ्य में निगम कार्यालय में जनकल्याण शिविर का शुभारंभ

विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से किया गया लाभान्वित

आज की जनधारा

कटनी। शासन की चिन्हित योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने हेतु आयोजित होने वाले तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ सोमवार को नगर निगम कार्यालय परिसर में खजुराहो लोकसभा सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की भी मौजूदगी रही। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री पीताम्बर टोपनानी, मेयर इन काउन्सिल सदस्य सर्व श्री डॉ रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, उमेन्द्र अहिरवार पार्षद श्रीमती सीमा श्रीवास्तव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों सर्व श्री रम्मू साहू, मृदुल मिश्रा, मनीष दुबे, अभिषेक

शर्मा, सुरेश सोनी, अभिषेक गुप्ता बाबा भैया सहित उपायुक्त श्री शैलेश गुप्ता श्रीमती प्रियंका झारिया सहित नगर निगम के अधिकारियों एवं काफी संख्या में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता -सांसद श्री शर्मा- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री विष्णु दत्त शर्मा ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है तथा इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से संचालित योजनाओं से हर गरीब का विकास हो रहा है तथा देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु गुड गवर्नेंस के तहत आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान उपस्थित जनों से किया। सांसद श्री शर्मा ने तीन दिवसीय आयोजित होने वाले शिविरों के दौरान विभागीय अधिकारियों को उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण कराने के निर्देश दिए।

हर वर्ग का हो रहा विकास - महापौर श्रीमती सूरी- महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने अपने उद्बोधन में सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हो रहा है। सरकार द्वारा महिला युवा, किसान सहित हर वर्ग के समुचित विकास करने के प्रयास किये जा रहे है। शासन की मंशा के वंचित पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु किये गए प्रयासों के तहत तीन दिवसीय शिविर का आयोजन निगम कार्यालय में किया गया है।आपने उपस्थित जनों से आस पडोस के जरूरतमंद नागरिकों को भी शिविर की जानकारी प्रदान कर शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु सहयोग प्रदान की अपील की।

विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के लगाए गए स्टॉल- शिविर के दौरान नगर निगम की विभिन्न शाखाओं द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, समग्र आईडी एवं राशन कार्ड, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन की विभिन्न योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना, भवन अनुज्ञा, भवन नामांतरण, ट्रेड लायसेंस सेवाओं, सहित मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित नवीन स्वरोजगार रोजनाओं के स्टॉल लगाए गए, जहां नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन लिए जाकर उनका पंजीयन किया गया। सांसद श्री शर्मा एवं उपस्थित जनों द्वारा शिविर स्थलों में लगाये गए स्टॉल का निरीक्षण कर प्रदाय की जानें वाली विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली जाकर आयोजित शिविर की व्यवस्थाओं की सराहना की।

स्वीकृति आदेश एवं लाभ का वितरण- कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं के स्वीकृति पत्र वितरित कर लाभान्वित किया गया। इस दौरान पीएम स्वनिधि के हितग्राही श्रीमती दुर्गावती, अंकिता नामदेव, श्रुति बर्मन, ममता बर्मन, अमर कुमार, प्रकाश कुमार तिवारी , मिथुल, श्रीमती मुन्नी बाई, दीप्ति बेन, एवं मुकेश निषाद को हितलाभ का वितरण किया गया। वहीं संबल योजना के अंतर्गत श्रीमती ममता विश्वकर्मा, आशा बाई, प्रतिभा विजेन्द्र सिंह, राजकुमार गुप्ता, सोनाली बर्मन, सोनम बाल्मीक को ई-संबल कार्ड का वितरण किया गया। वहीं श्रीमती राम रती आदिवासी को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का स्वीकृति पत्र वितरण किया गया।

गड्ढे बने जानलेवा, बाइकों की भिड़ंत में पति-पत्नी घायल

आज की जनधारा

शहडोल। सोहागपुर थाना क्षेत्र में कोनी के पहले सड़क पर बना बड़ा गड्ढा लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। आए दिन यहां सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीती रात इसी स्थान पर दो बाइकों की भिड़ंत हो गई, जिसमें एक बाइक पर सवार पति-पत्नी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार घायल दंपति जयसिंहनगर के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद दूसरे बाइक सवार युवक और घायलों के बीच विवाद की स्थिति भी बन गई, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने समझाइश देकर मामला शांत करा दिया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। स्थानीय निवासी नीलेश कुशवाहा ने बताया कि सड़क के बीच बने बड़े गड्ढे के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार संबंधित विभाग से शिकायत की गई, लेकिन अब तक गड्ढे की मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों ने जल्द सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है, ताकि आगे किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

नदी में नहाने गया किशोर पानी में डूबा

आज की जनधारा

शहडोल। गर्मी से राहत पाने के लिए दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया 15 वर्षीय किशोर मौत के गहरे पानी में समा गया। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के केल्हारी गांव में हुए इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही परिजन बदहवास होकर मौके पर पहुंचे, जबकि पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार केल्हारी निवासी दीपेश प्रजापति उम्र 15 वर्ष अपने दोस्तों के साथ गांव के पास स्थित समधिन नदी में नहाने गया था। नदी का घाट उसके घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। नहाते समय दीपेश अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद उसके दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। हादसे के बाद दीपेश का एक दोस्त घबराकर घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य और ग्रामीण बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से किशोर के शव को बाहर निकलवाया।

तेवरी के पास दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत, तेज रफ्तार पिकअप ने मारी टक्कर

आज की जनधारा

कटनी। जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लमतरा ओवरब्रिज के समीप हुए भीषण बस हादसे की पीड़ा अभी लोगों के जहन से उतरी भी नहीं थी कि सोमवार को एक और दर्दनाक दुर्घटना ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। कटनी-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेवरी के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर लगभग 3:30 बजे ग्राम घूघरा निवासी संतोष सेन एवं चंदू आदिवासी बाइक क्रमांक एमपी-21-जेडई-9048 से तेवरी की ओर जा रहे थे। जैसे ही दोनों युवक राष्ट्रीय राजमार्ग से गांव की ओर मुड़ने लगे, उसी दौरान कटनी से जबलपुर की तरफ तेज रफ्तार से

जा रहे पिकअप वाहन क्रमांक एमपी-28-जी-9373 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक कई फीट दूर जा गिरे। हादसे के बाद पिकअप वाहन उन्हें रौंदते हुए कुछ दूरी पर जाकर रुका। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्लीमनाबाद थाना प्रभारी सुदेश समन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है तथा दुर्घटना के संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक यातायात संकेतक और सुरक्षा व्यवस्थाएं बढ़ाने की मांग की है।

जनकल्याण शिविर में समस्या लेकर पहुंचे नागरिक

आज की जनधारा

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा नगर क्षेत्र के नागरिकों एवं हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका प्रांगण में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और नगर पालिका सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल व उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा डोली के निर्देशन तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में नगर पालिका की सभी शाखाओं द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और योजनाओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। नगर पालिका परिषद शहडोल के मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर से मिली जानकारी के अनुसार 15, 16 एवं 18 जून को नगर के विभिन्न वार्डों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

दर्दनाक हादसे के बाद बड़ा फैसला, गड्ढे भरेंगे, बनेंगे संकेतक और रोड डिवाइडर,हरकत में प्रशासन, सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने किया स्थल निरीक्षण

आज की जनधारा

कटनी। विजयराघवगढ़ मार्ग स्थित लमतरा ओवरब्रिज के नीचे हुए दर्दनाक बस हादसे, जिसमें चार यात्रियों की असमय मृत्यु हो गई, के बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधि सक्रिय हो गए हैं। हादसे के दूसरे दिन क्षेत्रीय सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर यातायात सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क पर बने गड्ढों की मरम्मत एवं भराई का कार्य 24 घंटे के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार रोड

डायवर्जन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सांसद एवं विधायक ने जबलपुर से कटनी आने वाले मार्ग पर देवरी ओवरब्रिज (बजरंग नगर पीर बाबा के पहले) का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर की ओर जाने वाले मार्ग को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के लिए बड़े और आकर्षक दिशा-सूचक संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, जिससे बाहरी वाहन चालकों को मार्ग पहचानने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ओवरब्रिज क्षेत्र में स्थायी रोड डिवाइडर (दीवारनुमा अवरोधक) बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया, ताकि ट्रक एवं अन्य भारी वाहन सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से खड़े न हो सकें और यातायात व्यवस्था बाधित न हो। सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सड़क संबंधी खामियों को तत्काल दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

नगर निगम कर्मियों पर हमले से आक्रोश, 24 घंटे में गिरफ्तारी नहीं तो ठप होंगी शहर की सेवाएं, कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

आज की जनधारा

कटनी। नगर निगम के अतिक्रमण विभाग कार्यालय में हुई कथित मारपीट की घटना के विरोध में नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी एकजुट होकर कोतवाली थाना पहुंचे। कर्मचारियों ने घटना को सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। गौरतलब है कि 12 जून की रात्रि अतिक्रमण विभाग की कार्रवाई को लेकर उपजे विवाद के बाद कुछ लोगों द्वारा कार्यालय पहुंचकर कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ, जिसके बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखी गई। सोमवार को नगर निगम के

अधिकारी, कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, पेंशनर एवं कर्मचारी संघ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर थाना कोतवाली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों का कहना था कि नगर निगम अमला शहर की सफाई, अतिक्रमण नियंत्रण, जलापूर्ति और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए निरंतर कार्य करता है, ऐसे में कर्मचारियों के साथ हिंसक व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा नगर निगम कर्मचारियों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। संगठन का कहना है कि यदि शासकीय कार्यों का निर्वहन कर रहे कर्मचारियों पर हमले होने लगेंगे तो इससे कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित होगा और जनसेवाओं पर भी असर पड़ेगा। कर्मचारियों ने डीएसपी रत्नेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर नगर की मूलभूत सेवाओं से जुड़े कार्यों को प्रभावित कर विरोध प्रदर्शन भी किया जा सकता है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि किसी भी कार्रवाई से असहमति होने पर उसके लिए कानूनी और प्रशासनिक रास्ते उपलब्ध हैं, लेकिन सरकारी कार्यालय में पहुंचकर विवाद और मारपीट जैसी घटनाएं कानून व्यवस्था एवं प्रशासनिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक हैं।

जनकल्याण' के मंच पर सिस्टम की क्रूरता, 8 साल की सेवा का मिला ये सिला, नगर निगम के सफाईकर्मी ने खुद पर छिड़का पेट्रोल

आज की जनधारा

कटनी। सरकारें बड़े-बड़े विज्ञापनों और 'जनकल्याण शिविरों' के जरिए दावा करती हैं कि आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। लेकिन इस दावे के पीछे छिपी प्रशासनिक संवेदनहीनता की एक ऐसी खौफनाक तस्वीर सामने आई है, जिसने पूरे शासन-प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। यह कहानी किसी रसूखदार की नहीं, बल्कि पिछले 8 सालों से शहर को साफ रखने वाले एक अदने से सफाई कर्मचारी की है, जिसे बेरहम सिस्टम ने घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

क्या है मामला- कैलवारा के रहने वाले संतोष करोसीय नगर निगम के वार्ड क्रमांक 1 में पिछले 8 वर्षों से आउटसोर्स सफाई कर्मचारी के रूप में पूरी निष्ठा से काम कर रहे थे। लेकिन महज 7 दिन पहले बिना

किसी पूर्व सूचना या नोटिस के उनकी आउटसोर्स आईडी बंद कर दी गई और उन्हें नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।पीड़ित का कसूर महज इतना था कि उसकी मासूम बेटी की तबीयत खराब थी। एक पिता होने के नाते उसने इस बात की सूचना अपने वार्ड दरोगा को दी थी। लेकिन सहानुभूति की जगह उसे इनाम में मिला—नौकरी से निष्कासन और एक महीने की रुकी हुई तनख्वाह।

जनकल्याण शिविर में 'अंगारों' पर सिस्टमः आत्मदाह का प्रयास- नौकरी जाने और वेतन रुकने के बाद संतोष के परिवार के सामने भुखमरी और आर्थिक संकट खड़ा हो गया। थक-हारकर वह आज सरकार द्वारा आयोजित 'जनकल्याण शिविर' में अपनी गुहार लेकर पहुंचा था। उसे उम्मीद थी कि यहाँ 'मौके पर निराकरण' होगा। लेकिन शिविर में बैठे अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। जब हर तरफ से निराशा हाथ लगी, तो पीड़ित संतोष ने हताशा में आकर शिविर के बीच ही अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की मुस्तैदी से एक बहुत बड़ी अनहोनी टल गई, वरना आज इस 'कल्याणकारी' मंच पर एक गरीब की लाश बिछ चुकी होती।

संवेदनहीनता की पराकाष्ठाः तमाशबीन कमिश्नर गाड़ी में बैठकर निकलीं- इस पूरे घटनाक्रम में सबसे शर्मनाक और हैरान करने वाला नजारा तब देखने को मिला, जब मौके पर मौजूद नगर निगम आयुक्त (कमिश्नर) ने मामले की गंभीरता को समझने या पीड़ित को ढांढस बंधाने के बजाय, वहां से भाग जाना बेहतर समझा और कमिश्नर मैडम अपनी चमचमाती गाड़ी में बैठीं और वहां से रफूचक्कर हो गईं।

शासन और प्रशासन से सीधे सवाल- यह घटना केवल एक कर्मचारी की नौकरी जाने की नहीं है, बल्कि यह इस बात का सबूत है कि निचले स्तर के कर्मचारियों का किस तरह शोषण किया जा रहा है। सवाल नंबर 1ः 8 साल से सेवा दे रहे कर्मचारी को बिना किसी 'कारण बताओ नोटिस' या जांच के, सिर्फ मौखिक या मनमाने ढंग से कैसे निकाला जा सकता है।

रात के सन्नाटे में धू-धू कर जला ट्रक, लाखों का नुकसान

आज की जनधारा

शहडोल। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे एक छह चकिया ट्रक अचानक आग की लपटों में घिर गया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा ट्रक धू-धू कर जलने लगा। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है,जबकि चालक सुरक्षित है। घटना इंदवार थाना क्षेत्र के बरही-मानपुर मार्ग एसएच-10 पर स्थित पनपथा गांव के हाई स्कूल के पास की है। जानकारी के अनुसार कटनी का यह ट्रक कटनी से ब्यौहारी के टिहकी गांव की ओर जा रहा था। देर रात होने के कारण चालक ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर विश्राम करना उचित समझा और पास ही सो गया।इसी बीच अज्ञात कारणों से ट्रक

में आग लग गई। जब तक चालक और आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।समय रहते कार्रवाई होने से आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से रोक लिया गया। घटना को और भी गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जिस स्थान पर ट्रक खड़ा था,उसके ठीक ऊपर 11 हजार केवी की विद्युत लाइन भी गुजर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या फिर इसके पीछे किसी असामाजिक तत्व की शरारत है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ट्रक में टीवी, कूलर समेत अन्य बेशकीमती इलेक्ट्रॉनिक सामग्री लोड थी। आग की चपेट में आने से न केवल ट्रक पूरी तरह जल गया, बल्कि उसमें रखा पूरा सामान भी खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार नुकसान लाखों रुपये में बताया जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य की भूमि पर रेत जब्त

आज की जनधारा

शहडोल। जिले में अवैध रेत भंडारण के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत बुढार तहसीलदार मनोज सिंह ने ग्राम खैरहा में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत शहडोल की निर्माण समिति के सभापति जगन्नाथ शर्मा की भूमि पर भंडारित करीब 60 घनमीटर रेत जब्त की है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध खनिज कारोबार को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार राजस्व विभाग की जांच के दौरान खैरहा स्थित भूमि पर बड़ी मात्रा में रेत का भंडारण पाया गया। मौके पर भंडारित रेत से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर प्रशासन ने नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की। तहसील प्रशासन ने रेत को अपने कब्जे में लेते हुए मामले की वैधानिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जगन्नाथ शर्मा वर्तमान में जिला

पंचायत की निर्माण समिति के सभापति हैं और भाजपा की स्थानीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ऐसे में प्रशासन की इस कार्रवाई ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार की गई है और अवैध खनिज भंडारण के मामलों में किसी भी व्यक्ति को छूट नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि शहडोल जिला लंबे समय से अवैध रेत खनन, परिवहन और भंडारण की शिकायतों को लेकर चर्चा में रहा है। सोन, जोहिला सहित अन्य नदी क्षेत्रों से अवैध उत्खनन की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई किए जाने के बावजूद यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। वहीं जब इस मामले में जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ शर्मा से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि पंचायत में सड़क और बाउंड्री का निर्माण कराया जाना है, जिसको लेकर रेत रखी थी। उन्होंने यह भीकहा कि पंचायत का वर्क आर्डर है, कार्यवाही गलत है।

सिंगरौली में कथित अवैध रेत खनन पर NGT और सिया सख्त, जांच के घेरे में खनन गतिविधियां

नदियों के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ के आरोप, प्रशासन और खनिज विभाग की भूमिका पर भी उठे सवाल

आज की जनधारा

सिंगरौली । सिंगरौली मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी कहे जाने वाले सिंगरौली जिले में कथित अवैध रेत खनन का मामला अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। सोन, रिहंद, महान और गोपद जैसी प्रमुख नदियों में तय मानकों से परे मशीनों के माध्यम से रेत उत्खनन किए जाने के आरोपों के बाद राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (सिया) और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि देवसर तहसील क्षेत्र की विभिन्न रेत खदानों में सहकार ग्लोबल लिमिटेड द्वारा निर्धारित सीमा से बाहर भारी मशीनों के माध्यम से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। शिकायत के समर्थन में जीपीएस टैग्ड तस्वीरें, वीडियो और विभिन्न मीडिया रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई हैं। आरोप लगाया गया है कि खनन गतिविधियां सस्टेनेबल सैंड माइनिंग गाइडलाइंस-2016 तथा एनफोर्समेंट एंड मॉनिटरिंग गाइडलाइंस-2020 के प्रावधानों का उल्लंघन कर संचालित की जा रही हैं।

सिया और एनजीटी ने शुरू की जांच- मामले की गंभीरता को देखते हुए सिया के सचिव सुधीर कुमार कोचर द्वारा तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। वहीं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की केंद्रीय पीठ ने भी संयुक्त जांच दल का गठन कर छह सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाएंगी कि खनन कार्य पर्यावरणीय स्वीकृतियों और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित हो रहा है या नहीं। वन विभाग की रिपोर्ट में भी अनियमितताओं के संकेत सूत्रों के अनुसार वन विभाग की जांच रिपोर्ट में भी कई बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज की गई है। रिपोर्ट में संबंधित क्षेत्र में आवश्यक वन स्वीकृति (फॉरेस्ट एनओसी) प्राप्त नहीं किए जाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी व्यवस्थाओं में कमी होने का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि खनन क्षेत्र में ऑयल-ग्रीस ट्रैप और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। **अवैध खनन से पर्यावरण को खतरा...** पर्यावरण के जानकारों का माने तो यदि नदियों में निर्धारित मानकों से अधिक और अनियंत्रित खनन होता है तो इससे नदी की प्राकृतिक धारा, जल संरक्षण क्षमता, भूजल पुनर्भरण तथा जलीय जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लंबे समय तक ऐसी गतिविधियां जारी रहने पर आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरणीय असंतुलन की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। **मुख्य सचिव ने दिए सख्त निर्देश...** इधर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सभी जिलों के अधिकारियों को अवैध खनन और अवैध परिवहन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सिया सचिव सुधीर कुमार कोचर

सिंगरौली जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल

प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन

जनता पूछ रही सवाल

लगातार शिकायतों, जांच समितियों के गठन और पर्यावरणीय चिंताओं के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि आरोपों में तथ्य हैं तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि आरोप निराधार हैं तो संबंधित विभागों द्वारा स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही? अब सभी की निगाहें सिया, एनजीटी और प्रशासनिक जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। जांच के निष्कर्ष ही तय करेंगे कि शिकायतों में कितना दम है और क्या वास्तव में सिंगरौली की नदियों में पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी कर खनन गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।

प्रशासनिक कार्रवाई पर भी उठे प्रश्न

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और एनजीटी द्वारा संज्ञान लेने के बाद जिला प्रशासन ने रिहंद जलाशय क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई कर लगभग 155 घन मीटर रेत जब्त करने का दावा किया था। हालांकि स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि जब्त की गई रेत बाद में संबंधित कंपनी को ही सुपुर्द कर दी गई। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन पूरे घटनाक्रम ने जिला खनिज विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

मल्हार पार्क का वाटर एटीएम बना शोपीस, पानी नहीं मिला तो चोरों की पड़ी नजर

आज की जनधारा

सिंगरौली। सिंगरौली जिले में शहर के मल्हार पार्क में आम नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया वाटर एटीएम अपनी उपयोगिता साबित करने से पहले ही सवालों के घेरे में आ गया है। वर्षों से बंद पड़ा यह वाटर एटीएम अब चोरों के निशाने पर भी पहुंच गया है। हाल ही में अज्ञात बदमाशों द्वारा इसके दरवाजे को काटकर चोरी का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार वाटर एटीएम के अंदर कॉपर, एल्युमीनियम, लोहे के उपकरण, मोटर और पाइप जैसी सामग्री लगी हुई है, जिसकी वजह से चोरों की नजर इस पर पड़ी। बताया जा रहा है कि चोरी का प्रयास करने वाले लोग दरवाजा काट रहे थे, तभी किसी की नजर पड़ने पर वे अधूरा काम छोड़कर मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते निगरानी और सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो भविष्य में उपकरणों की चोरी से सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हो सकता है। वहीं नागरिकों का कहना है कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस वाटर एटीएम को जनता की सुविधा के लिए लगाया गया था, वह आज तक लोगों के किसी काम नहीं आया। भीषण गर्मी के दौरान पार्क में आने वाले लोग और राहगीर पीने के पानी के लिए परेशान रहे, लेकिन वाटर एटीएम चालू नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का दावा है कि स्थापना के बाद से अब तक किसी ने इस एटीएम से पानी पीते नहीं देखा। नागरिकों ने आरोप लगाया कि वाटर एटीएम के रखरखाव और मेंटेनेंस के नाम पर हजारों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई लाभ जनता को नहीं मिला।

16 जून से शुरू होगा स्कूल चले हम अभियान का दूसरा चरण, शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर

आज की जनधारा

सीधी। ग्रीष्मावकाश समाप्त होने के बाद जिले के सभी शासकीय एवं सांदीपनी विद्यालयों में 16 जून से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होगा। इसके साथ ही 16 जून से 30 जून तक ह्यस्कूल चले हम अभियानह्ण के द्वितीय चरण के अंतर्गत शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों के नामांकन, स्वागत तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे। सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यालय छोड़ चुके विद्यार्थियों की पहचान कर उनका पुनः प्रवेश कराया जाए। उन्होंने कहा कि नामांकन, कक्षोन्नति और ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने और वितरण की ऑनलाइन प्रविष्टि एजुकेशन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मिशन अंकुर के तहत बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार, आंगनवाड़ी-विद्यालय को-लोकेशन व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, बालिका शौचालयों की कार्यशीलता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाए। विद्यालयों में बाल सभाओं का आयोजन हो, प्रथम दिवस विशेष भोज की व्यवस्था की जाए तथा शासन की विभिन्न छात्र हितैषी योजनाओं की जानकारी अभिभावकों को दी जाए। कलेक्टर ने विद्यालय प्रबंधन समितियों की बैठक आयोजित कर बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा स्वयं निरीक्षण के दौरान करेंगे और सभी संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षकों को पूरी गंभीरता के साथ शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

भाजपा की जिला स्तरीय कामकाजी बैठक संपन्न, संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

आज की जनधारा

सिंगरौली। सिंगरौली जिले में भारतीय जनता पार्टी जिला सिंगरौली की मासिक जिला स्तरीय कामकाजी बैठक विन्ध्यनगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक जिला संगठन प्रभारी विनोद यादव के मार्गदर्शन एवं जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ भारत माता एवं पार्टी के प्रेरणास्त्रोत महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों एवं आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यकताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। जिला संगठन प्रभारी विनोद यादव ने सभी मंडलों में आयोजित बैठकों और कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित संगठनात्मक गतिविधियों तथा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक को संबोधित करते हुए विनोद यादव ने कहा कि संगठन का प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ता पार्टी की ताकत है। उन्होंने मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों को निर्देश दिए कि कार्यकताओं को संगठनात्मक कार्यों से जोड़े रखें तथा शक्ति केंद्र संयोजकों एवं बूथ अध्यक्षों के साथ नियमित संवाद बनाए रखें। उन्होंने बूथ समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करने और संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे 12 साल बेमिसाल₹ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और इसे सफल बनाने के लिए कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तथा कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक का संचालन जिला महामंत्री विक्रम सिंह चंदेल ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप शाह, पूनम गुप्ता, विजया सिंह, जिला महामंत्री लालपति साकेत, योगेंद्र द्विवेदी, जिलामंत्री संदीप झा, द्रौपदी सिंह, जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार सहित मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया गया।

ग्रामीणों की सतर्कता से पकड़ा गया अवैध शराब, बाइक छोड़ फरार हुए दो युवक

कोयलखूथ गांव के पास कार्रवाई, पुलिस ने शराब और बाइक की जब्त

आज की जनधारा

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयलखूथ गांव के पास रविवार दोपहर अवैध शराब परिवहन का मामला सामने आया। ग्रामीणों की सतर्कता के चलते बाइक पर ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब पकड़ी गई, जबकि बाइक सवार दो युवक मौके से फरार होने में सफल रहे। जानकारी के अनुसार, रजमिलान से माड़ा की ओर जा रहे दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर ग्रामीणों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मौजूदगी और पूछताछ की आशंका को देखते हुए दोनों युवक बाइक छोड़कर मौके से भाग निकले। इसके बाद ग्रामीणों ने बाइक की तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई। मामले की सूचना तत्काल माड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बाइक समेत शराब को जब्त कर थाने ले गई। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि शराब को अवैध रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन किया जा रहा था। हालांकि, मौके से फरार हुए दोनों युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस बाइक के पंजीयन नंबर एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके से बाइक और शराब जब्त कर ली है। मामले की जांच की जा रही है तथा फरार आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की आवाजाही पर प्रभावी निगरानी की आवश्यकता है। वहीं पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बैढ़न में चंदेल सोनोग्राफी एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ, अब जिले में मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

आज की जनधारा

सिंगरौली । सिंगरौली जिला मुख्यालय बैढ़न में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई सुविधा का शुभारंभ हुआ है। जिला चिकित्सालय ट्रॉमा सेंटर के समीप, होटल जायका एवं उदिका पैलेस के सामने थाना रोड स्थित चंदेल सोनोग्राफी एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री राधा सिंह ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन के जीवन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक जांच सुविधाओं के अभाव में जिले के लोगों को कई बार छोटी-बड़ी जांचों के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की अतिरिक्त लागत आती थी। नए डायग्नोस्टिक सेंटर के शुरू होने से मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण जांच सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। आधुनिक तकनीक से लैस जांच केंद्र समय पर बीमारी की पहचान और प्रभावी उपचार में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे संस्थानों की स्थापना से स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। सेंटर के संचालक डॉ. भानु प्रताप सिंह चंदेल (एमबीबीएस, एमडी रेडियोडायग्नोसिस) ने बताया कि केंद्र में अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन स्थापित की गई है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि यहां सभी प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांचों की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही सिंगरौली जिले में पहली बार विभिन्न प्रकार के अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रोसीजर भी किए जाएंगे। डॉ. चंदेल ने कहा कि अब सिंगरौली, देवसर, चितरंगी, सीधी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को विशेष जांचों और प्रोसीजर के लिए वाराणसी, जबलपुर या भोपाल जैसे बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे मरीजों को समय, धन और मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए विशेष रियायत की व्यवस्था भी की गई है, ताकि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। केंद्र का उद्देश्य सटीक, विश्वसनीय और किफायती जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि सिंगरौली देश की ऊर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं और हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं।

आदिवासी तीरंदाजी प्रतियोगिता में जगदीश का सटीक निशाना, बने चैंपियन

आज की जनधारा

सोनभद्र। जनपद के अनपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिदहवा (लोट) गांव में आयोजित आदिवासी तीर-धनुष प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक खेल एवं आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में 55 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनपरा तापीय परियोजना के उप महाप्रबंधक ई. चंद्र विजय एवं उनकी धर्मपत्नी शालिनी देवी द्वारा डीह बाबा के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। प्रतियोगिता कई चरणों में आयोजित हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने लक्ष्य भेदन की अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बाद ग्राम भेड़िया के जगदीश ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं देव शरण खरवार (बर्रोहिया) द्वितीय तथा देवेंद्र केवट (मकरा) तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। प्रथम विजेता को हीरो कंपनी की साइकिल भेंट की गई, जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ई. चंद्र विजय ने कहा कि सिदहवा लोट क्षेत्र के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है।

विंध्य केसरी बनीं सिंगरौली की बेटी कात्यायनी, कुश्ती में रचा इतिहास

आज की जनधारा

सिंगरौली । सिंगरौली जिले के विंध्य क्षेत्र की प्रतिष्ठित दो दिवसीय ह्यविंध्य केसरी ओपन कुश्ती महिला-पुरुष प्रतियोगिता का समापन रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में दीपक तथा महिला वर्ग में सिंगरौली जिले के बिजौरा क्षेत्र की प्रतिभाशाली पहलवान कात्यायनी द्विवेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विंध्य केसरी का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। महिला वर्ग में कात्यायनी द्विवेदी ने विंध्य क्षेत्र की कई अनुभवी और मजबूत महिला पहलवानों को मात देकर अपनी दमदार प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने तकनीक, फुर्ती और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में जीत हासिल की। इस उपलब्धि के साथ वह सिंगरौली-देवसर क्षेत्र के लिए महिला वर्ग का विंध्य केसरी खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। कात्यायनी की इस ऐतिहासिक सफलता ने न केवल बिजौरा क्षेत्र बल्कि पूरे सिंगरौली जिले को गौरवान्वित किया है। उनकी जीत के बाद खेल प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। लोगों ने इसे जिले में महिला खेल प्रतिभाओं के लिए एक नई प्रेरणा बताया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि कात्यायनी की यह उपलब्धि ग्रामीण अंचलों की बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। क्षेत्रवासियों ने कात्यायनी द्विवेदी को विंध्य केसरी का खिताब जीतने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का विश्वास है कि वह आने वाले समय में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी सिंगरौली का नाम रोशन करेंगी। वहीं पुरुष वर्ग में विंध्य केसरी का खिताब जीतने वाले दीपक ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। प्रतियोगिता में विंध्य क्षेत्र के विभिन्न जिलों से पहुंचे पहलवानों ने भाग लिया और कुश्ती के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

नशामुक्त समाज निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका अहम, महाआरती में गूंजे जागरण के संदेश

आज की जनधारा

सिंगरौली । सिंगरौली जिले में भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा जून माह के द्वितीय रविवार को गनियारी स्थित इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी विद्यालय परिसर में मासिक महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बैढ़न, बिलौंजी, माड़ा, राजमिलान सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भगवती के विधिवत पूजन-अर्चन एवं सामूहिक महाआरती के साथ हुआ। महाआरती के दौरान पूरा परिसर माँ भगवती के जयघोषों और भक्ति गीतों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने राष्ट्र, समाज एवं समस्त मानवता के सुख, शांति और कल्याण की कामना करते हुए आराधना की। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि पूज्य गुरुदेव द्वारा दिए गए मानव कल्याण, नैतिकता, आध्यात्मिकता और नशामुक्ति के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा तथा समाज जागरण के अभियान को जन-जन तक पहुंचाना होगा। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में नशा समाज और परिवार के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। इसका प्रतिकूल प्रभाव सबसे अधिक महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर पड़ता है। ऐसे में नारी शक्ति को आगे बढ़कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज को नशामुक्त बनाने के अभियान का नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं संकल्पित होकर सामाजिक चेतना का दायित्व संभालें तो एक स्वस्थ, संस्कारित और नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने भी समाज में व्याप्त नशाखोरी, नैतिक पतन और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया। साथ ही पूज्य गुरुदेव के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने और मानव कल्याण, सामाजिक समरसता तथा आध्यात्मिक उत्थान के कार्यों को गति देने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंत में संगठन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज जागरण और मानव कल्याण के इस अभियान की सफलता सभी के सहयोग, समर्पण और सक्रिय सहभागिता पर निर्भर है। सामूहिक प्रयासों से ही एक जागरूक, संस्कारित और नशामुक्त समाज की स्थापना संभव है। महाआरती के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। माँ भगवती के जयकारों, भजनों और मानव कल्याण के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश की सुरक्षा को हर तरह से सशक्त बनाने के लिए अभिनंदन

सीमाओं की सुरक्षा की तरह महत्वपूर्ण है डेटा की सुरक्षा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में सायबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर की होगी स्थापना

आज की जनधारा

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज की सबसे मूल्यवान संपत्ति डेटा है। डिजिटल सुरक्षा समय की मांग है। डेटा की सुरक्षा, राष्ट्र की सीमा की सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में न केवल देश अपितु पूरी दुनिया में सायबर तकनीक और उससे जुड़ी चुनौतियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हर दिन इसके नए आयाम सामने आ रहे हैं। अपराध के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी आधुनिक तकनीक और द्रोण जैसे साधनों के उपयोग से सुरक्षा चुनौतियों का नया स्वरूप देखने को मिला। प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश की सुरक्षा को हर तरह से सशक्त बनाने के लिए अभिनंदन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की विशेषता है कि वह समय से पहले आने वाले वाली चुनौतियों को पहचान लेते हैं और शासन-प्रशासन और जन सामान्य को उसके प्रति जागरूक करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम भी उठाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्देश पर सायबर अपराध, डीप फेक और अन्य चुनौतियों पर केंद्रित कार्यशाला में सायबर सुरक्षा संस्कृति को सशक्त बनाने में सभी मार्ग खोजे जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ₹राज्य डेटा के लिए सायबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने₹ पर सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला का उद्देश्य राज्य शासन के विभिन्न विभागों में सायबर सुरक्षा से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों, उभरते सायबर खतरों, डेटा संरक्षण की आवश्यकताओं और डिजिटल शासन प्रणालियों की सुरक्षा पर व्यापक विचार-विमर्श करना है। सायबर सुरक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा सेंटर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सायबर अपराध और डेटा सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए राज्य में सायबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि महू स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से यह रिसर्च सेंटर स्थापित किया जाएगा। सेंटर केंद्रीय सायबर सुरक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के लिये महत्वपूर्ण आधार बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायबर अटैक की समय पर पहचान और निगरानी में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था से लैस सेंटर की महती भूमिका होगी। यह व्यवस्था केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूवार्नुमान आधारित निरंतर सतर्कता की दिशा में ठोस कदम साबित होगी। डीबीटी की पारदर्शी व्यवस्था से हितग्राहियों तक पहुंचने लगा है शत-प्रतिशत लाभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश बदलते दौर में हर तरह की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। सायबर अपराधियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस ने अच्छा काम करके दिखाया है।

खाद और डीजल संकट पर कांग्रेस का हमला, जीतू पटवारी ने सीएम को लिखा खुला पत्र

- किसान खेत में नहीं, खाद की कतारों में खड़ा है; प्रदेशभर में संकट को लेकर विशेष विधानसभा सत्र बुलाने की मांग

आज की जनधारा

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद और डीजल संकट को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खुला पत्र लिखते हुए सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन शुरू हो चुका है और मानसून की दस्तक होने वाली है, लेकिन मध्य प्रदेश का किसान खेतों में तैयारी करने के बजाय खाद की कतारों में खड़ा होने को मजबूर है। पटवारी ने कहा कि यह समस्या किसी एक जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश में किसान खाद और डीजल की कमी से जूझ रहे हैं। मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, महाकौशल, ग्वालियर-चंबल और नर्मदापुरम-भोपाल संभाग के कई जिलों से खाद की कमी और वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा और रतलाम में किसान डीएपी और यूरिया के लिए भटक रहे हैं। वहीं खरगोन, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर में किसान कपास और सोयाबीन की तैयारी छोड़कर खाद और डीजल की व्यवस्था करने में जुटे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार के पास आयोजनों, विज्ञापनों और आत्मप्रशंसा के लिए समय और संसाधन हैं, लेकिन किसानों की सबसे बुनियादी जरूरतों के लिए कोई ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने दावा किया कि कई जिलों में बिचौलियों और खाद माफिया की भूमिका को लेकर भी शिकायतें सामने आ रही हैं। पटवारी ने सरकार से जिलावार खाद भंडारण, आवंटन और वितरण का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही कहा कि यदि सरकार इन आरोपों को गलत मानती है तो उसे पूरी पारदर्शिता के साथ आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए। कांग्रेस ने प्रदेश में खाद और डीजल संकट को लेकर तत्काल विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने, जिलावार स्टॉक और वितरण की दैनिक रिपोर्ट जारी करने, सभी संभागों में आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा कालाबाजारी के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की है। पटवारी ने कहा कि प्रदेश का किसान मौसम की मार झेल सकता है, लेकिन सरकारी लापरवाही को कभी माफ नहीं करता। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का किसान आज खाद का भी इंतजार कर रहा है और सरकार की जवाबदेही का भी।

बच्चों का विवाह कभी भी रात्रि में नहीं करना चाहिए : देवकीनंदन ठाकुर

रुद्राक्ष किंगस्टन, बावड़िया कला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का तीसरा दिन, उमड़े श्रोता

आज की जनधारा

भोपाल। हमें अपने बच्चों का विवाह कभी भी रात्रि में नहीं करना चाहिए। रात्रि का समय दैत्यों का होता है। रात्रि के समय के विवाह दैत्य प्रणाली से होते हैं और दिन के विवाह देव प्रणाली से होते हैं।' ये उद्गार प्रख्यात कथावाचक व धमार्चार्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने सोमवार को बावड़िया कला के रुद्राक्ष किंगस्टन परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यक्त किए। महाराज जी ने कहा कि कुछ लोग रात्रि में पूजा करने के लिए कहते हैं, जबकि विशेष रात्रियों को छोड़कर कभी भी रात्रि में पूजा नहीं करनी चाहिए। शिवरात्रि और नवरात्रि जैसे कुछ अवसरों पर ही रात्रि में पूजा का विधान है। आजकल भीड़ देखकर रात तक मंदिर खोले जा रहे हैं, जो उचित नहीं है। शालिग्राम डेवलपर्स रुद्राक्ष किंगस्टन के सहयोग से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन महाराज जी ने कपिल-देवहूति संवाद, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र का प्रसंग सुनाया। वामन अवतार के प्रसंग के दौरान वामन भगवान की सुंदर जीवंत झांकी के दर्शन श्रद्धालुओं ने किए। शालिग्राम-तुलसी जी का विधि-विधान से अर्चन-पूजन कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने शालिग्राम-तुलसी जी का विधि-विधान से अर्चन-पूजन संपन्न कराया। कथा के आयोजक व यजमान शालिग्राम डेवलपर्स के सीएमडी देवेंद्र चौकसे ने सपत्नीक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। बाद में परिवार के साथ भागवत जी की आरती में हिस्सा लिया।

महाराज जी राष्ट्र कथा भी कह रहे हैं:

डॉ. महेंद्र सिंह - भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि महाराज जी श्रीमद् भागवत कथा के साथ राष्ट्र कथा भी कह रहे हैं। वह देश के जागरण का भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कथा के आयोजन के लिए देवेंद्र चौकसे परिवार का धन्यवाद ज्ञापन किया। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर के अधिक से अधिक लोगों को कथा सुनने का लाभ लेना चाहिए।

महापौर मालती राय ने महाराज जी से प्राप्त किया आशीर्वाद

तीसरे दिन की कथा में भोपाल की महापौर मालती राय शामिल हुईं। उन्होंने पुराण-वेद के पूजन और आरती में हिस्सा लिया और व्यासपीठ पर विराजमान देवकीनंदन ठाकुर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा में पूर्व कैबिनेट मंत्री पीसी शर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर, भोपाल भाजपा के जिला अध्यक्ष रवींद्र यति भी शामिल हुए।

डबरा में बने नवग्रह मंदिर की भव्यता को सराहा - प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा की उपस्थिति में देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने डबरा में उनकी ओर से बनाए गए नवग्रह मंदिर की भव्यता की सराहना की।

भोपाल से पटना व बनारस के लिए जल्द विमान सेवा शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा – आलोक शर्मा

आज की जनधारा

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को राजाभोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित यात्री सुविधा दिवस कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल से देश के विभिन्न शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भोपाल से पटना और वाराणसी (बनारस) के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू कराने के लिए शीघ्र प्रयास किए जाएंगे, ताकि यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान सांसद शर्मा ने एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए शुरू की गई विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने ष्सहज काउंटरष का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस काउंटर से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं तथा पहली बार यात्रा करने वालों को डिपार्चर तक निःशुल्क सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम को महापौर मालती राय ने भी संबोधित किया। सांसद श्री आलोक शर्मा ने जनसुविधा केंद्र, वाटर कूलर का शुभारंभ कर कहा कि शीतल पेय और जनसुविधा केंद्र जैसी व्यवस्थाओं से भी यात्रियों को लाभ मिलेगा। यात्री सुविधा दिवस के अवसर पर सांसद शर्मा ने विमानन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया। इसमें एयरपोर्ट प्रबंधन, एयरलाइंस तथा विमानन सेवाओं से जुड़ी महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को उनके बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्ष 2014 में देश में लगभग 74 हवाई अड्डे संचालित थे, जबकि आज यह संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो गई है। केंद्र सरकार की नीतियों के कारण हवाई यात्रा आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनी है। उन्होंने कहा कि राजाभोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी लगातार विकसित हो रहा है। यहां नए टर्मिनल और यात्री सुविधाओं का विस्तार किया गया है, रनवे का उन्नयन हुआ है तथा एयरपोर्ट अब 24 घंटे संचालित हो रहा है। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर नई व्यवस्थाएं जोड़ी जा रही हैं। सांसद शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से भोपाल एयरपोर्ट को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है, जिससे प्रदेश की राजधानी की हवाई कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। कार्यक्रम में एयरपोर्ट प्रबंधन, एयरलाइंस प्रतिनिधियों, विमानन क्षेत्र के कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में यात्रियों ने भाग लिया।

महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस कमिश्नर ने किया जनसंवाद

- शाहजहांनाबाद के बजरिया चौराहे पर नागरिकों से संवाद, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील

आज की जनधारा

भोपाल। महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति और यातायात व्यवस्था को लेकर भोपाल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सोमवार को थाना शाहजहांनाबाद क्षेत्र के पानी की टंकी, बजरिया चौराहे पर नागरिकों के साथ जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से सीधे संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता को मजबूत बनाने पर जोर दिया। जनसंवाद में शामिल लोगों ने पुलिस व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया और किसी प्रकार की विशेष शिकायत सामने नहीं आई। पुलिस कमिश्नर ने उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई तथा साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध या अवैधानिक गतिविधि की जानकारी तत्काल डायल-112 पर दें। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों से संबंधित जानकारी मोबाइल नंबर 7587648330 पर पुलिस को उपलब्ध कराने की अपील की गई। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

लाखों श्रद्धालुओं ने मां शिप्रा में डुबकी लगाकर सोमवती अमावस्या पर पुण्य लाभ लिया

- सिंहस्थ 2028 की पूर्व तैयारियों के दृष्टिगत सोमवती अमावस्या पर प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई

आज की जनधारा

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की पूर्व तैयारियों के दृष्टिगत सोमवती अमावस्या पर व्यापक व्यवस्थाएं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गईं। प्रशासन ने इस अवसर को सिंहस्थ की व्यवस्थाओं के परीक्षण एवं सुदृढ़ीकरण के रूप में लेते हुए यातायात, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था तथा घाटों पर आवश्यक सुविधाओं के समुचित प्रबंध किए। जिले में सोमवती अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने मां शिप्रा में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। सोमवार को कलेक्टर सिंह के निर्देश पर एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का सोम कुंड, राम घाट और दत्त अखाड़ा घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम गुर्जर ने श्रद्धालुओं से चर्चा कर उनके स्नान अनुभव और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पवन बारिया, एसडीएम एल एन गर्ग आदि उपस्थित रहे।

गृह विभाग का आदेश

5 आईपीएस अधिकारियों को सौंपी गई अतिरिक्त जिम्मेदारी

आज की जनधारा

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग ने पांच भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को उनके वर्तमान पदों के साथ अतिरिक्त प्रभार सौंपने के आदेश जारी किए हैं। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। जारी आदेश के अनुसार उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) ग्वालियर रेंज अमित यादव को विशेष सशस्त्र बल (वि.स.बल) ग्वालियर के डीआईजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा भिंड के पुलिस अधीक्षक सरज कुमार वर्मा को 17वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, भिंड के सेनानी, सागर के पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया को 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, सागर के सेनानी, मंडला के पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी को 35वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, मंडला के सेनानी तथा दतिया के पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल को 29वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, दतिया के सेनानी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी अधिकारी अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करेंगे। यह आदेश मध्य प्रदेश शासन की ओर से राज्यपाल के नाम से जारी किया गया है।

खरगोन के विद्यार्थियों ने मलेशिया में रचा इतिहास

- अंतरराष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, जीती कई चैंपियनशिप ट्रॉफियां
- कलेक्टर ने प्रतिभागियों को दी बधाई, उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

आज की जनधारा

खरगोन। जिले के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि जिले के 8 होनहार विद्यार्थियों ने मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश और जिले का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर विभिन्न श्रेणियों में चैंपियनशिप एवं प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। प्रतियोगिता में युवान परसाई, श्रीजी महाजन, ईश्वी महाजन एवं सौम्य राठौड़ ने चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब प्राप्त किया। वहीं रुद्र राठौर, बुरानुद्दीन बोहरा, अनिकेत पोरवाल एवं वंशिका कोठारी ने प्रथम स्थान हासिल कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विश्व के 23 देशों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिसमें खरगोन के बच्चों ने अपनी मेधा का प्रभावी प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों से भेंट कर उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

15 से 21 जून तक चलेगा विशेष योग अभियान

सब जेलों में योग सप्ताह अभियान का शुभारंभ

सूर्य नमस्कार के साथ शुरू हुआ स्वस्थ जीवन का संदेश

आज की जनधारा

खरगोन। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार प्रदेश की समस्त केंद्रीय जेल, जिला जेल एवं सब जेलों में बंदियों के स्वस्थ जीवन के लिए एक सप्ताह के विशेष योग अभियान का शुभारंभ 15 जून को किया गया। अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ केंद्रीय जेल जबलपुर से ऑनलाइन किया गया, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश की सभी जेलों में दिखाया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर श्री अखिलेश जोशी के मार्गदर्शन में जिला जेल खरगोन एवं सब जेल मंडलेश्वर, बड़वाह, कसरावद और महेश्वर में सुबह 7:30 बजे लाइव प्रसारण के माध्यम से बंदियों को योग कराया गया। जिला जेल खरगोन में आयोजित कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश श्री राजकुमार यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। सब जेल बड़वाह में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं वरिष्ठ खंड न्यायाधीश श्रीमती प्रीति जैन ने योग सप्ताह अभियान में सहभागिता कर बताया कि यह अभियान 15 जून से 21 जून तक निरंतर संचालित रहेगा, जिसका उद्देश्य बंदियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है। मंडलेश्वर सब जेल में दो एलईडी स्क्रीन बैरक के बाहर मैदान में लगाई गईं, जहाँ 68 बंदियों ने लाइव प्रसारण देखते हुए सूर्य नमस्कार एवं अन्य योगासनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चन्द्रेश मंडलोई, सहायक जेल अधीक्षक श्रीमती श्वेता मीणा, पीएलवी श्री दुर्गेश राजदीप सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सब जेल कसरावद में पीएलवी श्री देवदत्त एक्कल तथा सब जेल महेश्वर में पीएलवी श्रीमती पूजा भावरे की उपस्थिति में योग अभ्यास सम्पन्न हुआ। योग सप्ताह अभियान के माध्यम से बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
UG COURSE
B.A., BCA, BBA
BPES, BSC,
B.Com (Economics/ Computer/Hon'S 4 Years)
PG COURSE
M.A: HINDI, ENGLISH, ECONOMICS
POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY & SOCIAL WORK
M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT
B.Lib: (Librarian Science)
B.Ed.: BACHELOR OF EDUCATION
(ONLINE COUNSELLING)
DIPLOMA COURSE
PG DCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION
D.EL.ED: DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION
Mob. 9827208070, 9425346230
9893194695, 9981291288
पता: डी–1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

तिरछी नज़र से

UPI: पैसा गया, पर 'डिजिटल' रहे - यही काफी है न?

प्रभातदत्त झा

सुधी पाठकों, हम एक महान युग में जी रहे हैं। वह युग जब जेब में पैसा न हो तो भी आप 'Digital India' के नागरिक हैं। पहले गरीब वह होता था जिसके पास पैसे नहीं होते। अब गरीब वह है जिसके पास QR Code नहीं है। हमने तरक्की की है। UPI आने के बाद से देश में एक नई समस्या पैदा हुई है- अब यह नहीं पता चलता कि पैसे गए कब। पहले नोट निकालते थे तो दर्द होता था- 'हाय, सौ का नोट गया।' अब UPI करते हैं - उँगली हिली, पाँच सौ गए, पता ही नहीं चला। Painless Surgery है-पर Painless Poverty भी।

हमारे पड़ोसी मिठाईलाल जी डिजिटल क्रांति के परम भक्त हैं। बोले, 'भाई साहब, मैं तो अब कैश छूता ही नहीं।' मैंने पूछा, 'क्यों?' बोले, 'क्योंकि कैश है ही नहीं।' यह Digital Minimalism का नया स्वरूप है। मिठाईलाल जी ने अपनी पत्नी को भी UPI सिखाया। पहले दिन पत्नी ने बाज़ार से सब्ज़ी का हिसाब दिया-'दो सौ की सब्ज़ी, पाँच रुपये Convenience Fee, और एक बार गलत QR scan हुआ तो पचास रुपये अलग।' मिठाईलाल जी बोले, 'यह तो कैश से भी महँगा पड़ा।' पत्नी ने कहा, 'पर Receipt मिली- Digital है।' मिठाईलाल जी चुप हो गए। Digital Receipt का वज़न तर्क से भारी होता है।

UPI फ्रॉड की बात करें तो आँकड़े रोमाँचक हैं-2024 में साइबर ठगी के 15 लाख से अधिक मामले। ठगों ने भी Digital India को दिल से अपनाया है। वे भी Work From Home करते हैं, कोई ड्रेस कोड नहीं, कोई Office नहीं – बस एक मोबाइल और आपकी 'ज़रा-सी असावधानी।' एक ठग ने फोन किया- 'सर, आपका KYC E&pire हो गया, अभी Update करें।' हमारे मित्र ने पूछा, 'कब?' ठग बोला, 'अभी-वरना Account Block।' मित्र ने OTP दे दिया। Account Block तो नहीं हुआ -पर Balance ज़रूर Block हो गया- ठग के खाते में।

सबसे मज़ेदार है 'Cashback' App कहता है -'इस दुकान पर Pay करो, 2% Cashback पाओ।' आप खुश होकर पाँच हज़ार खर्च करते हैं। सौ रुपये Cashback आता है-Coins में, जो सिर्फउसी App पर चलते हैं, जिसकी Validity तीन महीने है, और जिसे आप भूल जाते हैं। यह ऐसा ही है जैसे कोई कहे-'आपको एक मुफ्त साँस मिलेगी- अगले मंगलवार, हमारी App पर।'

बैंक ने नई सुविधा दी है-'Spend Analysis'। अब App बताता है कि आपने कहाँ-कहाँ पैसे उड़ाए। महीने के अंत में Graph आता है-Food: 40%, Entertainment: 25%, Shopping: 30%, Savings: 5%। यह Graph देखकर आप सोचते हैं - 'इतना खर्च कब हुआ?' App मुस्कुराता है। उसे पता है -जब पैसे दिखते नहीं, तो दर्द भी नहीं होता। और जब दर्द नहीं होता- तो खर्च रुकता भी नहीं।

निष्कर्ष-UPI ने सचमुच देश बदल दिया-लेन-देन आसान, जीवन सरल। पर एक सवाल मन में टीसता रहता है-जब हर पैसे का हिसाब App के पास है, बैंक के पास है, सरकार के पास है-तो क्या आने वाली पीढ़ी यह भी भूल जाएगी कि पैसे की 'खनक' कैसी होती थी? और जब खनक भूल जाए-तो उसकी कीमत कौन याद रखेगा?

पैसा बोलता है-पर किसकी भाषा में?

शेयर बाजार, क्रिप्टो और स्टार्टअप की असली कहानी

राजेश शर्मा

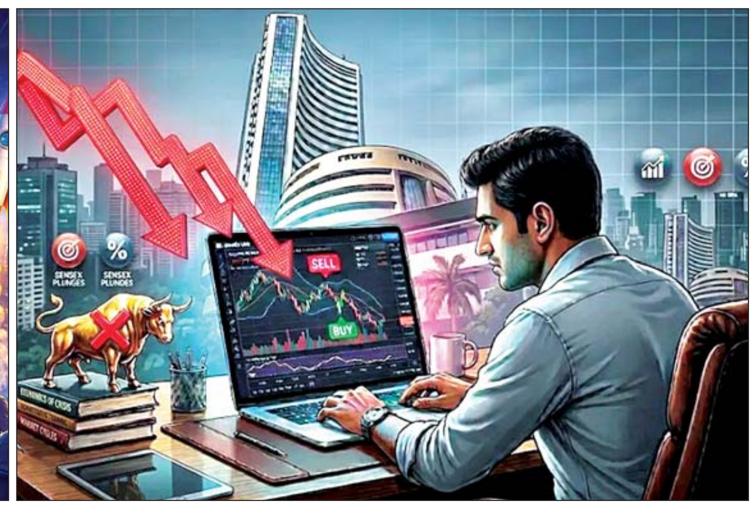

एक 26 वर्षीय युवक-पढ़ा-लिखा, नौकरीपेशा - YouTube पर 'Stock Market Tips' देखकर अपनी पाँच महीने की बचत लगाता है। तीन हफ्ते में आधी पूँजी स्वाहा। उधर एक गृहिणी WhatsApp पर आए 'Crypto Doubling Scheme' के लालच में फँसकर जेवर बेचती है। और एक स्टार्टअप संस्थापक-जिसके पास लाजवाब आइडिया है-फंडिंग के इंतजार में महीनों भटकता है। यही है आज के भारत के वित्तीय परिदृश्य की त्रासदी- अवसर भरपूर, जानकारी अधूरी, और जोखिम असीमित।

शेयर बाजार-उत्साह और भ्रम का महासमुद्र

भारतीय शेयर बाजार ने 2024-25 में ऐतिहासिक ऊँचाइयाँ छुईं- Sensex 85,000 और Nifty 26,000 के पार गया। SEBI के आँकड़े बताते हैं कि देश में Demat खातों की संख्या 15 करोड़ को पार कर गई – जिनमें से 40 प्रतिशत खाते पिछले तीन साल में खुले हैं। यानी करोड़ों नए और अनुभवहीन निवेशक बाजार में उतरे हैं।

इनमें सर्वाधिक संख्या 18 से 35 वर्ष के युवाओं की है जो Zerodha, Groww और Upstox जैसे ऐप्स से पहली बार निवेशक बने। Futures & Options (F&O) ट्रेडिंग में विस्फोटक वृद्धि हुई – पर SEBI की रिपोर्ट चौंकाती है: स्न×ह्व ट्रेड करने वाले 93 प्रतिशत व्यक्तिगत निवेशकों को नुकसान होता है। 2022-24 के दो वर्षों में इन निवेशकों ने मिलाकर 1.8 लाख करोड़ रुपये गँवाए।

''बाजार ऊपर जाए तो खबर होती है - नीचे आए तो सिर्फ आम निवेशक का दर्द होता है, खबर नहीं।''

क्रिप्टो करेंसी-डिजिटल सपना या डिजिटल जाल?

Bitcoin ने 2024 में 1 लाख डॉलर का ऐतिहासिक स्तर छुआ। Ethereum, Solana और अन्य Alt-Coins ने भी जबरदस्त रिटर्न दिए। भारत में क्रिप्टो निवेशकों की संख्या 10 करोड़ के पार बताई जाती है – जो अमेरिका से भी अधिक है।

लेकिन भारत में क्रिप्टो पर 30 प्रतिशत टैक्स और 1 प्रतिशत TDS ने इस बाजार को हतोत्साहित किया है। हजारों करोड़ का व्यापार विदेशी एक्सचेंजों पर शिफ्ट हो गया। इससे भी बड़ी समस्या है – Crypto Fraud। गृहिणियाँ और बुजुर्ग इसके सबसे आसान शिकार हैं। ED और CBI ने 2024 में 50,000 करोड़ से अधिक के क्रिप्टो फ्रॉड मामले दर्ज किए।

भारत सरकार अभी भी क्रिप्टो के लिए स्पष्ट नियामक ढाँचा तय नहीं कर पाई है। RBI और SEBI दोनों के बीच अधिकार क्षेत्र का विवाद जारी है। जब तक नीति स्पष्ट नहीं होगी, तब तक आम निवेशक अंधेरे में ही चलेगा।

स्टार्टअप-'Unicorn' की दौड़ में 'Survival' की लड़ाई

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है-1.4 लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और 115 से अधिक Unicorn (1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यांकन)। DPIIT और Startup India जैसी योजनाओं ने माहौल बनाया है।

लेकिन 2023-24 में 'Funding Winter' ने हकीकत उजागर की। कुल Venture Capital निवेश 2021 के 42 बिलियन डॉलर से घटकर 2023 में मात्र 8.5 बिलियन डॉलर रह गया। Byju's का पतन, Ola Electric की चुनौतियाँ, Paytm की नियामकीय परेशानियाँ – ये सब बताते हैं कि Valuation और Viability में फर्क होता है।

Tier-2 और Tier-3 शहरों के स्टार्टअप-जैसे बिलासपुर, रायपुर, जबलपुर जैसे शहरों के उद्यमी- अभी भी Mentor Network, Angel Investment और Incubator तक पहुँचने में कठिनाई महसूस करते हैं। असली स्टार्टअप क्रांति तब होगी जब यह महानगरों की सीमा से बाहर निकलेगी।

आम निवेशक के लिए सुरक्षित राह

SEBI ने 2024 में Investor Education के लिए कई नए कदम उठाए हैं-SIP (Systematic Investment Plan) की सरलीकृत प्रक्रिया, म्यूचुअल फंड में डायरेक्ट प्लान, और Index Fund को बढ़ावा। SIP के माध्यम से मासिक निवेश अब 23,000 करोड़ रुपये प्रतिमाह के पार पहुँच गया है- यह एक स्वस्थ संकेत है।

वित्तीय साक्षरता आज की सबसे बड़ी जरूरत है। गृहिणियाँ यदि Recurring Deposit, PPF और SIP को समझ लें तो वे परिवार की वित्तीय रक्षक बन सकती हैं। युवा यदि F&O की जगह Inde& Fund में निवेश करें तो दीर्घकालिक सम्पदा बन सकती है।

सोचिए- जब शेयर बाजार में सट्टेबाजी को 'निवेश' कहा जाए, क्रिप्टो की चमक में बचत डूबे, और स्टार्टअप की परिभाषा सिर्फ महानगरों तक सिमटी हो-तो वित्तीय स्वतंत्रता किसकी? पैसे की भाषा समझना आज की सबसे जरूरी शिक्षा है-और जब तक यह शिक्षा हर घर, हर गाँव, हर गृहिणी और हर युवा तक नहीं पहुँचती, 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना आधा-अधूरा ही रहेगा।

जीवन बीमा निगम,बिलासपुर, छत्तीसगढ़
(कामरेड राजेश शर्मा सामाजिक-आर्थिक जीवन और गतिविधियों की गहरी समझ रखते हैं और आम जनता और मध्यम वर्ग पर विभिन्न मुद्दों के प्रभावों का बारीकी से वास्तविक आकलन करते हैं)

सुख, स्वास्थ्य और शिक्षा

इन्द्रसेन अग्रवाल

मनुष्य आदिकाल से ही सुख की खोज में लगा हुआ है। किसी ने धन-संपत्ति में सुख तलाशा, किसी ने सत्ता और वैभव में, तो किसी ने ईश्वर की उपासना और आत्मिक साधना में। हमारे मनीषियों ने भी जीवन के सात प्रमुख सुख बताए हैं, जिनमें सबसे पहला सुख है– ÷निरोगी काया।÷ यह कोई संयोग नहीं है। वस्तुतः स्वास्थ्य ही वह आधार है, जिस पर जीवन के अन्य सभी सुख टिके होते हैं। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है, तो धन, पद, प्रतिष्ठा और सुविधाएँ भी उसे आनंद नहीं दे सकतीं।

स्वस्थ रहने की मानव की खोज उतनी ही पुरानी है जितनी उसकी सभ्यता। प्राचीन काल में रोग अपेक्षाकृत कम थे और उनके उपचार भी प्रकृति के निकट उपलब्ध थे। गाँवों में वैद्य और हकीम सेवा-भाव से चिकित्सा करते थे। चिकित्सा व्यवसाय नहीं, लोककल्याण का माध्यम थी। किंतु जैसे-जैसे मनुष्य प्रकृति से दूर और कृत्रिम जीवनशैली के निकट आता गया, वैसे-वैसे रोगों की संख्या और जटिलता दोनों बढ़ती गईं। मिट्टी के घरों की जगह कंक्रीट ने, प्राकृतिक जल की जगह शुद्धिकरण यंत्रों ने और खुली हवा की जगह वातानुकूलित कमरों ने ले ली। इसका प्रभाव केवल जीवनशैली पर नहीं, स्वास्थ्य पर भी पड़ा।

बढ़ती बीमारियों के साथ चिकित्सा का स्वरूप भी बदल गया। चिकित्सा शिक्षा महँगी हुई, विशेषज्ञता बढ़ी और धीरे-धीरे सेवा का स्थान व्यवसाय ने ले लिया। आज अनेक चिकित्सक उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, किंतु चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त व्यवसायीकरण ने गंभीर प्रश्न भी खड़े किए हैं। कई बार अनावश्यक परीक्षण, महँगे उपचार और आर्थिक लाभ की प्रवृत्ति मरीजों तथा उनके परिजनों को मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक संकट में डाल देती है। जब स्वास्थ्य सेवा का केंद्र रोगी के स्थान पर लाभ कमाना बन जाए, तब समाज का विश्वास डगमगाने लगता है।

सुख की राह में दूसरा महत्वपूर्ण आधार है– शिक्षा। हमारे शास्त्रों ने विद्या को सर्वोच्च धन माना है -

''न चौरहार्यं न च राजहार्यं,
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी।
व्यये कृते वर्धते एव नित्यं,
विद्याधनं सर्वधनप्रधान॥''

प्राचीन भारत में शिक्षा को धर्म और समाज सेवा का कार्य माना जाता था। गुरुकुलों में राजा और निर्धन, दोनों के पुत्र समान रूप से शिक्षा प्राप्त करते थे। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, चरित्र निर्माण और समाज निर्माण था। गुरु और शिष्य के बीच विश्वास, अनुशासन और समर्पण का संबंध होता था।

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप भी बदला। बढ़ती जनसंख्या, प्रतिस्पर्धा और रोजगार की अनिश्चितता ने शिक्षा को बाजार से जोड़ दिया। आज शिक्षा ज्ञान प्राप्ति का साधन कम और आर्थिक सफलता का माध्यम अधिक बनती जा रही है। छोटे-छोटे बच्चों पर भारी बस्तों का बोझ, अत्यधिक फीस, कोचिंग संस्कृति और अंकों की अंधी दौड़ ने बचपन की सहजता को प्रभावित किया है। अभिभावक अपनी आय का बड़ा हिस्सा शिक्षा पर खर्च करने को विवश हैं। कई परिवार इसके लिए आर्थिक और मानसिक दबाव झेलते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में बढ़ते व्यावसायीकरण का एक व्यापक सामाजिक प्रभाव भी दिखाई देता है। जब शिक्षा निवेश बन जाती है और चिकित्सा लाभ का साधन, तब नैतिक मूल्यों का क्षरण आरंभ होता है। व्यक्ति का ध्यान सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व से हटकर केवल आर्थिक लाभ पर केंद्रित हो जाता है। इसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज और राष्ट्र की नैतिक संरचना को भी प्रभावित करता है।

ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की स्थिति और भी चिंताजनक है। अनेक स्थानों पर विद्यालयों में शिक्षकों की कमी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता के कारण आम नागरिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उपचार से वंचित रह जाते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ निजी संस्थानों को विस्तार का अवसर देती हैं, किंतु साथ ही लागत और शुल्क में असंतुलन भी पैदा करती हैं।

वास्तव में स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जिनका आधार परोपकार, सेवा और मानवीय संवेदना होना चाहिए। समाज ने सदैव गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान सम्मान दिया है तथा चिकित्सक को जीवनदाता माना है। यदि इन दोनों क्षेत्रों में विश्वास कमजोर होता है, तो उसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

अतः समय की मांग है कि सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और संतुलन सुनिश्चित करे। निजी विद्यालयों की फीस तथा अन्य शुल्कों की नियमित समीक्षा हो, वहीं चिकित्सा संस्थानों में उपचार और जांच की प्रक्रियाओं का भी समय-समय पर परीक्षण किया जाए। सेवा और व्यवसाय के बीच आवश्यक संतुलन स्थापित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

स्वास्थ्य और शिक्षा केवल सुविधाएँ नहीं, बल्कि सभ्य समाज की आधारशिला हैं। यदि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा, संवेदना और नैतिकता को पुनः प्रतिष्ठित किया जा सके, तभी 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का आदर्श वास्तविकता के निकट पहुँच सकेगा। सुखी समाज का मार्ग न केवल धन और विकास से, बल्कि स्वस्थ शरीर, सुशिक्षित मन और सुदृढ़ नैतिक मूल्यों से होकर जाता है।

सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर,
नेहरूनगर बिलासपुर

कोचिंग संस्कृति का मनोविज्ञान: दबाव, उम्मीद और 'एसथेटिक' सपनों का गहरा खेल

बिलासपुर-जांजगीर-चांपा की गलियों से लेकर रायपुर तक, चंडीगढ़ से त्रिवेन्द्रम तक और जयपुर से गौहाटी तक कोटा से पुणे तकज्आजकल हर घर में 10वीं-12वीं के बच्चे कोचिंग संस्कृति के चक्रव्यूह में फंसे नजर आते हैं। यह संस्कृति अब सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि पूरे परिवार के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य का सबसे बड़ा 'गेम चेंजर' बन चुकी है।

संजय कुमार मिश्रा

कोचिंग संस्कृति का मनोविज्ञान गहरा, जटिल और दोधारी तलवार है। एक तरफ यह महत्वाकांक्षा जगाती है, दूसरी तरफ चिंता, डिप्रेशन और 'फेलियर फियर' का बीज बोती है। आइए, विभिन्न संदर्भों के साथ, इसकी गहराई में उतरते हैं।

'पेरेंटल एंग्जायटी' और ''प्रॉक्सी अचीवमेंट'' की साइकोलॉजी : माता-पिता के मन में सबसे बड़ा डर 'हमारा बच्चा पीछे न रह जाए'। यह 'प्रॉक्सी अचीवमेंट' कहलाता है। मनोवैज्ञानिक रूप से, पेरेंट्स अपनी अधूरी महत्वाकांक्षाएं बच्चों पर प्रोजेक्ट कर देते हैं। बिलासपुर के मोहल्लों में देखिए-पिता जो खुद सरकारी नौकरी में फंस गए, बेटी को डॉक्टर-इंजीनियर बनाने के सपने देखते हैं। कोचिंग जॉइन करते ही परिवार में 'सामूहिक तनाव' शुरू। सुबह का अलार्म युद्ध, रात का जोमैटो ऑर्डर, फीस की EMI सब कुछ 'बच्चे के भविष्य' के नाम पर। लेकिन मनोविज्ञान कहता है- यह ओवर-इन्वॉल्वमेंट बच्चे में 'लर्नेड हेल्पलेसनेस' पैदा कर सकता है। बच्चा सोचने लगता है 'मेरा जीवन मम्मी-पापा के कंट्रोल में है'। परिणाम? किशोरावस्था में विद्रोह या चुपके से डिप्रेशन।

बच्चों में 'परफेक्शनिज्म' और 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) : नई जनरेशन को 'एसथेटिक' दुनिया आकर्षित करती है। इंस्टाग्राम पर टॉपर्स की चमकदार फोटो, कोचिंग के मोटिवेशनल रील्स। बच्चा सोचता है 'अगर मैं 95% नहीं लाया तो मैं फेल'। मनोवैज्ञानिक रूप से यह 'सोशल कंपेरिजन थ्योरी' है। कोचिंग टेस्ट सीरीज हर रविवार बच्चे को स्कोर के आधार पर रैंक देती है, जो आत्म-सम्मान को स्कोर से जोड़ देती है। परिणाम-हाई अचीवर्स में भी बर्नआउट, लो स्कोरर्स में चिंता। बिलासपुर-रायपुर कोटा के काउंसलर्स बताते हैं कि बोर्ड परीक्षा से पहले उनकी क्लिनिक में 12वीं के छात्रों की संख्या दोगुनी हो जाती है।

कोचिंग वाले का 'मोटिवेटर' रोल और कमर्शियल साइकोलॉजी : कोचिंग संस्थान अब सिर्फ टीचिंग नहीं, 'होप सेलिंग' का बिजनेस कर रहे हैं। मोटिवेशनल लेक्चर, 'आईआईटी टॉपर' की स्टोरी, दीवार पर सक्सेस चार्ट-सब कुछ 'ग्रोथ माइंडसेट' का पर्दा है, असल में 'फियर माइंडसेट' बेचा जा रहा है। मनोवैज्ञानिक रूप से, बार-बार 'तुम्हें मेहनत करनी होगी' कहकर वे 'स्कैपगोट' तैयार करते हैं-अगर रिजल्ट खराब तो बच्चे की मेहनत कम, अगर अच्छा तो कोचिंग का कमाल। यह 'कॉग्निटिव डिसोनेंस' पैदा करता है। बच्चा खुद को दोषी मानने लगता है।

नई जनरेशन का 'एसथेटिक रिबेलियन' : आज के बच्चे सिर्फ पढ़ाई नहीं, बैलेंस चाहते हैं। एसथेटिक स्लीप, फेस वॉश, जोमैटो-ये उनके 'सेल्फकेयर' के रूप हैं। कोचिंग उन्हें रट्टू बनाने की कोशिश करती है, वे 'होलिस्टिक डेवलपमेंट' की मांग करते हैं। यह 'जनरेशनल गैप' है, जो मनोवैज्ञानिक तनाव बढ़ाता है।

अंतिम रूप से इसमें संतुलन की जरूरत : कोचिंग संस्कृति का मनोविज्ञान हमें बताता है कि महत्वाकांक्षा अच्छी है, लेकिन 'अंधी दौड़' खतरनाक। छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में जहां संसाधन सीमित, कोचिंग ने अवसर दिए, पर मेंटल हेल्थ की कीमत पर।

समाधान:

- स्कूलों को मजबूत करें। • कोचिंग में काउंसलिंग अनिवार्य।
- पेरेंट्स 'प्रेशर' कम करें, 'सपोर्ट' बढ़ाएं। • बच्चे को स्किल्स + खुशी दोनों दें।

भाई, पापड़ बेलना जरूरी है, लेकिन कमर टूटने तक नहीं। कोचिंग अच्छी सहायक है, मालिक नहीं। हमारे बच्चे की 85% सफलता हमें सिखाती है - अंक महत्वपूर्ण, लेकिन मानसिक शांति और परिवार का प्यार सबसे बड़ा 'सम्मान' है।

रुपये की उड़ान, घर की थकान - डिजिटल अर्थव्यवस्था में खोते आम लोग

सुबह छह बजे रमा देवी उठती हैं। चाय के लिए दूध महँगा है, सब्जी का भाव कल से दस रुपये बढ़ा है और गैस सिलेंडर फिर से बुकिंग के इंतजार में है। उनके पति सरकारी नौकरी में हैं, तनख्वाह आती है -पर महीने के अंत तक खाता खाली हो जाता है। टेलीविजन पर बड़े-बड़े अर्थशास्त्री बता रहे हैं कि भारत की विकास दर दुनिया में सबसे तेज है। रमा देवी चाय की चुस्की लेती हैं और सोचती हैं-'यह विकास हमारे घर कब पहुँचेगा?'

गृहिणी-अर्थव्यवस्था कीअनदेखी मुख्य धुरी

भारत में 19 करोड़ से अधिक गृहिणियाँ हैं जो बिना वेतन के देश की 'Care Economy' चलाती हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अनुसार यदि घरेलू कार्य को आर्थिक मूल्य दिया जाए तो यह भारत की GDP में 15 से 17 प्रतिशत तक का योगदान होगा। पर यह कहीं नहीं गिना जाता। खाद्य मुद्रास्फीति की मार सबसे पहले गृहिणी झेलती है। 2024-25 में दालों की कीमत 30 प्रतिशत, खाद्य तेल 22 प्रतिशत और टमाटर-प्याज 40-60 प्रतिशत तक महँगे हुए। गृहिणी वही जादूगर है जो घटते बजट में बढ़ते परिवार का पेट भरती है-बिना किसी सरकारी मान्यता के। PM उज्ज्वला योजना और जन धन खाते अच्छी पहल हैं, पर डिजिटल साक्षरता के अभाव में लाखों गृहिणियाँ अब भी इनका पूरा लाभ नहीं उठा पातीं। *''रसोई में रोज बजट बनता है और रोज टूटता है-यही है असली अर्थशास्त्र जो किताबों में नहीं मिलता।''*

युवा पीढ़ी-सबसे बड़ा Asset या सबसे बड़ी चुनौती?

भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है-65 करोड़ से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह 'Demographic Dividend' है-पर इसे भुनाने के लिए हर साल 2 करोड़ नए रोजगार चाहिए। वास्तविकता यह है कि हम मुश्किल से 70-80 लाख रोजगार सृजित कर पाते हैं। AI और ऑटोमेशन ने स्थिति और जटिल कर दी है। Nasscom की रिपोर्ट के अनुसार IT क्षेत्र में जूनियर-स्तर की 40 प्रतिशत भर्तियाँ अगले तीन वर्षों में AI द्वारा प्रतिस्थापित हो सकती हैं। BPO, डेटा एंट्री, बेसिक कोडिंग-जिन नौकरियों को पाने के लिए लाखों युवाओं ने इंजीनियरिंग की-वे तेजी से खत्म हो रही हैं। दूसरी ओर Gig Economy का विस्तार हो रहा है। Swiggy, Zomato, Ola, Uber – इन प्लेटफॉर्म्स पर 80 लाख से अधिक गिग वर्कर हैं। इन्हें न EPF मिलता है, न ESI, न नौकरी की सुरक्षा। 'आजाद रोजगार' के नाम पर यह असल में अनिश्चितता की जंजीर है।

मध्यम वर्ग-निचोड़ी जाती जीवनशैली

भारत का मध्यम वर्ग वह वर्ग है जो सरकारी सब्सिडी के लिए 'बहुत अमीर' और निजी सुविधाओं के लिए 'बहुत गरीब' है। Pew Research के अनुसार भारत में लगभग 9.9 करोड़ लोग 'Upper Middle Class' में हैं, जबकि कोविड के बाद 3.2 करोड़ लोग मध्यम वर्ग से नीचे खिसक गए।

स्वास्थ्य खर्च, बच्चों की शिक्षा और गृह ऋण – यह तिकड़ी मध्यमवर्गीय परिवार को दोनों तरफ से दबाती है। NSSO के ताजा आँकड़े बताते हैं कि भारत में Out-of-Pocket स्वास्थ्य व्यय एशिया में सर्वाधिक है-परिवार की आय का 17 प्रतिशत तक। एक बीमारी पूरे परिवार को वित्तीय संकट में डाल देती है।

सोचिए-जब गृहिणी का श्रम अदृश्य हो, युवा की प्रतिभा बेरोजगार हो और मध्यम वर्ग का सपना EMI में कैद हो – तो 'विकसित भारत 2047' किसके लिए है? अर्थव्यवस्था तब तक अधूरी है जब तक उसकी धड़कन हर घर की रसोई तक न पहुँचे, हर युवा की आँखों में उम्मीद न जगाए और हर गृहिणी के परिश्रम को सम्मान न मिले।

-प्रभात दत्त झा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

नेतन्याहू के मंत्री बोले- लेबनान से पीछे नहीं हटेंगे, हम अमेरिका के गुलाम नहीं

इजराइल का यूएस-ईरान शांति समझौते को मानने से इनकार

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। इजराइल ने अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी कहा है कि, उनकी सेना दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगी। लेबनान, सीरिया और गाजा में बनाए गए सिक्योरिटी जोन में इजराइली सेना अनिश्चितकाल तक तैनात रहेगी।

वहीं, इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने पीस डील पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हम अमेरिका के गुलाम नहीं है। इजराइल एक आजाद देश हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह समझौता इजराइल पर लागू नहीं होता। इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बताया कि अमेरिका-ईरान 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल बैठक होगी।

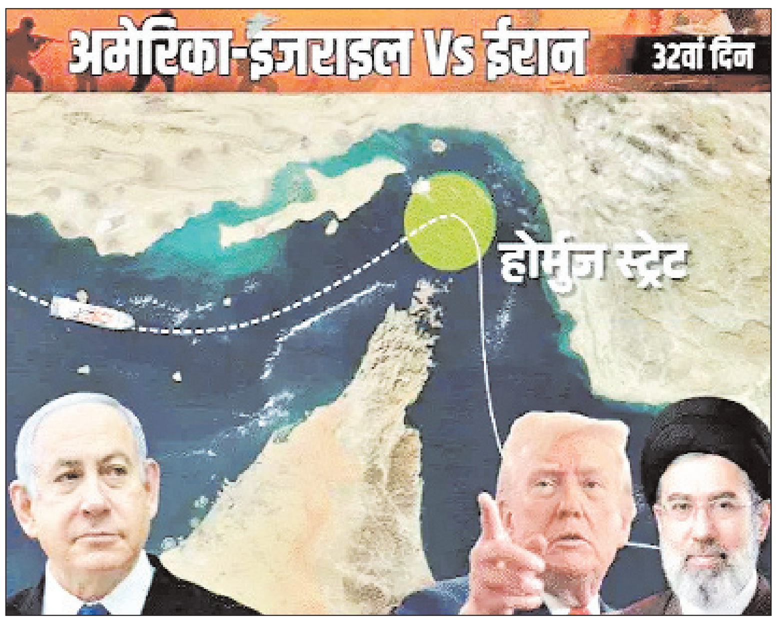

ईरान ने दस्तखत करने से पहले 3 शर्तें रखीं: ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते का पूरा दस्तावेज अभी जारी नहीं किया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद शुरू होने वाली 60 दिन की अमेरिका-ईरान की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका पहले अपने तीन वादे पूरे करता है या नहीं। गरीबाबादी के मुताबिक अमेरिका को तीन कदम उठाने होंगे- 1। नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना, 2. युद्ध और सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना, 3. ईरान के फ्रीज्ड फंड जारी करना।

लेबनानी सेना की अपील- दक्षिणी इलाकों में लौटने की जल्दबाजी न करें: लेबनानी सेना ने विस्थापित लोगों से दक्षिणी गांवों और कस्बों में लौटने की जल्दबाजी न करने की अपील की है। सेना का कहना है कि हालात में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन सुरक्षा जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। सोशल मीडिया पर जारी बयान में सेना ने लोगों से कहा कि वे इलाके में तैनात सैन्य इकाइयों के निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा संबंधी सलाह को नजरअंदाज न करें। सेना ने चेतावनी दी कि दक्षिणी लेबनान में अब भी इजराइली हमलों और सैन्य उल्लंघनों का खतरा बना हुआ है, इसलिए नागरिक सतर्क रहें।

यूएई ने अमेरिका-ईरान समझौते का स्वागत किया: संयुक्त अरब अमीरात ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम क्षेत्र में सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दे सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि समझौते के सभी प्रावधानों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। साथ ही क्षेत्र में तत्काल और व्यापक स्तर पर संघर्ष विराम लागू करने, देशों की संप्रभुता का सम्मान करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने पर जोर दिया।

स्विट्जरलैंड बोला- समझौता समारोह के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला

स्विट्जरलैंड के एक राजनयिक अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर समारोह आयोजित करने के लिए अब तक कोई आधिकारिक अनुरोध नहीं मिला है। एक अधिकारी ने कहा कि इतने कम समय में जेनेवा में ऐसा बड़ा आयोजन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि पड़ोसी फ्रांस के एवियां में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के लिए कई देशों ने जेनेवा स्थित अपने मिशनों को लॉजिस्टिक केंद्र बना रखा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर औपचारिक अनुरोध मिलता है, तो स्विट्जरलैंड जरूरी इंतजाम करने में सक्षम है।

होर्मुज स्ट्रेट से बारूदी सुरंगें हटाने में कई हफ्ते लग सकते हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को बारूदी सुरंगें हटाने के लिए खोल दिया जाएगा। इस बीच अमेरिकी नौसेना के पूर्व रियर एडमिरल मार्क मोंटगोमरी ने कहा कि स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित बनाने में कई हफ्तों से लेकर कई महीने तक लग सकते हैं।

मोंटगोमरी के मुताबिक, जहाजों की आवाजाही शुरू होने के बाद तेल बाजार को पूरी राहत मिलने में करीब दो महीने लग सकते हैं। हालांकि शुरुआती असर और कुछ राहत एक हफ्ते के भीतर दिखाई दे सकती है।

पाकिस्तानी पीएम बोले- अमेरिका-ईरान समझौता ऐतिहासिक कदम

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरिफ ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते को शांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। संसद में संबोधन के दौरान शरीफ ने कहा कि आज युद्ध के अंधेरे के बाद अब शांति का सूरज उगा है।

ईरान, मिस्र, इराक और तुर्किये के विदेश मंत्रियों ने बात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मिस्र, इराक और तुर्किये के विदेश मंत्रियों से अलग-अलग फोन पर बातचीत की। ईरानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बातचीत में अमेरिका-ईरान समझौते पर चर्चा हुई। अराघची ने इजराइल के हमलों और लेबनान में जारी सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोकने की जरूरत पर जोर दिया। बयान के अनुसार, तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों का स्वागत किया।

मैं शिलांग में हूं, नेपाल नहीं भागी

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी जमानत मिलने के बाद कोर्ट से बाहर है। उन्होंने ईस्ट मोजो को दिए साक्षात्कार में कहा कि, मैं शिलांग में हूं। मेरे बारे में अफवाह फैलाई जा रही है कि मैं नेपाल चली गई। जिन शर्तों पर मुझे जमानत मिली है, उनका मैंने पूरा पालन किया है। केस खत्म होने तक मैं इंदौर भी नहीं आऊंगी।

सोनम ने कहा कि वह शिलांग में कहां रुकी हुई हैं, इसका खुलासा वह सुरक्षा कारणों से नहीं करेंगी। खुद पर लगे हत्या के आरोप को लेकर उन्होंने कहा, अभी इस केस का ट्रायल चल रहा है। इस बारे में कोई टिप्पणी करना मेरे लिए उचित नहीं होगा। सोनम ने कहा कि उनका खर्च कैसे चल रहा है, इस बारे में भी वह कोई खुलासा नहीं करेंगी। यह उनका निजी मामला है। दरअसल, राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने आरोप लगाया था कि सोनम संभवतः नेपाल भाग गई है। उनके वकील भी नेपाल के हैं। उन्होंने इसमें मदद की है। इसके बाद सोनम सोमवार को मीडिया के सामने आईं और अपनी बात रखी।

मूर्ति नग्न थी, एनसीईआरटी ने ढंककर छापी

- **कांसे की प्रतिमा 1926 में मोहनजोदड़ो की खुदाई में मिली थी, अभी नेशनल म्यूजियम में**

नई दिल्ली। मोहनजोदड़ो की खुदाई में मिली कांसे की नर्तकी की मूर्ति की फोटो बदले हुए रूप में छापी गई है। एनसीईआरटी की किताब में मूर्ति के ढंके धड़ वाली फोटो है। मूर्ति का रंग भी बदल दिया गया है। नर्तकी की तस्वीर 9वीं की किताब मधुरिमा के पहले चैप्टर हिस्ट्री ऑफ आर्ट्स में दी गई है। तस्वीर में कंधे से नीचे का हिस्सा ढंक दिया गया है, जबकि मूल मूर्ति में यह हिस्सा खुला दिखाई देता है। 25 साल से छप रही इस कांस्य मूर्ति के मूल स्वरूप में पहले कभी बदलाव नहीं किया गया था।

यह किताब एनसीईआरटी की नई आर्ट्स एजुकेशन सीरीज का हिस्सा है, जिसे नई शिक्षा नीति और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत तैयार किया गया है। अब तक क्लास 1 से 9 तक की किताबें जारी की जा चुकी हैं।

इतिहासकार बोले- यह सेंसरशिप है: इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने तस्वीर में किए गए बदलाव को छात्रों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि मूर्ति के पूरे धड़ को ढंकना सेंसरशिप है। इससे ऐसी मूर्ति दिखाई गई है, जो असल में कहीं मौजूद नहीं है। डैनिनो ने सवाल उठाया कि क्या अब छात्रों को नेशनल म्यूजियम में रखी मूल प्रतिमा और दूसरी अर्धनग्न या नग्न ऐतिहासिक मूर्तियां देखने से भी रोका जाएगा?

एनसीईआरटी बोला- कोई खास वजह नहीं: तस्वीर में बदलाव को लेकर पूछे गए सवाल पर एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि इसके पीछे कोई खास वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि छठी क्लास की सोशल साइंस किताब में नर्तकी की तस्वीर अपने मूल रूप में मौजूद है और यह हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख खोजों में से एक है।

पहले भी तस्वीर पर उठी थी आपत्ति: इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने मई में बताया था कि एनसीईआरटी ने सिंधु घाटी सभ्यता वाले चैप्टर के पहले पेज पर नर्तकी की फोटो लगाने पर आपत्ति जताई थी। डैनिनो उस समय एनसीईआरटी की छठी क्लास की नई सोशल साइंस किताब की 'टेक्स्टबुक डेवलपमेंट कमेटी' के प्रमुख थे। डैनिनो के मुताबिक, कुछ लोगों का मानना था कि मूर्ति के नग्न वाले स्वरूप को लेकर विवाद हो सकता है। बाद में तस्वीर को चैप्टर की शुरुआत से हटाकर अंदर के पन्ने पर छोटे रूप में रखा गया था, लेकिन तस्वीर को हटाया नहीं गया। डैनिनो ने कहा था कि अगर नर्तकी की फोटो बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं है, तो फिर उन्हें नेशनल म्यूजियम भी नहीं जाना चाहिए, जहां यह मूर्ति रखी हुई है।

मूर्ति से जुड़ी 3 जरूरी बातें: डांसिंग गर्ल नाम से मशहूर करीब 4 इंच की कांस्य मूर्ति 1926 में मोहनजोदड़ो से मिली थी। मूर्ति में जूड़ा बांधे एक युवती को दिखाया गया है, जिसके हाथों में चूड़ियां और गले में हार है। प्रतिमा में युवती अपना दाहिना हाथ कमर और बायां हाथ जांघ पर रखे हुए है। मूल मूर्ति नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में रखी गई है।

हिमाचल में पेट्रोल और डीजल संकट

केंद्र के आदेश किसानों-बागवानों पर पड़ रहे भारी

- **कैनी-बोतल में ईंधन नहीं, स्प्रे-गुड़ाई जैसे काम ठप**

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की बिक्री को लेकर जारी केंद्र सरकार के आदेशों ने किसानों व बागवानों की चिंता बढ़ा दी है। राज्य में किसानों और बागवानों को खुले कंटेनरों में पेट्रोल-डीजल नहीं मिल रहा है, जिससे खेती व बागवानी से जुड़े काम बुरी तरह प्रभावित होने लगे हैं।

कैनी और बोतल में पेट्रोल-डीजल देने पर सख्ती के बाद पंप संचालक खुले में ईंधन नहीं दे रहे। इससे पावर स्प्रेयर, पावर टिलर, ग्रास कटर, वुड कटर, पानी के पंप, मिनी टिलर इत्यादि शो-पीस बन गए है। राज्य की आर्थिकी में 5500 करोड़ रुपए से ज्यादा का योगदान देने वाले सेब बगीचों में इन दिनों स्प्रे होती है, लेकिन उसके लिए पेट्रोल पंप संचालक ईंधर नहीं दे रहे। इससे बागवानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह, दूसरे कृषि उपकरणों के लिए भी पेट्रोल-डीजल नहीं मिल रहा। प्रदेश में इससे हाहाकार जैसी स्थिति बनने लगी है।

केंद्र के आदेश भारी पड़ रहे: रमेश: ठियोग के बागवान रमेश शर्मा ने बताया कि बागवान पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। अब केंद्र सरकार के नए आदेश उनके लिए नई परेशानी बन गए हैं। सेब बागानों में इस समय स्प्रे करना बेहद जरूरी है, लेकिन पेट्रोल नहीं मिलने के कारण वे स्प्रे का काम नहीं कर पा रहे हैं। इससे फसलों पर बीमारियों और कीटों का खतरा बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के आदेश लागू किए जा रहे: रचित- इंडियन ऑयल सर्विस (आईओएस) के स्टेट कोऑर्डिनेटर रचित अग्रवाल ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की बिक्री को लेकर केंद्र सरकार तथा पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन द्वारा प्रमाणित कंटेनरों में ही पेट्रोल-डीजल दिया जा सकता है। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तेल कंपनियां इन्हीं नियमों का पालन कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि केंद्र सरकार खुले कंटेनरों में ईंधन देने की अनुमति देती है तो तेल कंपनियों को ऐसा करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

आरजी कर दुष्कर्म और हत्या मामले में दोबारा शुरू हुई जांच

कोलकाता। बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वर्ष 2024 में दुष्कर्म के बाद प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या के मामले की जांच के सिलसिले में सीबीआइ के अधिकारियों की एक टीम सोमवार को अस्पताल पहुंची।

टीम में संयुक्त निदेशक स्तर के एक अधिकारी समेत कुल छह अधिकारी शामिल थे। टीम ने अस्पताल के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, उप-प्राचार्य और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। जहां यह अपराध हुआ था। अस्पताल परिसर में नौ अगस्त 2024 की रात महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। घटना के तुरंत बाद सबूत नष्ट किए जाने और मामले को दबाने की कोशिश किए जाने के भी आरोप लगे थे। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पिछले महीने इस मामले में सबूत नष्ट किए जाने के आरोपों और पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए विशेष आरोपों की नए सिरे से जांच के आदेश दिए थे।

धमाके से दहला पाकिस्तान, खून से लाल हुई पुलिस चेकपोस्ट

- **विस्फोट के बाद टीटीपी का बड़ा दावा**

नई दिल्ली। पाकिस्तान से बड़ी खबर सामने आई है। खैबर पख्तूनख्वा-पंजाब सीमा के पास स्थित झांगी पुलिस चौकी पर सोमवार को आतंकी हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि विस्फोटकों से लदा एक संदिग्ध वाहन चौकी से टकराया और भीषण धमाका हुआ। इस हमले में 5 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य घायल हैं। पुलिस के प्रारंभिक बयान में कहा गया है कि वाहन लकड़ी से लदा था, जिसमें विस्फोटक छिपाए गए थे। टक्कर के साथ विस्फोट इतना जबरदस्त था कि चौकी की बाहरी दीवार का एक हिस्सा ढह गया और वाहन मलबे में दब गया। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्मघाती हमला था या वाहन को रिमोट कंट्रोल से उड़ाया गया। फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

बताया जा रहा है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने दावा किया कि हमला उनके हाल ही में लॉन्च किए गए 'अल-फारूक' मिसाइल से अंजाम दिया गया। हालांकि, पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियां इस दावे की पुष्टि नहीं कर रही हैं। फिलहाल जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि हमला मिसाइल से हुआ या विस्फोटक भरे वाहन के जरिए। गौरतलब है कि टीटीपी ने हाल के महीनों में दक्षिणी खैबर पख्तूनख्वा और बाजौर जिले में भी इसी तरह के कई हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

बता दें कि यह हमला अफगानिस्तान में टीटीपी के ठिकानों पर पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों के महज कुछ दिनों बाद हुआ है।

जिसे मैंने दुर्गा कहा, कैसे छोड़ूंगी उन्हें...

- **विधायक पत्नी ने नहीं छोड़ा ममता का साथ, सांसद पति ने की बगावत**

कोलकाता। बंगाल की राजनीति के निराले रंग देखने को मिल रहे हैं। टीएमसी में फूट के बाद सांसद पति ने ममता का साथ छोड़ दिया है, लेकिन विधायक अभी भी पूर्व सीएम ममता के साथ है। वो ममता बनर्जी के नाम पर कसमें खा रही हैं। टीएमसी की इस महिला नेत्री ने कहा कि मैं उसे कैसे छोड़ सकती हूं जिसे मैंने दुर्गा कहा है। ये कहानी पश्चिम बंगाल के कद्दावर नेता सुदीप बंदोपाध्याय और नयना बंदोपाध्याय की है।

बंगाल की राजनीति के जाने-माने चेहरे सुदीप बंदोपाध्याय रविवार को टीएमसी छोड़ बागियों के गुट में आकर मिल गए और बाद में नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए। सुदीप बंदोपाध्याय उत्तरी कोलकाता से सांसद भी हैं।

सुदीप बंदोपाध्याय ने 19 अन्य बागी सांसदों के साथ स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि वे सांसद के रूप में एनडीए का समर्थन करेंगे। सुदीप बंदोपाध्याय के पार्टी छोड़ने के बाद उनकी विधायक पत्नी नयना बंदोपाध्याय की राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा होने लगी। कई नेताओं-कार्यकर्ताओं ने कहा कि नयना अपनी राहें टीएमसी से अलग कर लेंगी। लेकिन नयना ने इन सारी अटकलों को खारिज किया है। नयना ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के साथ ही रहेंगी।

नयना ने कहा कि उनके पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने ममता को अपना नेता मान लिया है। यह बात उनके लिए बिल्कुल सच है। उन्होंने तो यहां तक दावा किया कि अगर ममता बनर्जी उन्हें छोड़ भी दें, तो भी वे उन्हें नहीं छोड़ेंगी। नयना बनर्जी के शब्दों में, मैं दीदी के साथ दृढ़ता से जुड़ी हुई हूं। वह मुझे छोड़ सकती हैं, लेकिन मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगी। मैं उन्हें कैसे छोड़ सकती हूं जिन्हें मैंने अपनी दुर्गा कहा है? दीदी मुझे छोड़ सकती हैं, लेकिन मैं उनका साथ कभी नहीं छोड़ूंगी।

तमिलनाडु में 3 साल की बच्ची से रेप, मौत

पटना। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्ची रविवार से लापता थी। सोमवार को वह झाड़ियों में गंभीर हालत में मिली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 19 साल के विबिन मंच के तौर पर हुई है, जो तिरुवल्लूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर फिर तनाव

- **9 बांग्लादेशी नागरिकों को बीजीबी ने वापस लेने से किया इनकार**

गुवाहाटी। असम के मनकाचर सेक्टर में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। नो-मैन्स लैंड (दोनों देशों के अधिकार क्षेत्र से बाहर की भूमि) में 9 बांग्लादेशी नागरिक फंसे हुए हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) इन नागरिकों को वापस लेने से इनकार कर रहा है।

फ्लैग मीटिंग बेनतीजा

इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और बीजीबी के बीच कई दौर की फ्लैग मीटिंग भी हुई। सूत्रों के अनुसार बैठक बेनतीजा रही। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि आज फिर से दोनों पक्षों के बीच नई बैठक होगी, जिसमें इस गतिरोध को खत्म करने की कोशिश की जाएगी।

रविवार को फैला तनाव

रविवार को मनकाचर इलाके में जब 9 व्यक्ति नो-मैन्स लैंड में फंसे पाए गए, तो तनाव बढ़ गया। एक वायरल वीडियो में उनमें से एक व्यक्ति साफ तौर पर कहता सुनाई दे रहा है, हम बांग्लादेशी नागरिक हैं। काम के सिलसिले में भारत आए थे। हमारे पास दस्तावेज हैं। भले ही हमें मार दिया जाए और नदी में फेंक दिया जाए, हम भारत नहीं जाएंगे। अन्य वीडियो में इन लोगों को रोते हुए भी देखा गया है।

बीएसएफ की सख्ती

बीएसएफ ने हाल के दिनों में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे कई बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा है। पिछले हफ्ते असम पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में 21 घुसपैठियों को रोका गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस कार्रवाई की सराहना की।

मऊगंज में युवक कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शनः

मुंडन कर निकाली मुख्य चुनाव आयुक्त की प्रतीकात्मक शवयात्रा, पुतला दहन से गरमाई सियासत

अभय मिश्रा मऊगंज। मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को लेकर जारी राजनीतिक विवाद अब मऊगंज तक पहुंच गया है। मऊगंज में युवक कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अनोखा और तीखा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पहले मुंडन कराया, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और अंत में पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच झड़प जैसी स्थिति भी देखने को मिली। मऊगंज जिले में युवक कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन का ऐसा तरीका अपनाया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक शवयात्रा निकालकर विरोध जताया। शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय के सामने कार्यकताओं ने पहले मुंडन कराया। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त के प्रतीकात्मक शव को चार कंधों पर रखकर जुलूस निकाला गया। हाथों में पीतल का लोटा और पारंपरिक सामग्री लिए कार्यकर्ता पूरे रास्ते नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ते रहे। जैसे ही जुलूस मुख्य चौराहे पर पहुंचा, कार्यकताओं ने प्रतीकात्मक शव के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने पुतला छीनने और प्रदर्शन को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार्यकताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक खींचतान चलती रही। आखिरकार युवक कांग्रेस कार्यकर्ता पुतला दहन करने में सफल रहे। प्रदर्शन के बाद युवा कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने कहा कि यह विरोध केवल एक दिन का नहीं है, बल्कि 13 दिनों तक हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार प्रतीकात्मक क्रियाकर्म किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से पीतल का लोटा अपने कब्जे में लेने का भी आग्रह किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और मुख्य चुनाव आयुक्त पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने के आरोप लगाए। साथ ही स्थानीय प्रशासन और विभिन्न मुद्दों को लेकर भी सरकार को निशाने पर लिया गया।

न्यूयॉर्क में एनबीए की जीत का जश्न बना हिंसा का अखाड़ा

बेकाबू भीड़ ने स्कूल बसों में लगाई आग, 63 लोग गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर में शनिवार, 13 जून की रात भारी हंगामा और हिंसा हुई। निक्स के एनबीए (नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन) खिताब जीतने का जश्न मना रही बेकाबू भीड़ ने टाइम्स स्क्वायर में एनवायपीडी की गाड़ियों में तोड़-फोड़ की और फीफी की बसों में आग लगा दी। न्यूयॉर्क शहर में हुई इस हिंसा में 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में 63 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस हंगामे के दौरान कम से कम 15 संदिग्धों पर आपराधिक आरोप लगे हैं। इस घटना में 17 साल के लड़के के पैर में गोली लगी और चार लोगों पर चाकू से हमला हुआ। **हिंसा के लिए कोई जगह नहीं:** न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को कहा कि ज्यादातर न्यूयॉर्क वासियों ने सही तरीके से जश्न मनाया। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने ऐसा नहीं किया। ममदानी ने कहा कि हमने बार-बार कहा है कि हम चाहे कितने भी उत्साहित क्यों न हों, हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। चाहे वह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हो या किसी और के। मैं हमारे शहर को सुरक्षित रखने के लिए एनवायपीडी के सभी लोगों की तारीफ करता हूं।

स्वत्वाधिकारी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक सुभाष मिश्रा के लिए, मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा श्रीबालाजी प्रिंटर्स, 21 एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल म.प्र.से मुदित एवं एसआर-4-102, रुद्राक्ष पार्क फेस-1 बावड़ियां कलां, भोपाल, म.प्र.से प्रकाशित, प्रधान संपादक -सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक- भालचन्द्र जोशी, स्थानीय संपादक- अंशुमन खरे आरएनआई रजि. नं.RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।